@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 25 फरवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 112 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा 25-26 फरवरी को

नेतन्याहू के साथ व्यापक वार्ता करेंगे

विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 12:45 बजे तेल अवीव पहुंचेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 फरवरी से इजराइल की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान वह अपने इज़राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और इजराइली संसद नेसेट को संबोधित भी करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 12:45 बजे तेल अवीव पहुंचेंगे। आगमन पर दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच संक्षिप्त मुलाकात होगी। पहले दिन प्रधानमंत्री नेसेट को संबोधित करने के अलावा

भारतीय मूल के लोगों के साथ एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेंगे और एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। रात्रि में वह प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा आयोजित निजी रात्रिभोज में शामिल होंगे। यात्रा के दूसरे दिन 26 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी यरुशलम स्थित याद वाशेम जाकर होलोकॉस्ट स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, जहां नाजी अत्याचारों में मारे गए लाखों यहूदियों की स्मृति संरक्षित है। इसके बाद प्रधानमंत्री इज़राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत भी होगी। वार्ता के बाद नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा के दौरान भारतीय और यहूदी समुदाय के सदस्यों के साथ भी संवाद करेंगे। यह यात्रा रणनीतिक, तकनीकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को और सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी का यह दूसरा इज़राइल दौरा होगा और दोनों देशों के बीच 'रणनीतिक साझेदारी' को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा।

कांग्रेस की हर गतिविधि हमारे लिए आशीर्वाद: हिमंत बिस्वा सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को पूर्व असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष भूपेन बोरा के खिलाफ कांग्रेस द्वारा निकाली गई 'श्मशान यात्रा' पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे राजनीतिक रूप से अपरिपक्व और उल्टा असर डालने वाला कदम बताया। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि कांग्रेस जो भी कदम उठाती है, उसका फायदा अंततः भाजपा को ही मिलता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'जब भी कांग्रेस कुछ करती है, वह हमारे लिए आशीर्वाद साबित होता है। इस तरह के प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन पार्टी की ताकत नहीं, बल्कि उसकी हताशा को दिखाते हैं।' सरमा ने भूपेन बोरा के कांग्रेस छोड़ने के संदर्भ में अपना उदाहरण देते हुए कहा कि जब उन्होंने वर्षों पहले कांग्रेस छोड़ी थी, तब पार्टी कार्यालय एपीसीसी के मुख्यालय 'राजीव भवन' को साफ किया गया था।

एआई शिखर सम्मेलन मामला

बड़ा खुलासा, सुनियोजित साजिश के तहत हुआ हंगामा

कई राज्यों से जुड़े तार; आठ गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 24 फरवरी 2026 को एआई शिखर सम्मेलन के दौरान युवा कांग्रेस के प्रदर्शन मामले पर पहली बार आधिकारिक बयान दिया है। विशेष पुलिस आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने मीडिया के सामने यह जानकारी साझा की। इस संवेदनशील मामले की जांच अब दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को सौंप दी गई है।

भारत मंडपम में हुआ था बवाल

अपराध शाखा की अंतरराज्यीय प्रकोष्ठ इस पूरे मामले की गहनता से जांच करेगी। यह घटना 20 फरवरी को भारत मंडपम में हुई थी, जहां प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़ दिया था। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई थीं, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। तिलक मार्ग थाने में इस संबंध में एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

अबतक आठ गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि आरोपियों को निगरानी कैमरे के फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा गया है। जांच से पता चला है कि कई लोग इन आक्रामक तत्वों को बाहर से सहायता प्रदान कर रहे थे। अब तक इस मामले में कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी गिरफ्तार व्यक्तियों से पुलिस हिरासत में पूछताछ की गई है। पुलिस अन्य राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

जांच का दायरा और कानूनी कार्रवाई

प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता की धारा 191 (1) और 192 जोड़ी गई हैं। ये धाराएं मुख्य रूप से दंगा भड़काने और आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित हैं। अपराध शाखा मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। इसका उद्देश्य घटना के पीछे के सभी साजिशकर्ताओं का पता लगाना है।

केंद्र ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने को दी मंजूरी

यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधानों के तहत पूरी की जाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने राज्य 'केरल' का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय राज्य सरकार के अनुरोध और विधानसभा के प्रस्ताव के आधार पर लिया गया है। सरकार के अनुसार, केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति अब केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को केरल की राज्य विधानसभा के पास उसकी राय जानने के लिए भेजेंगे। यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधानों के तहत पूरी की जाएगी। राज्य विधानसभा से प्राप्त सुझावों और विचारों के बाद भारत सरकार आगे की कार्रवाई करेगी। इसके पश्चात राष्ट्रपति की सिफारिश लेकर केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को संसद में पेश किया जाएगा। दरअसल, केरल विधानसभा ने 24 जून 2024 को एक प्रस्ताव पारित कर राज्य का नाम 'केरल' से बदलकर 'केरलम' करने की सिफारिश की थी। इसके बाद केरल सरकार ने भारत सरकार से संविधान की प्रथम अनुसूची में संशोधन कर नाम परिवर्तन करने का औपचारिक अनुरोध किया था। यदि संसद इस विधेयक को पारित कर देती है, तो आधिकारिक रूप से राज्य का नाम 'केरलम' हो जाएगा।

बिहार विधानसभा में भड़के नीतीश

विपक्षी सदस्यों से कहा- बेमतलब का नहीं बोलिए, चुप बैठिए

एजेंसी

पटना। बिहार में दफादार और चौकीदारों पर हुए लाठीचार्ज की घटना ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे दफादार और चौकीदारों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किए जाने के बाद विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। मामला इतना बढ़ गया कि इसकी गूंज बिहार विधानसभा तक पहुंची और सदन में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष के सवाल पर सीएम नीतीश कुमार विधानसभा में अपनी जगह से खड़े हुए और कहा, 'बेकार का हो-हल्ला मत कीजिए, आप लोग कभी कोई काम किए हैं क्या? ' नीतीश कुमार ने विपक्षी सदस्य भाई वीरेंद्र और कुमार सर्वजीत को इशारा करते हुए कहा कि चुपचाप बैठिए। नीतीश कुमार ने विपक्ष की संख्या पर भी तंज कसते हुए कहा, 'आप लोग अपनी संख्या देख लीजिए और हमारी संख्या देख लीजिए। हम आपकी बातें सुनते हैं, लेकिन बिना मतलब की बातें मत कीजिए। ' इसी दौरान जब राजद विधायक भाई वीरेंद्र बोलने लगे तो नीतीश कुमार ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार

लगातार विपक्ष की बात सुनती है, लेकिन बेवजह आरोप लगाने से बचें।इस दौरान सीएम नीतीश कुमार ने एनडीए विधायकों की संख्या 202 की जगह 2002 बता दी। इस दौरान नीतीश कुमार विधायकों को बार-बार मीटिंग कहते नजर आए। सीएम ने कहा, 'एक-दो बार तो हमने आप लोगों को रखकर गलती की, लेकिन आप लोग इधर-उधर करने लगे तो साथ छोड़ दिया। आपकी सरकार ने आज तक कोई काम नहीं किया है, जो भी काम हुआ है, वह हमारी सरकार के समय में हुआ है। 'नीतीश कुमार के लगातार इस एक्शन को लेकर उनके बगल की सीट पर बैठे संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी यह कहते हुए नजर आए कि बैठ जाइए। इसके बाद भी सीएम अपनी बात कह रहे थे। हालांकि, विपक्ष के विधायकों ने हंगामा बंद किया तो नीतीश कुमार भी अपनी जगह पर बैठ गए।

केंद्र ने श्रीनगर एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल बनाने की मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सिविल एन्क्लेव के विस्तार को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर लगभग 1,677 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसके पूरा होने पर हवाई अड्डे की क्षमता में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नए सेवा तीर्थ में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि 73.18 एकड़ क्षेत्र में 71,500 वर्ग मीटर का नया टर्मिनल भवन बनाया जाएगा, जिसमें 20,659 वर्ग मीटर मौजूदा संरचना का उपयोग होगा। विमान पार्किंग क्षेत्र का विस्तार कर 15 विमान पार्किंग बे बनाए जाएंगे, जिनमें एक वाइडबॉडी (कोड ई) बे भी शामिल होगा। मल्टी-लेवल कार पार्किंग सुविधा में 1,000 कारों की क्षमता होगी। नया टर्मिनल पीक आवर्स में 2,900 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा और इसकी वार्षिक क्षमता 10 मिलियन यात्रियों तक होगी। परियोजना को 5-स्टार ग्रिहा (एकीकृत आवास मूल्यांकन की हरित रेटिंग) रेटिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ निर्माण पर जोर दिया जाएगा।

अग्रिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय पहुंचे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

गिरफ्तारी से बचने के लिए शंकराचार्य ने उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की

एजेंसी

लखनऊ। यौन उत्पीड़न के आरोप का सामना कर रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अब अपनी अग्रिम जमानत के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दस्तक दी है। एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए शंकराचार्य ने उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। शंकराचार्य ने अधिवक्ता राजर्षि गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश के जरिए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई है। जल्द ही इस पर सुनवाई हो सकती है। दरअसल, तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने 173 (4) के तहत जिला कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। इस मामले की सुनवाई के बाद एडीजे रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी पुलिस को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती समेत अन्य संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना का आदेश दिया था। कोर्ट के इस आदेश के अनुपालन में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। ऐसे में शंकराचार्य और उनके साथी संतों की कभी भी गिरफ्तारी हो सकती है।

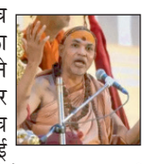

2026-27 सीजन के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंजूरी

सरकार के इस फैसले से पूरे भारत में उत्पादन की औसत लागत पर 61.8 फीसदी का रिटर्न मिलेगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने मंगलवार को (सीसीईए) विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नए 'सेवा तीर्थ' में आयोजित केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सीसीईए ने विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट (टीडी-3 ग्रेड) का एमएसपी 5,925 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि विपणन सीजन 2026-27 के

लिए कच्चे जूट का एमएसपी पिछले विपणन सीजन 2025-26 के मुकाबले 275 रुपये प्रति क्विंटल ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कच्चे जूट का एमएसपी विपणन सीजन 2014-15 के 2400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर विपणन सीजन 2026-27 में 5,925 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जो 3,525 रुपये प्रति क्विंटल यानी (2.5 गुना) की बढ़ोतरी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपणन सीजन 2014-15 से विपणन सीजन 2025-26 के दौरान जूट उगाने वाले किसानों को दी गई एमएसपी रकम 1342 करोड़ रुपये थी, जबकि विपणन सीजन 2004-05 से विपणन सीजन 2013-14 के दौरान दी गई रकम 441 करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से पूरे भारत में उत्पादन की औसत लागत पर 61.8 फीसदी का रिटर्न मिलेगा।

विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट का घोषित एमएसपी बजट 2018-19 में सरकार द्वारा घोषित पूरे भारत में उत्पादन की औसत लागत का कम से कम 1.5 गुना एमएसपी तय करने के सिद्धांत के अनुसार है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जूट कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया (जेसीआई) प्राइस सपोर्ट ऑपरेशन करने के लिए केंद्र सरकार की नोडल एजेंसी बनी रहेगी और ऐसे ऑपरेशन में अगर कोई नुकसान होता है तो केंद्र सरकार उसकी पूरी भरपाई करेगी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने संजय सरावगी की माता को दी श्रद्धांजलि

बैठक में राज्यसभा की पांच सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर चर्चा की गई।

एजेंसी

पटना/दरभंगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार को दरभंगा पहुंचे। वे दरभंगा शहर से भाजपा विधायक-सह प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की दिवंगत माता जी की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए और उन्हें नमन किया।

इससे पहले मिथिला की सांस्कृतिक राजधानी दरभंगा हवाईअड्डे पर उनके पहुंचते ही 'जय श्री राम', 'भारत माता की जय' और 'नितिन नवीन जिंदाबाद' के नारों से माहौल गूंज उठा। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेता मौजूद थे। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने आगे बढ़कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। उन्हें फूल-मालाएं पहनाई गईं और शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। हालांकि, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और सीधे प्रदेश अध्यक्ष के आवास के लिए रवाना हो गए। संजय सरावगी की माता को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद नितिन नवीन दरभंगा सर्किट हाउस पहुंचे, जहां भाजपा की कोर कमिटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्यसभा की पांच सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को

लेकर चर्चा की गई। बैठक में संगठन महामंत्री भीखु भाई दलसानिया, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, संजय जायसवाल, पूर्व मंत्री जीवेश कुमार तथा राज्यसभा सदस्य डॉ. धर्मशीला गुप्ता मौजूद रहीं।

राहुल गांधी भारत को शर्मिंदा करने की साजिश में बेनकाब : गौरव भाटिया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एआई शिखर सम्मेलन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत को शर्मिंदा करने की साजिश रची, जो अब परत-दर-परत सामने आ रही है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाटिया ने कहा कि एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में विरोध-प्रदर्शन के सिलसिले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एआई समिट के दौरान, जब पूरी दुनिया की नजर भारत पर थी, उस समय युवा कांग्रेस ने टी-शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन किया। भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी ने भारत को शर्मिंदा और बदनाम करने

अकाली और कांग्रेस सरकारों ने पंजाब के बच्चों को जानबूझकर अनपढ़ रखा: भगवंत मान

कौमी पत्रिका

मानसा, 24 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि अकाली और कांग्रेस के दशकों के शासन ने जानबूझकर पंजाब के बच्चों को अनपढ़ रखा, जबकि राजनीतिक परिवार फलते-फूलते रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन पार्टियों को कभी भी लोगों की तरक्की की चिंता नहीं थी, बल्कि सिर्फ अपनी बेटियों-बेटों और रिश्तेदारों के लिए सत्ता हासिल करने की चिंता थी। सरदूलगढ़ में सरकारी आई.टी.आई., जो हर साल 240 विद्यार्थियों को हुनरमंद बनाएगी, का नींव पत्थर रखने के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा अब चुनाव सपना पूरा करने के लिए दूसरी पार्टियों के दलबदलुओं पर निर्भर कर रही है लेकिन पंजाब ने अलग रास्ता चुना है। पंजाब सरकार द्वारा सरकारी खजाने का एक-एक पैसा ईमानदारी से लोगों की भलाई और तरक्की पर खर्च करने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने ऐलान किया कि 'आप' सरकार, पंजाब विकास के लिए नए इंजन पर चल रही है, जबकि भाजपा, अकाली दल और कांग्रेस के इंजन पुराने हो चुके हैं और सूबे को आगे बढ़ाने के सक्षम नहीं हैं। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, अकाली दल खुद एक डायनासोर है, जिसने राज्य और इसके लोगों की कमाई को हड़प लिया। जहां 'आप' सरकार पंजाबी नौजवानों को डॉक्टर और इंजीनियर बनाकर भविष्य के लिए तैयार करने के लिए सख्त प्रयास कर रही है, वहीं अकाली दल राज्य के नौजवानों को डायनासोर युग में वापस खींचने पर तुला हुआ है। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि डायनासोर मनुष्यों के लिए घातक थे। उन्होंने कहा कि डायनासोर अकालियों का पसंदीदा जानवर है क्योंकि

अकालियों ने भी पंजाब और पंजाबियों की मेहनत की कमाई खाई है। उन्होंने कहा, लोग कभी भी ऐसे नेताओं को नहीं चुनेंगे, जिन्होंने राज्य को बर्बाद किया है और अपनी घिनौनी हरकतों से हमारी पीढ़ियों को हड़प लिया है। अकाली दल की पंजाब बचाओ यात्रा पर व्यंग्य कसते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली दल की इस चाल का असली नाम 'परिवार बचाओ यात्रा' है। उन्होंने कहा, मैं अकाली नेताओं को चुनौती देता हूं कि वे यह बताएं कि 15 साल राज्य को लूटने के बाद वे राज्य को किससे बचाने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों ने अकालियों को चुना था लेकिन वे गद्दार साबित हुए और हमेशा सूबे और इसके लोगों की पीठ में छुरा घोंपा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लोगों को याद दिलाया कि जब समूची किसानी अपने हकों के लिए लड़ रही थी तब अकालियों ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में अपनी कुर्सी बचाने खातिर काले कृषि कानूनों पर मोदी सरकार का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि अकालियों ने अपने निजी राजनीतिक हितों के लिए पंथ की दुरुपयोग किया है, जिस कारण लोगों द्वारा उन्हें माफ नहीं किया जा सकता। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी चुनाव जीतने की उम्मीद में दूसरी पार्टियों के दलबदलुओं पर निर्भर कर रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाजपा की यह रणनीति पंजाब में काम नहीं करेगी क्योंकि दूसरी मशीनों के खराब हुए पुर्जों वाला इंजन ज्यादा देर नहीं चल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक राजनीतिक पार्टियां उनसे जलन रखती हैं क्योंकि वे यह हजम नहीं कर पा रही हैं कि एक आम आदमी का बेटा राज्य का शासन प्रभावशाली ढंग से चला रहा है। उन्होंने आगे कहा, पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों के लोग विरोधी और पंजाब विरोधी रुख कारण पंजाब के लोगों का उनसे विश्वास उठ गया है।

शेष पृष्ठ 3 पर

दर्दनाक हादसा-घर में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के छह लोग जिंदा जले, महिला घायल

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ जिले में एक मकान में आग लगने से पांच बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे ने मंगलवार को यहां बताया कि घटना किदवई नगर इलाके में बीती रात करीब आठ बजे हुई।उन्होंने बताया कि इकबाल अहमद के आवास पर आग लगने की सूचना रात आठ बजकर 49 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि तीन मिनट के भीतर, डायल 112 पुलिस प्रतिक्रिया वाहन मौके पर पहुंच गया और उसके तुरंत बाद दमकल की गाड़ियां भेजी गईं।पुलिस के मुताबिक, घर में सिलाई का काम होता था और बड़ी मात्रा में कपड़े रखे हुए थे जिससे आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं। उन्होंने कहा कि इलाके में संकरी गलियों के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में चुनौती पेश आती है इसीलिए अग्निशमन विभाग के बेड़े में शामिल की गईं नयी मोटरसाइकिलों को भेजा गया। एसएसपी ने बताया कि एक स्थानीय निवासी ने भी फंसे लोगों को निकालने में मदद के लिए सीढ़ी लगाकर बचाव प्रयासों में सहायता की। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है और विस्तृत जांच की जा रही है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना में सात लोग झुलसे हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में चिकित्सकों ने उनमें से छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रुखसार (25), महबीश (12), हम्माद (चार), अकदस (चार), नबिया (चार माह) और इनायत (चार माह) के रूप में की गई है, जो किदवई नगर में सुराही वाली मस्जिद के पास गली नंबर तीन के निवासी थे। एसएसपी ने बताया कि घायल महिला अमीर बानो (55) का उपचार किया जा रहा है। परिवार के एक सदस्य मोहम्मद फारूक ने कहा कि जब उन्हें आग लगने की सूचना मिली तो वह नमाज पढ़ने गए थे।

नीतिश के मंत्री का राहुल गांधी पर हमला, देश की जनता अब उन्हें गंभीरता से नहीं लेती

पटना (एजेंसी)। बिहार में नीतिश सरकार में मंत्री मंगल पांडे ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि देश की जनता अब उन्हें गंभीरता से बिल्कुल नहीं लेती। राहुल गांधी की पहचान अब इसतरह के नेता के तौर पर है जो देश की छवि को धूमिल करने का काम कर रहा हैं, लेकिन राहुल गांधी को सफलता हाथ नहीं लग रही है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस विरोध पर नीतिश सरकार में मंत्री पांडे ने कहा कि जब भी भारत को बदनाम करने या देश की इमेज खराब करने के लिए कांग्रेस सबसे आगे रहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तेजी से मजाक का विषय बनते जा रहे हैं। इसकारण भारत की जनता राहुल गांधी को कभी गंभीरता से नहीं लेती। मंत्री पांडे ने कहा कि एआई समिट विश्व का मंच था, जहां 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष आए थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा वहां जिस तरह का प्रदर्शन हुआ है, वह निंदनीय है। कांग्रेस के इस प्रोटेस्ट से सभी को बहुत आघात पहुंचा है। कांग्रेस के लोग पता नहीं कि अब लोकतंत्र में क्या दिखाना क्या चाहती है। कांग्रेस ने शर्टलेस प्रोटेस्ट से देश की छवि को खराब करने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस को सफलता नहीं मिली। भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने इंडिया एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट पर कहा कि आपने देखा कि एआई समिट में 140 देशों के प्रतिनिधियों का कॉन्फ्रेंस चल रहा था और किस प्रकार से कांग्रेस के द्वारा एक छोटी-सी बात को लेकर भारत की छवि को दुनिया के सामने खराब करने की कोशिश की गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ने पर 13 छात्रों को नोटिस

लखनऊ (एजेंसी)। रमजान के महीने में लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ने को लेकर पुलिस प्रशासन ने छात्रों के खिलाफ कार्रवाई कर दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित लाल बारादरी में नमाज पढ़ने के प्रकरण में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई कर 13 छात्रों को नोटिस दे दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट, महानगर कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा के तहत जारी नोटिस में आरोप लगाया गया है कि संबंधित छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में लाल बारादरी के पास चल रहे निर्माण कार्य को बाधित करने का काम किया। कैंटीन के सामने सड़क पर बैठकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थान पर नमाज पढ़ने की कोशिश की, जिससे शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका उत्पन्न हुई। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जारी आदेश में कहा गया है कि इन गतिविधियों से विश्वविद्यालय परिसर में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई और भविष्य में लोक शांति भंग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने सभी 13 छात्रों को निर्देश दिया है कि वे एक वर्ष तक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की गारंटी के रूप में 50 हजार का व्यक्तिगत मुचलका और 50-50 हजार के दो जमानतदार प्रस्तुत करें। लखनऊ यूनिवर्सिटी परिसर की लाल बारादरी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें हिंदू छात्रों ने चेन बनाकर मुस्लिम छात्रों को नमाज पढ़ने में मदद की थी। सोमवार को छात्रों के दूसरे संगठन ने इसके विरोध में प्रदर्शन किया था। आरोप है कि लाल बारादरी में रेनोवेशन का काम चल रहा है। इसके बावजूद छात्र यहां नमाज अदा करने पहुंचे थे। जब छात्रों को नमाज पढ़ने से रोका गया तब हिंदू छात्रों ने बैरिकेटिंग को गिरा दिया और ह्यूमन चेन बनाकर खड़े हो गए। इसके बाद छात्रों ने नमाज अदा की और रोजा खोला।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर महंगे आभूषण, लग्जरी घड़ियां और विदेशी मुद्रा के साथ महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई कर एक महिला यात्री को अवैध रूप से महंगे आभूषण, लग्जरी घड़ियां और विदेशी मुद्रा लाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अमेरिकी पासपोर्ट धारक यह महिला हांगकांग से फ्लाइट नंबर सीएक्स-695 द्वारा टर्मिनल-3 पर पहुंची थी। महिला पर संदेह होने पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने उन्हें रोका और सामान की एक्स-रे जांच की। निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत विस्तृत तलाशी लेने पर भारी मात्रा में अघोषित विदेशी सामान बरामद हुआ।

बंगाल के एसआईआर में लाखों दावों-आपत्तियों से निपटेंगे झारखंड-ओडिशा के जज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर में 80 लाख दावों और आपत्तियों से निपटने के लिए सिविल जजों को नियुक्त करने और पड़ोसी राज्यों झारखंड व ओडिशा से न्यायिक अधिकारियों को बुलाने की अनुमति दे दी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के एक पत्र पर संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया था कि एसआईआर कवायद के लिए तैनात 250 जिला न्यायाधीशों को दावों और आपत्तियों से निपटने में करीब 80 दिन लगेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गंभीर स्थिति और समय की कमी को ध्यान में रखते हुए पीठ ने प्रक्रिया संचालित करने के लिए सिविल जजों की तैनाती की अनुमति दी। उसने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से झारखंड और ओडिशा के अपने समकक्षों से

अनुरोध करने और स्थिति से निपटने के लिए समान पदों के न्यायिक अधिकारियों की मांग करने को कहा। पीठ ने निर्वाचन आयोग को झारखंड और ओडिशा से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का खर्च वहन करने का निर्देश भी दिया। हाई कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने की अनुमति भी दी और स्पष्ट किया कि सत्यापन प्रक्रिया आगे बढ़ने पर चुनाव आयोग पूरक सूचियां जारी कर सकता है। वर्ष 2002 की मतदाता सूची से पारिवारिक संबंध जोड़ने में तार्किक विसंगतियों में ऐसे मामले शामिल हैं, जिनमें माता-पिता के नाम में असंगति पाई गई है और मतदाता व उसके माता-पिता के बीच आयु का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 फरवरी को पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच गतिरोध से निराश होकर राज्य में विवादों से घिरे एसआईआर में आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का एक निर्देश जारी किया था। चुनाव आयोग और बंगाल में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई टीएमसी सरकार के बीच दुर्भाग्यपूर्ण आरोप-प्रत्यारोप और विश्वास की कमी पर अफसोस जताते हुए पीठ ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कई नए निर्देश पारित किए थे।

गुटखे के प्रचार को लेकर हाईकोर्ट सख्त, शाहरुख, अजय देवगन और अक्षय कुमार को भी बनाया पक्षकार

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने गुटखा कंपनियों का प्रचार करने के मामले में अपने पूर्व के आदेश के पालन के संबंध में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को जवाब देने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया है। दरअसल, हाईकोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को हुई सुनवाई के दौरान प्राधिकरण से पूछा था कि 2023 में याची के प्रत्यावेदन पर अब तक जांच लंबित क्यों है? याचिका में गुटखा कंपनियों के साथ क्रिकेटर कपिल देव, सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल तथा अभिनेताओं अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, सलमान खान, रितिक रोशन, टाइगर श्राफ, सैफ अली खां व रणवीर सिंह को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि ये हस्तियां जो पान मसाला कंपनियों का प्रचार कर रही हैं उनमें से अधिकांश पद्म पुरस्कार धारक हैं और उनकी ओर से किए जाने वाले ऐसे विज्ञापनों से समाज में गलत संदेश जाता है। ये विज्ञापन उपभोक्ता कानूनों का उल्लंघन भी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन चुके: अनुराग ठाकुर

कांगड़ा (एजेंसी)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन चुके हैं। कांगड़ा में भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कई गंभीर आरोप लगाए। सांसद ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी देश विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बने हुए हैं। वह भारत में रहकर और भारत के बाहर रहकर देश विरोधी एजेंडा चलाते हैं, इतना ही नहीं नकारात्मक पॉलिटिक्स को बढ़ावा देकर अराजकता फैलाने का प्रयास करते हैं। अब उनका एकमात्र काम झूठ बोलना, कन्फ्यूजन पैदा करना, भारत को बदनाम करना और मोदी विरोधी राजनीति करना है। जब भारत की इकॉनमी सबसे तेजी से बढ़ रही है, तब वह भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी कहते हैं। उन्हें भारत की तरक्की पसंद नहीं है। भाजपा सांसद ने कहा कि पूरी दुनिया ने एआई समिट की तारीफ की, वहां राहुल गांधी के इशारे पर उनके कार्यकर्ता शर्टलेस प्रदर्शन कर देश की छवि को धूमिल करने की कोशिश की। क्या राहुल गांधी की राजनीति विदेशों से तय हो रही है। कांग्रेसी विदेशियों का एजेंडा चला रहे हैं। कांग्रेस पार्टी जॉर्ज

सोरेस के कहने पर चल रही है। कांग्रेस पार्टी राजीव गांधी फाउंडेशन में चंदा ले रही है और फिर चीन का गुणगान कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज राहुल का मतलब क्या हो गया है? आर से रार, ह से हुडदंग, ल से लंफगई। उनकी जगहंसाई हो रही है। सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या राहुल गांधी सच में नेता प्रतिपक्ष हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि संसद में महिला सांसदों को भेजकर पीएम की सीट का घेराव करना किस तरह की राजनीति है। विदेशी मंचों पर जाकर राहुल गांधी बयान देते हैं। एक के बाद एक झूठ बोलते हैं, उनका यही काम रह गया है। कांग्रेस अराजकता, अफवाह और दंगा फैलाने की हरसंभव कोशिश कर रही है। राहुल गांधी जो सोच रहे हैं, वह सफल नहीं हो सकते है।

कांग्रेस डरपोक नहीं, संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा करेंगे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को लेकर दी तीखी प्रतिक्रिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि वे हमारे युवा नेताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस न तो डरपोक है और न ही डरने वाली है। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे।

बेंगलुरु में मीडिया से बातचीत में खड़गे ने कहा कि जब कॉमनवेल्थ गेम्स हो रहे थे, तो नितिन गडकरी और बीजेपी नेताओं ने क्या किया? ऐसे हर इवेंट में वे देश की भावना को समझने में नाकाम रहे। उन्होंने यह नहीं सोचा कि इससे उस समय भारत और विदेश के एथलीटों को क्या संदेश जाएगा। बीजेपी दूसरों के बारे में तो बहुत कुछ कहती है, लेकिन अपने गिरेबान में नहीं झांकती है। अगर वे अपने गिरेबान में झांकेंगे, तो शायद उन्हें अपनी सच्चाई दिखाई देगी। मैं यूथ कांग्रेस अध्यक्ष

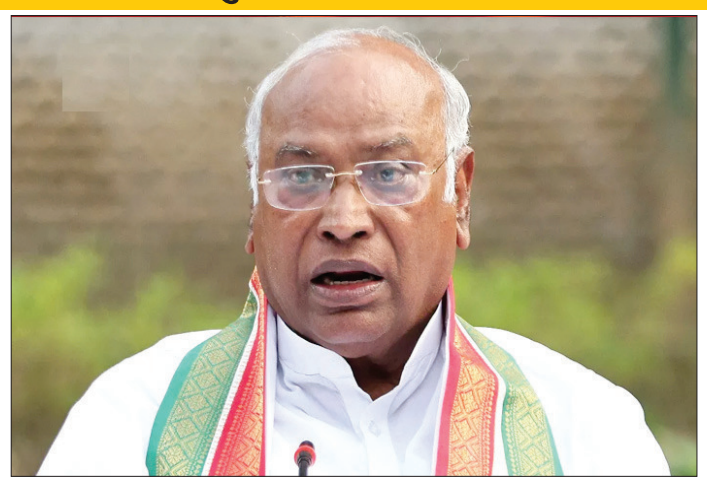

भानु की गिरफ्तारी की निंदा करता हूं।

रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल इतना खराब हो चुका है कि उसके कारण केंद्र सरकार के प्रति लोगों में भारी रोष है। मैं चाहता था कि पीएम मोदी देश के लिए कुछ अच्छा कार्य करें, लेकिन केंद्र सरकार नहीं कर रही है। हमारी सरकार वह कर रही है जो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप के सामने सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका ट्रेड डील से किसानों का नुकसान होगा। हमें बंधुआ मजदूर बनाने की दिशा में धकेला जा रहा है।

खड़गे ने कहा कि सरकार की ओर से कांग्रेस को डराया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है और न ही डरपोक है। हमारे देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे। हम लड़ते रहेंगे और सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद पुलिस की कार्रवाई पर कहा कि प्रदर्शन करने के बाद अगर हिरासत में लिया जाता है तो पुलिस कुछ देर बाद छोड़ देती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस को निशाना बनाकर डर पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं और कांग्रेस डरने वाली नहीं है।

केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने पर थरुर का मजाकिया अंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने की चर्चा के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने एक दिलचस्प लेकिन अहम भाषाई सवाल उठा दिया है। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने अपनी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि नाम परिवर्तन सभी के लिए अच्छा कदम हो सकता है, लेकिन अंग्रेज़ी बोलने वालों के लिए एक छोटा सा भाषाई प्रश्न खड़ा होता है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में पूछा कि अगर राज्य का नाम 'केरलम' हो जाएगा, तब वहां के निवासियों को क्या कहा जाएगा....केरलाइट', 'केरलन' या कुछ और?

कांग्रेस सांसद थरूर ने मजाकिया लहजे में लिखा कि 'केरलमाइट' शब्द सुनने में किसी सूक्ष्म जीव (माइक्रोब) जैसा लगता है, जबकि 'केरलमियन' किसी दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ मटीरियल) की तरह प्रतीत होता है। उन्होंने केरल के सीएम ऑफिस को टैग कर सुझाव दिया कि शायद मुख्यमंत्री नए शब्द के चयन के लिए कोई प्रतियोगिता आयोजित कर सकते हैं। उनका यह बयान तब आया है जब केंद्र की मोदी सरकार राज्य का नाम आधिकारिक रूप से 'केरलम' करने सहमति जता चुकी है।

महाराष्ट्र से एनसीपी पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उतारेगी, बीजेपी के अंदर नामों को लेकर मंथन

-शिवसेना शिंदे गुट के लिए एक सीट सुरक्षित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सात राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले महाराष्ट्र में सियासत में हलचल तेज हो गई है। महायुति की सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने इस लेकर अपने उम्मीदवार पर बड़ा फैसला लिया है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार की रात प्रफुल्ल पटेल के आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की हुई बैठक में पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उतरने पर सहमति बनी है। बैठक में प्रफुल्ल पटेल के अलावा उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। 26 फरवरी को होने वाली बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर मुहर लग सकती है, जहां सुनेत्रा पवार का नाम सबसे आगे माना जा रहा है।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) भी अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। पार्टी इस बार राज्यसभा की चार सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। इसमें रामदास अठावले का नाम करीब तय है, जबकि विनोद तावड़े, विजया रहाटकर और धैर्यशील पाटिल के नामों पर

अंतिम निर्णय होना बाकी है।

बात दें कि महाराष्ट्र में इस बार राज्यसभा की 7 सीटें खाली हैं और 286 विधायकों के आधार पर एक उम्मीदवार को जीत के लिए 37 वोटों की जरूरत होगी। आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के पास स्पष्ट बढ़त है। सिर्फ बीजेपी के पास एक निर्दलीय को मिलाकर कुल (131+1) यानी 132 विधायकों का समर्थन है, इस संख्याबल के दम पर 3 से 4 सांसद आसानी से भेज सकती है। वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) अपने 58 विधायकों के साथ एक सीट सुरक्षित कर सकती है, जबकि एनसीपी (अजित पवार गुट) भी एक सीट जीतने की स्थिति में है, क्योंकि अजित पवार की मौत के बाद उसके पास 40 विधायक हैं।

इसके मुकाबले महाविकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (ठाकरे गुट) शामिल हैं, के पास कुल मिलाकर करीब 49 विधायकों का समर्थन है। इस संख्या के आधार पर एमवीए केवल एक सीट ही सुरक्षित कर सकती है। राजनीतिक समीकरणों के हिसाब से महायुति गठबंधन 6 सीटों पर मजबूत दिख रहा है, जबकि विपक्षी गठबंधन को सीमित सफलता मिलने की संभावना है।

उड़ान भरते ही विमान इंजन हुआ फेल, दिल्ली एसरपोर्ट पर कराई आपात लैंडिंग

-कॉकपिट में नहीं मिला फायर वार्निंग संकेत, विमान में सवार थे 150 यात्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से लेह जा रहे स्पाइस जेट विमान की मंगलवार उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण लेह जाने के बजाय दिल्ली एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में करीब 150 यात्री सवार थे। इस घटना में किसी को नुकसान नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इंजन नंबर-2 फेल होने से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। लैंडिंग के बाद यात्रियों के लिए यात्रा की वैकल्पिक व्यवस्था की उम्मीद है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि तकनीकी खराबी के चलते दिल्ली से लेह जा रहे विमान को वापस बुलाना पड़ा। विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। कॉकपिट में फायर वार्निंग का कोई संकेत नहीं मिला।

रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि फ्लाइट एसजी121 दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से

निकली थी। टेक ऑफ के तुरंत बाद ही क्रू मेंबर्स को तकनीकी खराबी का पता चला। सावधानी बरतते हुए पायलटों ने विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करने का फैसला लिया। विमान की पूरे प्रोटोकॉल के साथ लैंडिंग करवाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों के साथ मेडिकल टीम और फायर सर्विस भी वहां मौजूद थी।

बता दें इससे पहले असम के डिब्रूगढ़ से कोलकाता के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो एयरलाइन के एक विमान में 14 फरवरी को बम होने की धमकी मिली थी जिसके बाद विमान की तुरंत ही इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। वहीं बीते साल 2 दिसंबर को कुवैत से हैदराबाद आ रही इंडिगो के एक विमान में बम की धमकी के बाद मुंबई में उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई थी। विमान में बम की चेतावनी की धमकी ई-मेल से मिली थी जो कि बाद में फर्जी निकली। वहीं बीते साल ही 12 नवंबर को एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुंबई से वाराणसी जा रहे विमान के टॉयलेट में कागज पर बम लिखा मिलने के बाद वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई थी।

कांग्रेस गुटबाजी, अविश्वास और सहयोगी दलों के साथ तालमेल की कमी से हाशिये पर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफा देने के बाद पार्टी की लगातार गिरती राजनीतिक स्थिति और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। बोरा ने चुनाव से ठीक पहले पार्टी छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया है, जिससे संगठनात्मक कमजोरी और आंतरिक कलह तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कई राज्यों में कांग्रेस की इकाइयां अंदरूनी गुटबाजी, आपसी अविश्वास और सहयोगी दलों के साथ तालमेल की कमी के कारण हाशिये पर आ रही है। आलोचकों के मुताबिक शीर्ष नेतृत्व की निर्णय प्रक्रिया में कथित 'सुस्ती' और समय पर हस्तक्षेप न कर पाने की प्रवृत्ति पार्टी के लगातार क्षरण का कारण बन रही है।

कर्नाटक में सीएम सिद्दारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संतुलन को लेकर लंबे समय से खींचतान चल रही है। बताया जाता है कि राहुल गांधी की मुलाकातों के बावजूद मतभेद खत्म नहीं हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रतिभा सिंह गुटों के बीच प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर संघर्ष जारी है। पार्टी ने राज्य इकाई भंग कर संतुलन साधने की कोशिश की, लेकिन असंतोष बना रहा। दिल्ली में जहां कभी शीला दीक्षित के नेतृत्व में 15 साल तक कांग्रेस की सरकार रही, पार्टी आज एकजुट चेहरा पेश करने में नाकाम है।

वहीं हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा के बीच मतभेदों ने 2025 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच टकराव ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। बाद में चरणजीत सिंह चन्नी को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन तब तक काफी क्षति हो चुकी थी। यूपी में संगठन भंग करने के बावजूद कांग्रेस पुनर्जीवित नहीं हो पाई। पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर असम और अरुणाचल प्रदेश में भी पार्टी अव्यवस्था का सामना कर रही है। पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने कांग्रेस से दूरी बना ली है। झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी के साथ गठबंधन भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे सका।

बिहार में राजद के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को 'बोझ' के रूप में देखा गया। ओडिशा में संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच टकराव को 2023 में सत्ता गंवाने की बड़ी वजह माना गया। गुजरात और महाराष्ट्र में भी पार्टी दो दशक से ज्यादा समय से बीजेपी को चुनौती देने में विफल रही है। तमिलनाडु में द्रमुक के साथ गठबंधन के बावजूद सीट बंटवारे को लेकर मतभेद उभरे हैं, जिससे आगामी चुनावों से पहले असहज स्थिति बन रही है। कुल मिलाकर कई राज्यों में लगातार गुटबाजी, नेतृत्व संकट और सहयोगियों के साथ तालमेल की कमी ने कांग्रेस की स्थिति को कमजोर किया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या चुनौतियों के लिए शीर्ष नेतृत्व जिम्मेदार है।

अकाली और कांग्रेस सरकारों ने पंजाब के बच्चों को जानबूझकर अनपढ़ रखाः भगवंत मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने दोहराया कि पुराने शासक पंजाब और पंजाबियों से ज्यादा अपने पारिवारिक सदस्यों बारे अधिक चिंतित थे, जिस कारण लोगों ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पद संभालने के बाद उन्होंने पंजाब की तरक्की और खुशहाली पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने पूरे राज्य के स्कूलों को सिर्फ 'मिड-डे मील' केंद्रों में बदल दिया था लेकिन अब इन स्कूलों को शिक्षा के केंद्रों में तब्दील कर दिया गया है। उन्होंने दावा किया, आप सरकार राज्य में शिक्षा को प्रोत्साहन देने और गरीब विद्यार्थियों तक मानक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने के मिशन पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौजवानों को मानक शिक्षा देने के लिए सूबे में 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं और अध्यापकों का अध्यापन हुनर तराशने के लिए प्रशिक्षण वास्ते फिनलैंड और सिंगापुर भेजा गया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कांग्रेस और अकालियों का सिर्फ चार बिंदुओं वाला एजेंडा है, जो अपनी, अपने पुत्रों, जीजे और साले की भलाई सुनिश्चित करना है। शिक्षा तरक्की की कुंजी है, हमारी सरकार ने इस क्षेत्र के विकास पर जोर दिया है और आने वाले दिनों में कोई व्यक्ति अपनी दौलत से नहीं, बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा के पूंजी से अमीर कहाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के खजाने का एक-एक पैसा राज्य के लोगों की भलाई के लिए समझदारी से इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा, पंजाब के 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है, यहां तक कि किसानों को भी दिन के समय बिजली मिल रही है, जो बेमिसाल है। ऐसे समय में जब केंद्र सरकार द्वारा देश की संपत्तियां अपने चहेतों को मामूली कीमतों पर दी जा रही हैं, पंजाब सरकार ने एक निजी थर्मल प्लांट खरीद कर इतिहास रचा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पंजाब में 881 आम आदमी क्लीनिक खोले गए हैं और सरकारी अस्पतालों में लोगों को मानक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जब राज्य सरकार ने सत्ता संभाली थी, उस समय राज्य में 21 प्रतिशत नहरी पानी ही सिंचाई के लिए इस्तेमाल हो रहा था। यह बहुत मान की बात है कि आज 68 प्रतिशत नहरी पानी सिंचाई के लिए इस्तेमाल हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में 6,900 किलोमीटर लंबे 18,349 खालों को फिर से बहाल किया गया है ताकि टेलों पर पानी मुहैया करवाया जा सके जिससे किसानों को बहुत फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा, लोगों को व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री सेहत योजना शुरू की है जो देश में अपनी किस्म की पहली योजना है। यह योजना पंजाब के हरेक परिवार को 10 लाख रुपए तक का नकदी रहित चिकित्सा इलाज प्रदान करती है। यह बहुत मान वाली बात है कि पंजाब ऐसा व्यापक स्वास्थ्य संभाल सुविधा देने वाला पहला भारतीय राज्य है, जिसने मानक स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करते हुए लोगों पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक घटा दिया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब के नौजवानों को बिना किसी रिश्वत या सिफारिश के 63,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं जिससे समाज का हर वर्ग खुश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोजन और पोषण सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से ऐतिहासिक पहलकदमी करते हुए राज्य सरकार ने %मेरी रसोई योजना% शुरू की है। इस योजना तहत 40 लाख परिवारों को अप्रैल से हरेक तिमाही मुफ्त राशन किटें मिलेंगी और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट (एन.एफ.एस.ए.) अधीन गेहूं भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब के मेहनती किसानों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अथक मेहनत की है कि देश में कोई भी भूखा न सोए और हमारा राज्य हमेशा देश को अनाज देने में अग्रणी रहा है। हालांकि, पंजाब में अभी भी कुछ परिवार हैं जो रोजाना रोजी-रोटी के लिए संघर्ष करते हैं। ष्मुख्यमंत्री ने कहा, इस योजना तहत पंजाब सरकार 40 लाख परिवारों को भोजन किटें प्रदान करेगी और हरेक किट में मासिक खपत के लिए दो किलो दाल, दो किलो शक्कर, एक किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और एक लीटर सरसों का तेल होगा। यह भोजन किटें एन.एफ.एस.ए. अधीन योग्य लाभार्थियों को पहले ही वितरित हो रही गेहूं से अलग प्रदान की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस क्षेत्र के आभारी हैं, जिसने हमेशा एक कलाकार के रूप में और अब एक राजनीतिज्ञ के रूप में उन्हें बहुत प्यार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं इस प्यार के लिए हमेशा इस क्षेत्र के लोगों का ऋणी रहूंगा। इस क्षेत्र को पहले पिछड़ा क्षेत्र कहा जाता था और यहां तक कि राज्य सरकार भी इसके लिए सर्टिफिकेट जारी करती थी और इस क्षेत्र की तरक्की पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता था। %आप% सरकार विकास प्रोजेक्ट शुरू करके इस इलाके से पिछड़ेपन के कलंक को हटाने के लिए सख्त मेहनत कर रही है। नौजवानों को हुनर-आधारित प्रशिक्षण और तकनीकी कोर्स प्रदान करने के लिए गांव फतेहगढ़ साहनेवाली में सरकारी आई.टी.आई. का नींव पत्थर रखा गया है। मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट के लिए पांच एकड़ जमीन मुफ्त देने के लिए फतेहगढ़ साहनेवाली पंचायत का तहे दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आई.टी.आई. की निर्माण, स्टाफ की भर्ती, बुनियादी ढांचा और अन्य खर्चों पर लगभग 24.50 करोड़ रुपए खर्च आएंगे। उन्होंने कहा, 240 विद्यार्थियों की क्षमता वाली यह संस्था पांच ट्रेडों जैसे इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिक इलेक्ट्रिक वाहन, रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशनर टेक्नीशियन, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स और डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नीशियन और सी.एन.सी. मशीनिंग टेक्नीशियन में प्रशिक्षण प्रदान करेगी। इस आई.टी.आई. से क्षेत्र के ग्रामीण नौजवानों को अपने घरों के नजदीक हुनर आधारित शिक्षा का मौका मिलेगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 17.31 करोड़ रुपए की लागत से दो नए पुल बन रहे हैं, जिससे घग्गर नदी के साथ लगते सरदूलगढ़ हलके के लगभग 27 गांवों के निवासियों को नदी पार करने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता था। उन्होंने आगे कहा कि इस समस्या के हल के लिए गांव भलुआणा में 12.03 करोड़ रुपए की लागत से नया पुल बनाया जा रहा है। इसी तरह गांव बार्न में 5.28 करोड़ रुपए की लागत से नया स्टील पुल बनाया जा रहा है, जिससे लोगों का अतिरिक्त सफर 5 से 9 किलोमीटर तक घट जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि सरदूलगढ़ के निवासियों को मानक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए शहर में 39 लाख रुपए की लागत से आम आदमी क्लीनिक खोला जा रहा है जिसमें 107 किस्मों की मुफ्त दवाइयां और 47 किस्मों के मुफ्त टेस्ट किए जाएंगे। उन्होंने कहा, गांव भगवानपुर हिंगा में 55 लाख रुपए की लागत से हेल्थ एंड वेलनेस क्लीनिक बनाया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरदूलगढ़ सब-डिवीजनल अस्पताल के साथ 49 लाख रुपए की लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट बनाया जाएगा, जो एक छत के नीचे लैब सेवाएं प्रदान करेगा, साथ ही एक डाटा सेंटर और एस.एम.ओ. मीटिंग-कम-कांफ्रेंस हॉल भी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1.25 करोड़ रुपए माइनर कंक्रीट लाइनिंग पर खर्च किए जा रहे हैं, एक करोड़ रुपए श्री गुरु तेग बहादुर जी की चरण छोह प्राप्त दो गांवों के विकास प्रोजेक्टों के लिए खर्च किए जा रहे हैं। दानेवाला में 2.33 करोड़ रुपए खर्च करके 66 के.वी. ग्रिड की क्षमता 12.5 एम.वी.ए. बढ़ाकर 20 एम.वी.ए. की गई है जिससे 2.33 करोड़ रुपए की लागत से निर्विघ्न बिजली सप्लाई सुनिश्चित की जा सकेगी और खास करके धान के सीजन दौरान किसान भाईचारे को बड़ा फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसा-तलवंडी साबो सड़क को 31.20 करोड़ रुपए की लागत से अपग्रेड किया जा रहा है, 33.07 करोड़ रुपए नए खालों के निर्माण पर खर्च किए जा रहे हैं और 12.83 करोड़ रुपए की लागत से गांव झंडा कलां, उल्लक और बणवाला नए में नए ग्रिड स्थापित किए जा रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि सरदूलगढ़ शहर में नई सीवरेज पाइपलाइनों बिछाने के लिए 14.76 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं जिससे 24.80 किलोमीटर सीवरेज सिस्टम डालने के साथ-साथ संबंधित प्रोजेक्ट मुकम्मल किए जाएंगे। उन्होंने सरदूलगढ़ के सरकारी अस्पताल को 100 बिस्तरों वाले अस्पताल में अपग्रेड करने का भी ऐलान किया ताकि लोगों को मानक इलाज मिल सके। अपने संबोधन में वरिष्ठ %आप% नेता और पंजाब के पार्टी इंचार्ज मनीष सिसोदिया ने कहा, यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का नींव पत्थर रखा गया है। यह प्रोजेक्ट पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास और खुशहाली को प्रोत्साहन देगा। हम ईमानदारी और काम की राजनीति पर चल रहे हैं और नकारात्मक एजेंडे को लोग मुंह नहीं लगाएंगे। सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, वर्ष 2022 का फतवा आम लोगों की भलाई के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा के एजेंडे के हक में था। आई.टी.आई. आम आदमी के बच्चों के लिए रोजगार के नए रास्ते खोलेगी। राज्य सरकार पंजाब और पंजाबियों की भलाई के लिए वचनबद्ध है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस और गुरमीत सिंह खुड्डियां, वरिष्ठ %आप% नेता और पंजाब के पार्टी इंचार्ज मनीष सिसोदिया और अन्य भी मौजूद थे।

जाम से मिलेगा छुटकारा, अब उड़कर पहुंचिए दफ्तर
लोगों ने देखी बिजली से चलने वाली हवाई टैक्सी

नई दिल्ली। दफ्तर जाने की जल्दी में टैक्सी या बाइक वालें को बार-बार कॉल करके पूछने से कई बार जवाब मिलता था कि उड़कर आ जाऊं क्या...। अब यह सच होने वाला है। क्योंकि तकनीक इतनी आगे जा चुकी है कि आने वाले वक्त में आप खुद कहेंगे सड़क से नहीं, हवा में उड़कर आ रहा हूं। दरअसल, भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई समिट में इस बार ऐसी उड़न गाड़ी दिखाई गई जिसने लोगों को हैरान कर दिया। हॉल नंबर चार में भीड़ के बीच एक छोटी, हल्की और पूरी तरह बिजली से चलने वाली हवाई टैक्सी का मॉडल प्रदर्शित किया गया। कंपनी का दावा है कि यह उड़न टैक्सी शहर के जाम को खत्म कर सकती है। सड़क से पहुंचने में जहां एक घंटा लगता है अब वहीं हवाई टैक्सी की सहायता से हवा में उड़कर गंतव्य तक पहुंचा जा सकेगा। स्टॉल पर मौजूद कंपनी की ब्रांड एवं डिजाइन एसोसिएट्स अनुष्का यादव ने बताया, कि यह हवाई टैक्सी आमतौर पर ट्रेफिक में फंसे रहने वाले एंबुलेंस की समस्या से भी निजात दिला सकता है। अनुष्का ने बताया, कि यह हवाई टैक्सी उन यात्रियों के लिए तैयार की जा रही है जो शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक तेजी से पहुंचना चाहते हैं। भविष्य में इसका उपयोग आपातकालीन सेवाओं और माल ढुलाई के लिए भी किया जा सकता है। यह छोटी आकार की ऐसी उड़न मशीन है जो सीधे ऊपर उठ सकती है और सीधी नीचे उतर सकती है। इसे खास तौर पर शहरों के अंदर छोटी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए बनाया गया है। इस हवाई गाड़ी को जमीन पर उतरने के लिए सिर्फ 8म10 मीटर का क्षेत्र की जरूरत होती है। इसलिए इसे कम स्थान में उतरने और उड़ने की क्षमता प्राप्त है। वहीं, बार-बार चार्ज किए बिना यह टैक्सी सिर्फ एक चार्ज में 110 किलोमीटर तक की उड़ान भर सकती है। इसकी गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा है। इस टैक्सी में एक बार में 1 पायलट के साथ 2 यात्री बैठ सकते हैं। यह 200 किलोग्राम तक वजन उठाने में सक्षम है। यह परियोजना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से जुड़ी एक कंपनी ने तैयार की है। कंपनी का लक्ष्य है कि शहरों में लोगों का सफर आसान और तेज बनाया जाए। कंपनी के पास इस तकनीक से जुड़े कई पेटेंट हैं और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से विशेष स्वीकृति भी मिल चुकी है। उड़न टैक्सी के परीक्षण और अंतिम प्रमाणन की प्रक्रिया जारी है। कंपनी के वरिष्ठ कर्मचारी ने बताया, कि बढ़ते शहरों में जाम और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या बन गए हैं। दफ्तर जाने-आने में घंटों का समय बर्बाद होता है। अगर यह उड़न टैक्सी आम लोगों तक पहुंचती है, तो समय की बचत होगी, प्रदूषण घटेगा और आपातकालीन सेवाएं तेज होंगी। शुरू में इसे प्रशिक्षित पायलट उड़ाएंगे। आगे चलकर नियमों की अनुमति मिलने पर इसे बिना पायलट के भी संचालित करने की योजना है। हालांकि यह तकनीक अभी परीक्षण चरण में है, लेकिन अगर सब कुछ योजना के अनुसार चलता है

सार्वजनिक सूचना
सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अनिल कटियार पुत्र स्व0 श्रीकृष्ण कटियार एवं संगीता देवी पत्नी श्री अनिल कटियार दोनों निवासी-सी-110, गली न0 5, मधु विहार, द्वारका सैक्टर-3, नई दिल्ली-110059 ने अपने पुत्र प्रिंस कटियार उम्र 28 वर्ष व अपनी पुत्रवधु मनीषा उम्र 29 वर्ष के अवज्ञाकारी व नियंत्रण में न होने के कारण उसे अपनी सभी चल व अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है एवं उससे अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये हैं। यदि कोई भी व्यक्ति भविष्य में उनके साथ कोई भी लेन-देन व अपराधिक गतिविधि करते है तो वह स्वयं इसके जिम्मेदार होगें एवं मेरे उपरोक्त मुवक्किलगण का इससे कोई लेना देना नहीं होगा
A.K. SINGH Advocate
Ch. No.-702, Lawyer's Chamber
Block Hall No.-01, Seat No.-16,
Dwarka Court Sector-10,
New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL SALE DEED DT. 09.10.2001 EXECUTED BY MR. VINOD KUMAR CHADHA IN FAVOUR OF MR. VINDHYESHWARI PRASAD AS DOC NO- 2227, ORIGINAL SALE CERTIFICATE/SALE DEED DATED 31.03.2008 EXECUTED BY PNB HOUSING FINANCE LIMITED IN FAVOUR OF M/S. BRIGHT BUILDWELL PVT. LTD. THROUGH ITS DIRECTOR MR. SHIV KUMAR (DOC. NO. 1011) & ORIGINAL PAYMENT RECEIPT DATED 01.04.2008 FROM MRS. NASREEN TO M/S. BRIGHT BUILDWELL PVT. LTD. IN RESPECT OF PAYMENT OF THE SAID FLAT SALE CONSIDERATION AMOUNT RS. 11,70,000/- ALL DOCUMENTS BELONGS TO FLAT BEARING NO. D-2/UG-14, ON UPPER GROUND FLOOR, MEASURING 800 SQ.FT. SITUATED AT DILSHAD COLONY, IN VILLAGE JHILMIL TAHIRPUR, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110095 HAVE BEEN LOST / NOT AVAILABLE WITH THE CURRENT OWNER MR. NISHAT AHMAD ALVI S/O LATE SH. MUSTAFA AHMAD ALVI R/O-14, D2, DILSHAD COLONY, DELHI - 110095 AND SAID OWNER MR. NISHAT AHMAD ALVI BECAME OWNER OF THE SAID PROPERTY AFTER THE DEATH OF MRS. NASREEN WHO PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 04.07.2022 AS DOC. NO. 4640. NOW MRS. PRABHA ZADOO W/O SH. ASHOK KUMAR R/O H NO-635 JANTA FLATS G.T.B ENCLAVE DELHI-110093. IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. NISHAT AHMAD ALVI, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH PNB HOUSING FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS/DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
I, Swati Singh W/o Rajeev Kumar Singh, R/o AG-601, Antriksh Heights, Sector-84,Gurgaon-122004, Haryana, declare that my name earlier written as Swati Singh is bifurcated as Given Name: Swati, Surname: Singh; both refer to one and the same person.

NAME CHANGE
I, Rajeev Kumar Singh S/o Narendra Narayan Singh, R/o AG-601, Antriksh Heights, Sector-84, Gurgaon-122004, Haryana, declare that my name earlier written as Rajeev Kumar Singh is bifurcated as Given Name: Rajeev Kumar, Surname: Singh; both refer to one and the same person.

NAME CHANGE
I Tarun S/o Jai Kishan Gera, 1843, Outram line, Gtb nagar metro station, Gtb nagar, G.t.b Nagar, North West Delhi, Delhi-110009 have changed my name to Tarun Gera for all future purposes.

NAME CHANGE
I Km Sadhana W/o Bhu Prakash, P-68-B Gali No-5, Prem Nagar-2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086 have changed my name to Sadhna Devi for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शबीना, पत्नी मोहम्मद जाकिर, भूतल (क्षेत्रफल 70 वर्ग गज) और प्रथम और द्वितीय मंजिल (छत के अधिकार सहित) के निर्मित पश्चिमी भाग (क्षेत्रफल, पुराना क्रमांक 16 और नया क्रमांक 33/16) के संबंध में, जिसे अब नगर पालिका मकान क्रमांक 500/22-2/5-सी के नाम से जाना जाता है, भूमि क्षेत्र 95 वर्ग गव) के संबंध में। खसरा क्रमांक 259 में स्थित गम की संपत्ति, जो कि आबादी विश्वास नगर आवासीय योजना और भीकम सिंह कॉलोनी, शाहदरा, दिल्ली-110032 के करकड्डूमा क्षेत्र में है, श्री सुरेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री मेला राम द्वारा दिनांक 29.04.2014 को निष्पादित नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और जसीयत के आधार पर श्रीमती सोनम पत्नी रियासुद्दीन को बेची जा रही है और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित / स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I, KM BHAWNA DIKSHIT W/O VIKRAM PANDEY residing JR 18 GF, PURI VIP FLOOR, D.P.S SCHOOL, SEC-81, KHERI KALAN, FARIDABAD-121002 have changed my name to BHAWANA PANDEY for all future purposes.

NAME CHANGE
I MOHD AFTAB AHMAD, R/O H 19/5, 1ST FLOOR, NEAR SAHAB MASJID, BATLA HOUSE, JAMIA NAGAR OKHLA, NEW DELHI 110025,DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY MINOR SON'S NAME FROM IVAAN AHMAD TO SHAHMEER AHMAD FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I BHAGYA SHREE, W/O BHAGIRATHI BAL, R/O E119, SECOND FLOOR FLAT, VISHWAKARMA COLONY, PUL PEHLADPUR, NEW DELHI 110044,HAVE CHANGED MY NAME TO MAMTA BAL FOR ALL PURPOSES.

Public Notice
It is for general information that I Arun Ghildiyal S/O B D Ghildiyal R/O S-2,Plot No-255, Sector 4, VTC: Vaishali ,PO: Vaishali,Sub District: Ghaziabad, District -Ghazibad , Uttar Pradesh - 201019, declare that name of mine and my father have been wrongly written as Arun Ghildyal and B. D. Ghildyal in my Service record. The actual name of mine and my father are Arun Ghildiyal and B D Ghildiyal

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री दलीप सिंह पुत्र भोपाल सिंह, प्लॉट संख्या 20, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 28/2/2/22, 9/1/11, मौजाः गाँची, उप-तहसील- गाँची, जिलाः फरीदाबाद, हरियाणा के स्वामी है। यह संपत्ति 27.02.2018 जो श्री दलीप सिंह पुछ भोपाल सिंह द्वारा निष्पादित विक्रय विलेख के अंतर्गत है। संपत्ति श्रृंखला में मूल विक्रय विलेख दिनांक 12.02.1986 को गया है और श्रीमती रामवती पानी द्वारा दिनांक 25.12.2025 को आवेदन संख्या 132250612600149 के तहत ऑनलाइन एफआईआर (जीपीए दिनांक 14.11.1995, एटीएस और वसीयत दर्ज कराई जा चुकी है। अमृत सिंह लापता है और उनके खिलाफ आवेदन संख्या 132250612600150 के तहत दिनांक 25.12.2025 को ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। इस संपति का वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होग फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें !
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I, Sanjivani Fakira Landge W/o Fakira Shankar Landge Resident of Village - Mandalewadi, PO - Wadgaonpeer, Teh - Ambegaon, Dist. - Pune, State - Maharashtra Pin- 410510 My Son Landge Vilas Fakira Posted at Bihar Regt Center C/o - 56 APO, Danapur, Pin-908765 Army Service book have changed my name From Landge Sanjivanee Fakira to Sanjivani Fakira Landge & DOB From 12 Nov 1966 to 01 Jan 1959 for All future purposes. My Aadhar bearing No. 406187761905. Vide Affidavit Dated 24 Feb 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE
I Ishika D/o Sh. Parvinder Rana, R/o H. no. 414, Khera Kalan, Delhi - 110082 have changed my name to Ishika Rana for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Sanjeev Gulshan S/o Late M.L. Gulshan is the owner of Freehold Residential Second Floor without roof/terrace rights and Third Floor with roof/terrace rights of built up Property bearing Plot No. A-30/2, area measuring 93 Sq. Yds. out of Khasra no. 848 to 850, Situated in the revenue estate of Village Nawada, Delhi state Delhi area of abadi known as colony Anand Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Notarized GPA ATS & Will dated 25.08.2014., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Faqir Chand Nassa S/o Mr. Deva Ram Nassa died on 02.03.2006., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mr. Rajiv Ranjan and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Renu Bose W/o Mr. Niloy Kumar is the owner of Freehold Residential Entire Third Floor with roof rights out if property Bearing No. RZ-31 Having New No. RZ-263, Land area measuring 50 Sq. Yds. out of Khasra No.18 Situated in the area of Village Khyala, Colony Known as Vishnu Garden, New Delhi-18. by virtue of Notarized GPA, ATS and WILL dated 07.03.2017., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mohd. Saddam and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL SALE DEED DT. 09.04.1970 EXECUTED BY MR. J.C. GAULATI IN FAVOUR OF MR. CHUNI LAL AS DOC NO-2891, ORIGINAL RELINQUISHMENT DEED DATED 22.07.1992 EXECUTED BY ALL OTHER LEGAL HEIRS OF LT. MR. CHUNNI LAL IN FAVOUR OF MR. MOHAN LAL AND MR. SOHAN LAL (DOC. NO. 1697) & ORIGINAL RELINQUISHMENT DEED DATED 11.02.1997, EXECUTED BY ALL OTHER LEGAL HEIRS OF LT. MR. SOHAN LAL IN FAVOUR OF MRS. USHA WIFE OF LT. MR. SOHAN LAL (VIDE DOC. NO. 640), ALL DEED EXECUTED FOR BUILT-UP FREEHOLD PROPERTY BEARING NO. IV/111, LAND AREA MEASURING 37 SQ.YDS. I.E. 30.93 SQ. MTRS., HAVING ITS COVERED AREA 22 SQ.MTRS., SITUATED AT IN THE AREA OF VILLAGE CHANDRAWALI @ SHAHDARA, IN THE ABADI OF OLD TEJAB MILL, BHOLA NATH NAGAR, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110032 HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER'S MR. PARVEEN AGGARWAL S/O SH. OM PRAKASH AND MRS. USHA DEVI W/O SH. PRAVEEN AGGARWAL BOTH R/O-4/111 OLD TEJAB MILL BHOLA NATH NAGAR DELHI - 110032. AND SAID OWNER'S MR. PARVEEN AGGARWAL AND MRS. USHA DEVI HAD PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 15.10.2016 VIDE DOC NO- 7305. NOW MRS. ARTI W/O SH. OM SINGH R/O T19/B RAILWAY COLONY SHAHDARA DELHI. IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER'S / SELLER'S MR. PARVEEN AGGARWAL AND MRS. USHA DEVI, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH PNB HOUSING FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री मोहन पांडेय, पुत्र श्री राजेन्द्र पांडेय, खसरा संख्या 675 में से 50 वर्ग गज (अर्थात 41.8 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल का आवासीय भूखंड, जो ग्राम अछेजा, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्री राम किशोर से क्रय करना चाहते हैं। श्री राम किशोर ने उक्त संपत्ति श्री धर्मेन्द्र कुमार से दिनांक 28.02.2025 की विक्रय विलेख (सेल डीड), जो दस्तावेज संख्या 11008 के रूप में पंजीकृत है, के माध्यम से क्रय की थी। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के बंधक, भार, ऋण, प्रभार आदि से मुक्त है तथा संपत्ति का कब्जा श्री राम किशोर के पास है। उन्होंने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित दिनांक 05.10.2019 की पूर्व विक्रय विलेख, जो दस्तावेज संख्या 19603 के रूप में पंजीकृत है, खो गई/गुम हो गई है और खोजने पर भी उपलब्ध नहीं हो सकी। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन प्राथमिकी (स्त्रद्धक्र) दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गुरुग्राम शाखा, हरियाणा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना, अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I,SYED MUKHTAR ALI S/O SYED NISAR ALI R/O D-19/11A OKHLA VIHAR JAMIA NAGAR DELHI-110025.HAVE CHANGED MY NAME TO SAYED MUKHTAR ALI.

NAME CHANGE
I SHIRLA ADITYA W/O KAUSTAV ADITYA R/O E G-63 FIRST FLOOR INDERPURI CENTRAL DELHI-110012 HAVE CHANGED MY NAME TO SHRILA DAS

NAME CHANGE
It is for general information that I, MADHUSUDAN B S S/o SHIVARAME GOWDA, R/o H NO-187, 2ND CROSS 4TH MAIN ROAD, SRIRANGA NAGAR, BANASHANKARI 3RD STAGE, BENGALURU, KARNATAKA-560085, declare that name of mine has been wrongly written as MADHUSUDAN in my Passport No. G7501458. The actual name of mine is MADHUSUDAN B S respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती अनीता, पत्नी श्री संतोष कुमार, आवासीय फ्लैट संख्या F-1, प्रथम तल (एल.आई.जी. फ्रंट साइड, बिना छत अधिकार सहित), जिसका निर्मित क्षेत्रफल 37.16 वर्ग मीटर है, जो प्लॉट संख्या C-1/18 पर निर्मित है तथा रेजिडेंशियल कॉलोनी DLF, दिलशाद एक्सटेंशन-2, ग्राम ब्रह्मपुर उर्फ भोपुरा, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्री गजेन्द्र सिंह से क्रय करने का इरादा रखती हैं। उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती सावित्री देवी गुप्ता थीं, जिन्होंने दिनांक 31.10.1991 को M/s. DLF यूनिवर्सल लिमिटेड से विक्रय विलेख के माध्यम से संपूर्ण संपत्ति क्रय की थी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती सावित्री देवी गुप्ता का निधन दिनांक 10.09.1994 को हो गया, जिनके पश्चात उनके वैधानिक उत्तराधिकारी शेष रहे। श्री राम सिंह गुप्ता, श्रीमती कांता गुप्ता, श्रीमती सुषमा, श्रीमती संतोष, श्रीमती पूनम, श्रीमती रमा जैन, श्री महेश गुप्ता एवं श्रीमती दुलारी ने दिनांक 13.12.2001 को निष्पादित एक नोटरीकृत त्यागपत्र (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपना-अपना हिस्सा श्री आशुतोष गुप्ता के पक्ष में त्याग दिया। इसके उपरांत, श्री आशुतोष गुप्ता ने उक्त संपत्ति को दिनांक 24.09.2018 के विक्रय विलेख द्वारा श्री ओमी सिंह को विक्रय कर दिया। तत्पश्चात, श्री ओमी सिंह ने दिनांक 12.07.2019 की पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री गजेन्द्र सिंह को हस्तांतरित कर दी। अतः, श्री गजेन्द्र सिंह उपरोक्त संपत्ति के पूर्ण एवं विधिसम्मत स्वामी हैं। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Om Prakash S/o Deevan Ram R/o Bichpur Pargai, Chorgalliya, Haldwani, Chorgalia Jasura, Nainital, Uttarakhand - 263139, have changed my minor son's name from Cash Tamta Aged 17 Years to Krish Tamta forever.

NAME CHANGE
I Dhapu D/o Somani R/o Mutha Nadi, Merta, Nagaur, Rajasthan - 341510, have changed my name to Chandani Parihar.

NAME CHANGE
I Munni Devi W/o Nahar Singh R/o A-37, Sunder Vihar, Ram Nagar Sodala, New Sanganer Road, PO-Shyam Nagar, Dist-Jaipur, Rajasthan - 302019, have changed my name to Santosh Devi.

NAME CHANGE
I Ansh Vikram Singh S/o Vikram Brijendra Singh R/o House No-275, Opposite Suraj Talkies, Dariyapur, VTC-Sultanpur City, Uttar Pradesh - 228001 , have changed my name to Vikramansh Singh.

NAME CHANGE
I, SANDEEP KUMAR S/O HARNAM SINGH Residence of Plot No. 83, Khasra No. 644, Anjali Vihar Loni, Loni Dehat PO: Loni, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed the name of my minor daughter SHRADDHA PAL aged 8 years and she shall hereafter be known as KAVYA.

NAME CHANGE
I, L PUSHPAVATHI wife of No.-14853110N, Rank-HAV, Name-PREMA CHANDRA L residing at 13-45, C M KANDIGA, VAVILTHOTA, CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517127, have changed my name from L PUSHPAVATHI to PUSHPAVATHI P for all future purposes vide Affidavit dated 24/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ABHAY SHARMA S/o VIRENDRA SWAROOP SHARMA, R/o H NO-26-B, GANDHI PARK, HAUZ RANI, NEW DELHI-110017, declare that name of mine has been wrongly written as ABHYA SHARMA in my 10th class Educational Documents and name of mine has been wrongly written as ABHYA SHARMA in my Service Book and ABHEY SHARMA in my Service Record. The actual name of mine is ABHAY SHARMA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RITURAJ KAUSHAL S/o KASHIRAM, R/o QTR NO-B-802, METRO HOUSING COMPLEX, SARITA VIHAR, NEW DELHI-110076, declare that name of my father has been wrongly written as KAUSHAL KASHEERAM in my Service Record. The actual name of my father is KASHIRAM respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, ANUPAM NATH Residing at VILL-GANDHARBAPUR, PO-KHANTURA, TEH-BARASAT, DIST-NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743273, have changed my mother's name from DIPLI NATH to DIPALI NATH for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1961 instead of her correct date of birth as 01/01/1965 vide Affidavit dated 24/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Pankaj S/O Sukaram Pal R/O C-128, C block gali no 37 Mahavir Enclave part 3 uttam nagar delhi 110059, changed my minor child name from Aarvi Panchal to Aarvi Sharma.

NAME CHANGE
I, Pankaj Sharma S/O Sukaram Pal R/O C-128, C block gali no 37 Mahavir Enclave part 3 uttam nagar delhi 110059, changed my name to Pankaj.

NAME CHANGE
I, Karishma Sharma W/O Pankaj R/O C-128, C block gali no 37 Mahavir Enclave part 3 uttam nagar delhi 110059, changed my name to Karishma Panchal.

NAME CHANGE
I, SANJEEV KUMAR JAIN S/O BHAJAN LAL JAIN residing 16/849 PLOT NO-9 FLAT NO-205 SECOND FLOOR, JOSHI ROAD, NEAR AJMAL KHAN PARK, KAROL BAGH, DELHI-110005 have changed my name to SANJEEV JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, BIMLESH DEVI mother of JC-709838W, Rank-NB SUB, Name-AMIT KUMAR residing at VPO-RANCHHAR, TEHSIL-BARAUT, DIST-BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250645, have changed my name from BIMLESH DEVI to BIMLESH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 Vide Affidavit dated 24/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, DERRICK PETER MASSEY S/O FIZO MASSEY R/O D-41, Majnu Ka Tilla, Aruna Nagar, Civil Lines, North Delhi, Delhi-110054 declare that name of mine has been wrongly written as DERRICK PETER in my Driving Licence No-DL01 20090052023. The actual name of mine is DERRICK PETER MASSEY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, LATTA mother of No-17016194W Rank-NK Name-NIKODE SUSHIL RAMDAS Presently residing at PLOT NO-74, YAVATMAL ROAD, ISTARI NAGAR, KHAPRI, PO-TA GHATANJI, DIST-YAVATMAL, MAHARASHTRA-445301, have changed my name from LATTA to LATA RAMDAS NIKODE for all future purposes vide Affidavit dated 24/02/2026 before Notary Public, Delhi.

Lost and Found
I, Pradeep Kumar Sandhu S/o Late Sh. Ram Asra R/O E- 157, Ashok Vihar phase 1, Delhi 110052 . My original documents have been Lost above said Property i.e. Allotment letter, site possession slip, office possession letter, C form, perpetual Lease deed. An FIR to this effect has been lodged in the police station . If any person found these above mentioned documents then please contact at 9810378830.

NAME CHANGE
I hitherto known as ATENDRA KUMAR Alias ATIN RAGHAV S/o Dharam Pal Singh R/o 201 Rahul Vihar Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh-201009 have changed my name and shall hereafter be known as ATIN RAGHAV

NAME CHANGE
I hitherto known as JYOTI KUMARI alias JYOTI D/o Raj Kumar Sharma W/o Manoj R/o C-2 202, Supertech Livingston Near KFC Crossing Republic Ghaziabad Po. Crossing Republic Ghaziabad Uttar Pradesh-201016 have changed my name and shall hereafter be known as JYOTI KUMARI

NAME CHANGE
I, Vijendra Kumar Katheria S/o Mool Chandra Katheria R/o B-111, Belvedere Towers, Phase-2, Sector-24, Gurgaon - 122002, Haryana have changed my name to Vijenddra Katheria for all intends and purposes.

NAME CHANGE
I Inderjeet S/O Chavi Nath, 128, A-Block, Mangolpuri, New delhi, North West Delhi, Delhi, 110083 have changed my name to Inderjeet Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I SANJEEV KUMAR S/o MAHAVIR SINGH R/o H .No. 162 , Gali No . 11 B Block , Papsi Road , Himgiri Enclave Sant Nagar , Burari , North Delhi , Delhi - 110084 declare that the name of mine and my Father has been wrongly written as SANJIVA KUMAR and MAHAVIR SINGH TOMAR in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are SANJEEV KUMAR and MAHAVIR SINGH Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JATIN MADAN S/o TARUN KUMAR R/o House No - 421/3 , Near Durga Ashram , Chattar Pur , South Delhi , Delhi - 110074 do here by solemnly affirm and declare that I have embraced SIKHISM and renounced HINDUISM with effect from 07-04-2024 vide Serial No. 20-16-221 and henceforth I have changed my name from JATIN MADAN to JATIN MADAN SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ANJNA LAKHANI W/O BHAGWAN DASS LAKHANI residing 2E-45, WARD NO-11, NH-2, HARYANA-121001. have changed my name to NISHA LAKHANI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, vanshika D/O Yogesh Kumar R/O D1A/106,G/F, GALI NO-5, MAHAVIR ENCLAVE, Palam Village, PO: Palam Village, DIST: South West Delhi, Delhi-110045, changed my name to Vanshika Sharma.

NAME CHANGE
I PRACHI D/O RIKAB CHAND MUNOT R/O 13/10B 3rd floor SHAKTI NAGAR NEAR F.C.I GODOWN MALKA GANJ S.O NORTH DELHI-110007 HAVE CHANGED MY NAME TO PRACHI JAIN

NAME CHANGE
I AASHIYA W/O MOHAMMAD ILYAS R/O 139 GALI NO-2 OLD MUSTAFABAD DELHI-110094HAVE CHANGED MY NAME TO ASHIYA

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आमीर हमजा** पुत्रः **जफ़र अहमद** पताः **मकान नं. – 372, पुनीत एन्क्लेव, पूजा कॉलोनी, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 702/2016 U/s 279/337/338 IPC,** थानाः **खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आमीर हमजा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आमीर हमजा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 702/2016 U/s 279/337/338 IPC,** थानाः **खजूरी खास, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आमीर हमजा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 27.03.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री श्रुति सारस्वत
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तर पूर्व जिला, रूम नं. 22, प्रथम तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2365/NE/2026 (Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

विश्वविद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर कुलपति को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में छात्राओं की सुविधा, सुरक्षा एवं समान अवसर सुनिश्चित करने की मांग को लेकर वीसी प्रो. डा. रामपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय जिम में महिला ट्रेनर की शीघ्र नियुक्ति की मांग की गई। एनएसयूआई के विश्वविद्यालय अध्यक्ष जयदीप सिंधु ने कहा कि वर्तमान समय में विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में छात्राएं अध्ययन कर रही हैं और वे नियमित रूप से खेल व फिटनेस गतिविधियों में भाग लेना चाहती हैं लेकिन जिम में महिला ट्रेनर की अनुपस्थिति के कारण कई छात्राएं असहज महसूस करती हैं। जिससे वे जिम सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पा रही हैं। यह स्थिति छात्राओं के आत्मविश्वास और शारीरिक विकास में बाधा उत्पन्न कर रही है। जयदीप सिंधु ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन का दायित्व है कि वह छात्राओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और सहज वातावरण प्रदान करे। महिला ट्रेनर की नियुक्ति से न केवल छात्राओं की भागीदारी बढ़ेगी बल्कि विश्वविद्यालय में लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यदि मांग को गंभीरता से नही लिया गया तो संगठन छात्रहित में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर सुशील सिहाग, अजमेर, मनजीत, अनुज कुंडू, रिंकी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गीता यूनिवर्सिटी की कैंटीन में लगी भीषण आग में कुक का हाथ झुलसा

पानीपत। पानीपत स्थित गीता यूनिवर्सिटी परिसर में रविवार की रात कैफे में भीषण आग लग गई। आग गैस सिलेंडर फटने के कारण लगी आग से अफरातफरी मच गई। शुरुआत में लपटे कम होने के कारण वहां मौजूद लोग फायर यंत्र से काबू पाने की कोशिश की गई लेकिन तभी सिलेंडर गर्म होने के कारण फट गया जिससे खाना बना रहे कुक का हाथ झुलस गया।सिलेंडर फटने के कारण हुए धमाके से मौके पर मौजूद दर्जनों छात्र-छात्राओं ने भागकर अपनी जान बचाई। धमाका इतना तेज था कि कैफे की छत और फर्नीचर के अवशेष हवा में दूर दूर तक बिखर गए। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। साथ ही फायर ब्रिगेड को आग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यूनिवर्सिटी प्रबंधन की ओर से प्रारंभिक तौर पर आग का कारण 'शॉर्ट सर्किट' बताया गया है। जबकि सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत पाई गई, जानकारी के अनुसार, कर्मचारियों की एक छोटी सी लापरवाही इस बड़े हादसे का कारण बनी। बताया जा रहा है कि रसोई में काम के दौरान गैस का एक बर्नर या पाइप खुला रह गया था, जिससे गैस का रिसाव होने लगा। देखते ही देखते कैफे के भीतर आग की लपटें उठने लगी।

हर घर का कनेक्शन होगा वैध, मिलेगा नहरी पानी

जींद। जींद शहर में हर घर तक नहरी पानी पहुंचाने के लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कमर कस ली है। इसके लिए जहां महत्वपूर्ण परियोजना का काम बडोदी गांव में बड़ी जोर-शोर से चल रहा है, वहीं शहर में सभी घरों का पेयजल कनेक्शन नियमित करने के लिए विभाग द्वारा जोरदार अभियान शुरू किया गया है। इसके लिए स्वयं सहायता समूह की टीम हर घर का कनेक्शन वेरिफिकेशन के लिए सर्वे करके नए कनेक्शन का डाटा अपलोड कर रही हैं वहीं विभाग की टीमें अवैध कनेक्शन पर शिकंजा के लिए नोटिस व घर घर जाकर दस्तक दे रही है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार रणधीर मताना ने नेताजी कालोनी में टीमों का अवलोकन करने के बाद कार्य में तेजी लाने की बात कही। उन्होंने बताया कि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की टीमों द्वारा जींद शहर के हर घर का सर्वे स्वयं सहायता समूह की सहायता से करवाया जा रहा है। इस सर्वे के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि उपभोक्ता का पेयजल कनेक्शन नियमित है या नही। कनेक्शन का वेरिफिकेशन के लिए उपभोक्ता से आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, पेयजल नल का फोटो व अन्य जरूरी कागजात लेकर विभाग की साइट पर अपलोड किया जा रहा हैं ताकि सभी पेयजल कनेक्शन की वेरिफिकेशन की जा सके। इसके बाद जो नए कनेक्शन हैं, उन्हें विभाग द्वारा नियमित किया जाएगा।

किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, एक एक पैसा हैं सुरक्षित : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के मामले में कहा कि हरियाणा सरकार के विभागों की जागरूकता से यह मामला सामने आया और इस पर सरकार ने तत्काल बैंक को डि-एमपैनल कर दिया। बैंक द्वारा जो स्टेटमेंट उपलब्ध कराए गए, वे-विभागीय स्टेटमेंट से मेल नहीं खाते थे। राज्य सरकार गंभीरता से इस मामले की जांच करवा रही है। सरकार ने ये मामला राज्य के एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंपा है। इसके अलावा, इस पूरे मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का भी गठन किया जायगा। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में और पत्रकारों से बातचीत करते हुए जानकारी दी कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने सेबी को पत्र लिखा, जिसमें बैंक के कर्मचारियों द्वारा गड़बड़ किए जाने की बात कही। इस मामले में बैंक ने भी अपने कर्मचारियों पर कार्रवाई शुरू कर रखी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लेनदेन में मिली अनियमितताओं के सम्बंध में एफआईआर दर्ज हो गयी है। बैंक ने इस सम्बंध में 21 फरवरी को पत्र लिखा था, जबकि जैसे ही यह मामला राज्य सरकार के संज्ञान में आया तो सरकार ने पहले ही 18 फरवरी को बैंक को डि-एमपैनल करते हुए ब्याज सहित पैसा राष्ट्रीय बैंक में ट्रांसफर करने के लिए कह दिया था, पैसा पूरा सुरक्षित है।

एसीबी करेगी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले की जांच : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से हुई 590 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी मामले की जांच एंटी क्रप्शन ब्यूरो द्वारा की जाएगी।

विधानसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस मामले में आरोपित अधिकारियों व कर्मचारियों पर की गई कार्रवाई को लेकर रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सदन में ऐलान किया कि सरकार इस मामले में गंभीरता से काम कर रही है। एंटी करप्शन ब्यूरो और विजिलेंस विभाग को इस मामले की जांच का जिम्मा सौंपा जा चुका है। उन्होंने कहा कि सभी विभागों व बोर्ड-निगमों को

ये निर्देश भी दिए गए हैं कि प्राइवेट की बजाय सरकारी बैंकों में ही सरकार का पैसा रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आईडीएफसी बैंक में हुई धांधली को भी सरकार ने ही पकड़ा है। चार-पांच दिनों से सरकार इस मामले में कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि बैंक को 18 फरवरी डी-इंपैनल कर दिया गया है। सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के बाद ही आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने सेबी को पत्र लिखकर इस पूरे मामले से अवगत करवाया है। बैंक ने अपने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की है। सीएम ने कहा कि सरकार दोषियों को किसी सूरत में बख्शेगी नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार का एक रुपया भी कहीं नहीं जाएगा। सारा पैसा सुरक्षित है और ब्याज समेत वापस आएगा। नायब सैनी ने कहा कि 590 करोड़ रुपये में से 450 करोड़ रुपये के लगभग की एफडी थी। बाकी पैसा खातों में था। सीएम ने कहा कि वित्त विभाग को जब गड़बड़ नजर आई तो हिसाब-किताब का मिलान किया गया। इसमें कमी दिखी तो कार्रवाई शुरू हुई। उन्होंने कहा कि सरकार ने पैसा भी दूसरी सरकारी बैंकों में ट्रांसफर करवा दिया है।

ग्रुप ए व बी के कर्मचारियों को अभी नहीं मिलेगा प्रमोशन में आरक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में अनुसूचित जाति से संबंधित ग्रुप ए व बी के अधिकारियों को प्रमोशन में बीस प्रतिशत आरक्षण के लिए अभी इंतजार करना होगा। हाईकोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर सरकार द्वारा विचार किया जा रहा है। हरियाणा विधानसभा में सढौरा की विधायक रेनू बाला ने यह मुद्दा उठाते हुए सरकार से पदोन्नति में आरक्षण के मुद्दे पर सवाल पूछा। विधायक ने इस मुद्दे पर पॉलिसी को लेकर लिए गए फैसले की जानकारी भी मांगी।

इसके जवाब में मुख्यमंत्री नायब सैनी के हवाले से कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सदन में बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा ग्रुप ए तथा बी के अधिकारियों व कर्मचारयों को पदोन्नति में 20 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए सात अक्टूबर 2023 को आदेश जारी किए गए थे। उक्त नीति को सीडब्ल्यूपी संख्या 24608/2023 कमलजीत सिंह एवं अन्य बनाम हरियाणा सरकार के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। एक अप्रैल 2025 को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने याचिका को निरस्त करते हुए निर्देश दिए कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण प्रदान करने से पूर्व क्रीमी लेयर के सिद्धांत का अनुपालन करना सुनिश्चित करे। सरकार इस मामले में विचार कर रही हैं कि अब इसमें अपील दायर की जाए अथवा या नहीं। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा पहले से ही निर्देशों के तहत ग्रुप डी व सी के पदों पर पदोन्नति में 20 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर रही है।

सरकार के जवाब से असंतुष्ट विधायक ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले को न तो एक साल में लागू किया गया है और न ही अगली याचिका दायर हुई है। कर्मचारी व अधिकारी लाभ से वंचित हो रहे हैं। इस बीच कई अधिकारी व कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

सोनीपत जिला अस्पताल में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध होंगी

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने विधान सभा में कहा कि सोनीपत के जिला अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे मशीन, उन्नत जीवन रक्षक एम्बुलेंस और और एमआरआई स्कैन सेवाएं शीघ्र शुरू की जाएगी। साथ ही हृदय रोग उपचार के लिए हृदय कैथेटर प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सोनीपत विधायक निखिल मदान के प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सोनीपत में 200 बिस्तरों वाला जिला नागरिक अस्पताल राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के निकट लगभग 15.5 एकड़ भूमि पर स्थित है, जिसमें से लगभग 6 एकड़ में भवन निर्मित है। इसके अतिरिक्त 138 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरों वाला मातृ एवं शिशु देखभाल खंड निर्माणाधीन है। इसके पूर्ण होने पर अस्पताल की कुल क्षमता 300 बिस्तर हो जाएगी। मौजूदा भवन की विशेष मरम्मत के लिए 5.33 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। अस्पताल में चिकित्सा, छाती रोग, सामान्य शल्य चिकित्सा, अस्थि रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, कर्ण-नाक-गला, बाल रोग, विकृति विज्ञान, त्वचा रोग तथा संज्ञाहरण सहित विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हैं संगणित टोमोग्राफी जांच और वृक्क शोधन सेवाएं सार्वजनिक-निजी सहभागिता पद्धति के अंतर्गत संचालित की जा रही हैं। पिछले वर्ष अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन, सी-आर्म मशीन, विद्युत दाह यंत्र, संज्ञाहरण मशीन तथा गहन चिकित्सा कक्ष के बिस्तर स्थापित किए गए हैं।

रिफाइनरी में अपनी मांगो को लेकर धरने पर बैठे मजदूरों व सीआईएसएफ में टकराव, लाठीचार्ज

एजेंसी

पानीपत। पानीपत रिफाइनरी में अपनी मांगो को लेकर प्रदर्शन कर रहे मजदूरों व अर्धसैनिक बलों के बीच टकराव हो गया। मजदूरों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। मजदूर ओवरटाइम, अधिकारियों के दुर्व्यवहार समेत अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। वहां मौजूद सुरक्षा बलों ने उनसे शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन करने की बात कही। इसके बाद, मजदूर लाठी-डंडों से लैस होकर आगे बढ़ने लगे। कुछ मजदूरों ने पथराव किया और निर्माणाधीन प्रोजेक्ट के पास खड़ी कई गाड़ियों को पलट दिया। वहां 10 से ज़्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी रिफाइनरी पहुंच गई। पुलिस और सुरक्षा बल मिलकर माहौल को शांत करने की कोशिश की। करीब डेढ़ घंटे बाद मामला शांत हुआ। मजदूर अभी भी

अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। रिफाइनरी के अंदर कई प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। यहां ठेकेदारों के अंतर्गत लगभग40 हजार मजदूर अलग-अलग साइटों पर काम कर रहे हैं। सभी मजदूरों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। सुबह मजदूर गेट नंबर चार के पास धरने पर बैठ गए। अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। दोपहर के समय में सुरक्षा बलों व कर्मचारियों और मजदूरों के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद मजदूर भड़क गए। वे हाथों में लाठी-डंडे लेकर आगे की तरफ बढ़े और पथराव ओर तोड़फोड़ की। इसके बाद पुलिस कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया। डीएसपी सिटी राजबीर ने कहा कि मजदूरों ने कुछ मांगों को लेकर आज हड़ताल का ऐलान किया था। हड़ताल के दौरान यहां माहौल कुछ गरमा गया। मौके पर पुलिस ने कानून व्यवस्था को संभाल लिया है। साथ ही मजदूरों के पदाधिकारियों से बात की गई है। उन्होंने अपनी कुछ मांगें लिखित रूप में दी हैं। अभी माहौल शांतिपूर्वक है। उन्होंने बताया कि मजदूरों द्वारा दिए गए मांग पत्र में कहा है कि जब-जब उनकी सैलरी आती है तो वो बेहिसाब कटौती के साथ मिलती है।

उन्नत तकनीक से प्याज उत्पादन बढ़ाने की दिशा में पहल, किसानों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण शुरू

एजेंसी

यमुनानगर। किसानों की आय वृद्धि और बागवानी फसलों में आधुनिक तकनीकों के विस्तार के उद्देश्य से राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, सलारू की ओर से पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। यह प्रशिक्षण एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले के विभिन्न गांवों से आए कृषक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र दामला में किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में सहायक निदेशक डॉ. सुधीर कुमार तथा तकनीकी अधिकारी विमलेश कुमार ने किसानों का स्वागत करते हुए प्याज और लहसुन की उन्नत किस्मों, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्रणाली तथा संस्थान द्वारा संचालित किसानोन्मुख कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आदित्य प्रताप डबास ने बागवानी क्षेत्र में संस्थान के योगदान की

वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन लागत कम करने के साथ गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है। मुख्य अतिथि उप-निदेशक कृषि डॉ. सराहना करते हुए किसानों को विभागीय योजनाओं और सहायता कार्यक्रमों का लाभ उठाने का आह्वान किया। वहीं जिला उद्यान अधिकारी डॉ. विरेन्द्र पुनिया द्वारा केन्द्र और राज्य सरकार की अनुदान आधारित योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए बागवानी फसलों को आय का मजबूत विकल्प बताया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संदीप रावल ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संचालित प्रशिक्षण, प्रदर्शन इकाइयों और तकनीकी मार्गदर्शन कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि वैज्ञानिक खेती अपनाने से किसानों की आमदनी में स्थायी वृद्धि संभव है। तकनीकी सत्र में वैज्ञानिक डॉ. चन्दन तिवारी ने प्याज की उन्नत प्रजातियों, उत्पादन प्रबंधन, रोग एवं कीट नियंत्रण, खरपतवार प्रबंधन तथा कटाई उपरांत भंडारण तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी। आगामी सत्रों में सब्जी फसलों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण भंडारण और बाजार उन्मुख उत्पादन पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

माता अमृता देवी की प्रतिमा अनावरण की मांग पर इनसो का प्रदर्शन

एजेंसी

हिसार। यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में माता अमृता देवी की प्रतिमा के अनावरण की मांग पर प्रदर्शन कर रही इनेलो की छत्र इकाई इनसो व गुजवि प्रशासन के बीच विवाद हो गया। इनसो के प्रदेशाध्यक्ष साहिलदीप कंसवा ने अपने समर्थकों के साथ सोमवार को विश्वविद्यालय के मेन गेट पर प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया और कुछ छात्रों को हिरासत में ले लिया गया। मामले के अनुसार इनसो ने कुछ दिन पूर्व ही चेतावनी दी थी कि यदि गुजवि प्रशासन माता अमृता देवी की प्रतिमा का अनावरण नहीं करवाता है तो संगठन अपने अनुसार बिश्नोई समाज की किसी छात्रा या महिला से यह कार्य करवाएगा। संगठन का आरोप है कि विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति कार्यालय की ओर जाने वाले मेन चौक पर खेजड़ी बलिदान की स्मृति में माता अमृता देवी की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस चौक का निर्माण लगभग 6 माह पहले पूरा हो चुका है, लेकिन प्रतिमा अब तक ढकी हुई है और उसका अनावरण नहीं किया गया है। प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रतिनिधियों की विश्वविद्यालय प्रशासन से बातचीत कराई गई, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए साहिलदीप कंसवा सहित 14 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। उन्हें पुलिस बस से पुलिस लाइन ले जाया गया, जहां बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। साहिलदीप कंसवा ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन उद्घाटन को राजनीतिक कार्यक्रम बनाना चाहता है और किसी बड़े नेता से इसका लोकार्पण करवाने की योजना बना रहा है। उन्होंने मांग की कि प्रतिमा का अनावरण बिश्नोई समाज की किसी छात्रा से कराया जाए। उल्लेखनीय है कि दिसंबर माह में सीएम सैनी का कार्यक्रम विश्वविद्यालय में प्रस्तावित था, जो बाद में रद्द हो गया था। इसी मांग पर इनसो ने प्रदर्शन किया है।

विधानसभा में प्रस्ताव खारिज होने पर कांग्रेस ने किया वाकआउट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में प्रश्नकाल के बाद कांग्रेस ने एचपीएससी व एचएसएससी की भर्तियों पर दिए गए काम रोको प्रस्ताव के मुद्दे पर हंगामा कर दिया। स्पीकर ने इसे तत्कालिक विषय न होने के चलते रद्द कर दिया। इसे लेकर सदन में काफी देर तक हंगामा होता रहा। स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि कांग्रेस का प्रस्ताव आया है और वह विचाराधीन है। गीता भुक्कल के साथ आफताब अहमद, अशोक अरोड़ा शकुंतला खटक, जस्सी पेटवाड़, बलराम दांगी, नरेश सेलवाल, देवेंद्र हंस सहित कई विधायकों ने सभी काम रोककर पहले चर्चा करवाने की मांग उठाई। शोर-शराबे के बीच स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि विपक्ष आज और अभी प्रस्ताव पर फैसला चाहता है। स्पीकर ने कहा कि मैंने प्रस्ताव रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि चूंकि कांग्रेस ने अपने प्रस्ताव में 11 वर्षों की भर्तियों का मुद्दा उठाया है। ऐसे में यह तत्काल चर्चा का विषय नहीं है। उनके प्रस्ताव रिजेक्ट करते ही कांग्रेस ने विरोध शुरू कर दिया। इस मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस विधायकों ने प्रस्ताव मंजूर करने की मांग करते हुए

नारेबाजी शुरू कर दी। एचपीएससी चेयरमैन को हटाने की भी मांग की। स्पीकर जब अपना फैसला बदलने को राजी नहीं हुए और उन्होंने शून्यकाल शुरू करवा दिया तो कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस के कुछ युवा विधायक जब काम रोको प्रस्ताव को रद्द करने के विरोध स्वरूप सदन में नारेबाजी कर रहे। स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने अपनी सीट से उठकर उन्होंने सभी को बैठाया भी और शांत रहने का अनुरोध भी किया। फिर भी नारेबाजी जारी रही। संसदीय कार्य मामले मंत्री महिपाल सिंह ढांडा ने कहा कि कांग्रेस का अकेले हरियाणा ने सभी राज्यों में यही हाल है। बहस के बीच उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर हमला करते हुए कहा कि राज्यपाल अभिभाषण को लेकर भी पूर्व मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की है।

हरियाणा के अस्पतालों में मेडिकल व पैरामेडिकल के छह हजार पद खाली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट और पैरामेडिकल स्टाफ के हजारों पद खाली पड़े हैं। रानियां से इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला के प्रश्न के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने विस्तृत रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में कई महत्वपूर्ण श्रेणियों में बड़ी संख्या में रिक्तियां हैं। सिविल सर्जन व समकक्ष स्वास्थ्य अधिकारियों के 51 में से 22 पद खाली हैं। सीनियर मेडिकल ऑफिसर के 644 में से 210, मेडिकल ऑफिसर के 4054 में से 541 रिक्त, दंत चिकित्सक के 725 में से 87 रिक्त, एमपीएचडब्ल्यू (फिमेल) के 2724 में से 779 खाली तथा एलटी (जी) के 1335 में से 407 रिक्त हैं। इसी तरह स्टाफ नर्स/नर्सिंग ऑफिसर के 5039 में से 653 खाली खाली हैं। फार्मेसी ऑफिसर के 1085 में से 385 पद और फिजियोथेरेपिस्ट के 62 में से 57 पद खाली हैं। स्वास्थ्य विभाग में 6,000 से अधिक पद खाली पड़े हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा असर पड़ रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सरकार ने रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। मेडिकल ऑफिसर के 450 पद पहले ही विज्ञापित किए जा चुके हैं। एमपीएचडब्ल्यू (फिमले) के 700 पद, एलटी के 70 पद, स्टाफ नर्स के 348 पद और कई अन्य श्रेणियों के पद एचएसएससी और एचपीएससी को भेजे जा चुके हैं। सिविल सर्जन, एसएमओ तथा एमपीएचएस आदि के पद प्रमोशन से भरे जाएंगे। रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला तथ्य भी सामने आया कि असिस्टेंट मैट्रन (18 पद), चीफ नर्सिंग ऑफिसर (28 पद) तथा एचएन (121 में से 100 खाली) हैं। इन पदों पर योग्य उम्मीदवार कैडर में उपलब्ध ही नहीं हैं।

संयुक्त पंजाब के सबसे बुजुर्ग विधायक को सम्मानित करने की मांग

एजेंसी

चंडीगढ़। डबवाली से इनेलो विधायक आदित्य देवीलाल ने 105 वर्षीय पूर्व विधायक सही राम बिश्नोई को विशेष सम्मान देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि संयुक्त पंजाब विधानसभा के ये पूर्व सदस्य न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के सबसे बुजुर्ग जीवित पूर्व विधायक हैं। इनेलो विधायक आदित्य देवीलाल ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात करके उन्हें आधिकारिक पत्र सौंपते हुए कहा कि 105 वर्ष की उम्र में भी सही राम बिश्नोई का व्यक्तित्व प्रेरणा का स्रोत है। उनका सम्मान केवल व्यक्ति का नहीं, हमारे इतिहास का सम्मान होगा।

अदित्य देवीलाल ने बताया कि सही राम बिश्नोई ने लाहौर से लॉ की शिक्षा प्राप्त की। 1947 के आजादी आंदोलन में हिस्सा लिया और संयुक्त पंजाब विधानसभा के सदस्य रहे। आज 105 साल की उम्र में भी सक्रिय सोच और गहरी राजनीतिक समझ रखते हैं। उन्होंने कहा कि देश में इतनी आयु का कोई दूसरा जीवित पूर्व विधायक नहीं है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि ऐसे महान व्यक्तित्व को सम्मान दें, ताकि नई पीढ़ी भी प्रेरणा ले सके। वहीं विधानसभा में

शून्यकाल में बोलते हुए आदित्य ने जनहित से जुड़े कई मुद्दों पर भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पक्की नहरों के आउटलेट (मोघे) विभाग द्वारा ऊपर-नीचे किए जाते हैं, जिससे टेल के किसानों को पानी नहीं मिलता। नहीं लेता। कॉमन सर्विस सेंटर 20-30 रुपये की जगह 200-300 रुपये वसूल रहे हैं। उन्होंने कालुआना गांव के अजय भादू का उदाहरण दिया, जिनकी फैमिली आईडी में मुखिया का नाम गलत होने के बावजूद महीनों से सुधार नहीं हुआ।

पारदर्शी प्रॉपर्टी रिकॉर्ड से शहर को मिलेगी अवैध कब्जों से मुक्ति: रणवीर सिंह

एजेंसी

नारनौल। नारनौल शहर का डिजिटल रिकार्ड दुरुस्त करने की दिशा में शहर का नक्शा प्रोजेक्ट में अब दस और कॉलोनियों को शामिल किया गया है। इस पारदर्शी प्रॉपर्टी रिकॉर्ड के बनने से शहर को अवैध कब्जों से मुक्ति मिलने के साथ-साथ विकास को एक नई गति भी मिलेगी। जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रशासन की दस अलग-अलग टीमें लगातार शहर के विभिन्न हिस्सों में सर्वे और मैपिंग के कार्य में जुटी हुई हैं। इस विशेष प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य शहर के हर क्षेत्र का सटीक रिकॉर्ड तैयार करना है ताकि भविष्य में लोगों को अपनी प्रॉपर्टी और जमीन-जायदाद से संबंधित किसी भी प्रकार के विवाद का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि इस डिजिटल मानचित्रण के तैयार होने के बाद न केवल आम जनता को कानूनी उलझनों से मुक्ति मिलेगी, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में भी और अधिक पारदर्शिता आएगी और सरकार को विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने में बड़ी मदद मिलेगी। प्रोजेक्ट की प्रगति का विवरण देते हुए जिला नगर आयुक्त ने बताया कि शहर की कई कॉलोनियों में काम पहले से ही चल रहा है। इसी कड़ी में अब दस नई कॉलोनियों और क्षेत्रों में भी सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण के तहत कैलाश नगर नॉर्थ, एंप्लॉयज कॉलोनी, आदर्श नगर, अग्रसेन कॉलोनी, दया नगर, मोती नगर, केशव नगर, शास्त्री नगर, शिव कॉलोनी और एचएसवीपी सेक्टर-एक में कार्य का आवंटन किया जा चुका है। अब प्रशासन ने इस दायरे को बढ़ाते हुए कैलाश नगर साउथ, जुडिशियल कॉम्प्लेक्स एवं एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, आदर्श नगर एक्सटेंशन, अग्रसेन कॉलोनी एक्सटेंशन, दया नगर एक्सटेंशन, सेक्टर-एक पार्ट एक व दो, केशव नगर एक्सटेंशन, शास्त्री नगर, शिव कॉलोनी पार्ट-एक और विलेज नसीबपुर हुडा सेक्टर के समीप बाहरी क्षेत्र) में भी नए सिरे से आवंटन कर काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

बेंगलुरु में खुला अमेज़न का एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस

12 मंजिला, 11 लाख वर्ग फुट का आधुनिक परिसर, एक साथ 7,000 कर्मचारी काम करेंगे

बेंगलुरु। अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज एमेजान ने बेंगलुरु में अपना एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोलने की घोषणा की। नया परिसर 12 मंजिला और 11 लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है। यह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मात्र 15 किलोमीटर दूर स्थित है और इसमें भारत में 7,000 से अधिक कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल और सहयोगी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। अमेज़न ने भारत में अब तक 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। कर्नाटक के लघु एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस निवेश से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा होंगी, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। नए परिसर को टीम सहयोग, लचीलापन, सीखने और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कर्मचारियों के लिए बास्केटबॉल और पिकलबॉल कोर्ट, एम्फीथिएटर, हरे-भरे लॉन और सामुदायिक बाहरी क्षेत्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कैफेटेरिया दो मंजिलों पर फैला है और इसमें वैश्विक व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला परोसी जाती है। इस परियोजना में जिम्मेदार सामग्री स्रोत, कार्यालय संपत्तियों का पुनः उपयोग और उच्च दक्षता वाली प्रणालियाँ शामिल हैं, जिनका उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। यह पहल अमेज़न की दीर्घकालिक सतत विकास रणनीति का हिस्सा है। अमेज़न इंडिया के एक अे धिकारी के अनुसार, बेंगलुरु लंबे समय से कंपनी की तकनीकी और व्यावसायिक टीमों का घर रहा है और आज भी यह नवाचार और प्रतिभा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। नया ऑफिस कंपनी के भारत में निरंतर निवेश और विस्तार का प्रतीक है।

ऐपल ने भारत में पीएलआई योजना के तहत 2.5 लाख से अधिक नौकरियां दी

नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक 19-24 वर्ष की महिलाएं शामिल

नई दिल्ली ।

क्यूपर्टिन मुख्यालय वाली एप्पल इंक ने पिछले पांच वर्षों में भारत में 2,50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। यह तेजी से बढ़ती संख्या मोबाइल-फोन विनिर्माण के लिए 2021 में शुरू हुई उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण संभव हुई। खास बात यह है कि इन नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जिनमें कई की उम्र 19-24 वर्ष है और यह उनका पहला रोजगार अवसर है। आईफोन के दो मुख्य वेंडर, टाटा समूह और फॉक्सकॉन ने मिलकर लगभग 1,40,000 प्रत्यक्ष नौकरियां प्रदान की हैं, जो योजना के तहत प्रतिज्ञात 1,18,290 नौकरियों से अधिक है।

इसके अतिरिक्त 1,10,000 नौकरियां अन्य भारतीय, विदेशी और संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा दी गई हैं, जो मुख्य रूप से एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी हैं और आईफोन से संबंधित उपकरणों का उत्पादन करती हैं। इन कंपनियों का नेटवर्क भारत के उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, झारखंड, तमिलनाडु और कर्नाटक तक फैला हुआ है। ये कंपनियां मुख्य रूप से आईफोन असेंबली प्लांट को उपकरण और पुर्जे उपलब्ध कराती हैं, जबकि कुछ कंपनियां जैसे जाबिल और एक्सस सीधे ऐपल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में योगदान देती हैं। टाटा समूह के तीन आईफोन प्लांट लगभग 72,000 लोगों को रोजगार दे रहे हैं, वहीं फॉक्सकॉन के दो कारखानों में 70,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। पीएलआई योजना के प्रभाव से मोबाइल निर्माण में औसत मासिक वेतन 11,000 से बढ़कर 18,000-20,000 रुपए हो गया। अकेले ऐपल और इसके सहयोगी नेटवर्क में अनुमानित 7,50,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां उत्पन्न हुई हैं। भारत का स्मार्टफोन निर्यात 2025 में 30 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें आईफोन की हिस्सेदारी 23 अरब डॉलर रही।

एनएमपी 2.0 का 16.72 लाख करोड़ मुद्रीकरण जुटाने का लक्ष्य

- योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी 2.0) के दूसरे चरण का अनावरण करते हुए वित्त वर्ष 2026 से 2030 के बीच 16.72 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य घोषित किया। इस योजना का उद्देश्य केंद्र सरकार के मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों की उत्पादक संपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से पूंजी जुटाना है। सरकार का कहना है कि इससे नई अवसंरचना परियोजनाओं और पूंजीगत व्यय के लिए संसाधन उपलब्ध होंगे, बिना राजकोषीय बोझ बढ़ाए।

नीति आयोग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार एनएमपी 2.0 में राजमार्ग, बिजली, बंदरगाह और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी। कुल लक्ष्य का एक-चौथाई से अधिक हिस्सा राजमार्ग क्षेत्र से आने की उम्मीद है, जबकि बंदरगाह, कोयला और खनिज क्षेत्रों से भी महत्वपूर्ण योगदान संभावित है। इस चरण में पहली बार पांच वर्षों के दौरान 5.8 लाख करोड़ रुपये के निजी निवेश का अनुमान जोड़ा गया है। वित्त वर्ष 2026 में 2.49 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, हालांकि वास्तविक प्राप्ति करीब 2 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

योजना में अस्थायी संपत्ति हस्तांतरण, सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी का विनिवेश और नकद प्रवाह का प्रतिभूतिकरण जैसे उपाय शामिल हैं। रेलवे को 2.62 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें सात सूचीबद्ध रेलवे पीएसयू में सरकारी हिस्सेदारी घटाकर 83,700 करोड़ रुपये जुटाने का प्रावधान है। सरकार को उम्मीद है कि एनएमपी 2.0 से बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिलेगी।

पीएम सूर्य घर योजना 30 लाख घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत फरवरी 2024 से अब तक देशभर में 30 लाख से अधिक घरों की छतों पर सौर ऊर्जा इकाई लगाई जा चुकी है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने यह जानकारी दी।

जोशी ने बताया कि जब एक करोड़ घरों में रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित हो जाएंगे, तो अनुमानित 1,000 अरब यूनिट नवीकरणीय बिजली का उत्पादन संभव होगा। इन इकाइयों के 25 साल के जीवनकाल में लगभग 72 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। मंत्री ने कहा कि यह योजना घरेलू बिजली बिल कम करने के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरित परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। केंद्र सरकार का लक्ष्य 2026-27 तक देशभर में 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित करना है, जिससे टिकाऊ ऊर्जा और

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

बायजूज़ अरबों डॉलर के वैल्यूएशन से कानूनी और वित्तीय संकट तक

- ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से हुओ नुकसान

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख एड-टेक कंपनी बायजूज़ कभी 22 अरब डॉलर (लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये) के वैल्यूएशन तक पहुंची थी। कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती मांग ने कंपनी को तेजी से बढ़ने का अवसर दिया। बायजूज़ ने वैश्विक विस्तार, बड़े अधिग्रहण और ब्रांडिंग में भारी निवेश किया। महामारी के बाद फंडिंग सस्ती नहीं रही और निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने कंपनी की आय को प्रभावित किया। नवंबर 2021 में लिया गया 1.2 अरब डॉलर का टर्म लोन बायजूज़ के लिए चुनौती बन गया। तिमाही ब्याज भुगतान (330 करोड़ रुपए) में चूक के बाद विदेशी लेंडर्स ने अमेरिका में मुकदमा दायर किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत कंपनी के दफ्तरों पर छापे मारे और लगभग 9,362 करोड़ रुपए के कथित उल्लंघन का नोटिस जारी किया। इसके अलावा बायजूज़ और लेंडर्स के बीच समय से पहले भुगतान और कानूनी कार्रवाई को लेकर भी विवाद चल रहा है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि 533 मिलियन डॉलर का फंड गायब है, जिससे कंपनी पर विवाद और बढ़ गया है। महामारी के समय में किए गए आक्रामक विस्तार और निवेश की रणनीति अब बायजूज़ के लिए बोझ साबित हो रही है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 4 पैसे कि गिरावट के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे नीचे आकर 90.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों की खराब शुरुआत से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला, हालांकि विदेशी निवेशकों के निवेश ने इसे सहारा दिया एवं तेज गिरावट को रोक दिया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला। फिर टूटकर 90.96 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.89 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 97.81 पर रहा।

चांदी दो दिन में 16 हजार महंगी, कीमत 2.67 लाख/किलो

सोना 5 हजार बढ़ा, 10 ग्राम 1.60 लाख का हुआ

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार, 24 फरवरी को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,283 रुपए बढ़कर 1,59,503 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,58,220 रुपए पर था। सोना 2 कारोबारी दिनों में 5 हजार महंगा हुआ है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,460 रुपए बढ़कर 2,66,535 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,075 रुपए किलो थी। इससे पहले भी चांदी 13 हजार रुपए महंगी हुई थी। यानी दो दिन में ये 16 हजार से ज्यादा बढ़ चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26,000 रुपए और चांदी 36,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था। 2025 में सोना 57 हजार (75 प्रतिशत) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167 प्रतिशत) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई।

मोक्सी पावर ने तमिलनाडु में 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका हासिल किया

- बिजली आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी

नई दिल्ली । अदाणी पावर की सहायक कंपनी मोक्सी पावर को ते मिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन से पांच वर्षों के लिए 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने बोली में 5.910 रुपये प्रति यूनिट का सबसे प्रतिस्पर्धी शुल्क प्रस्तावित कर ठेका जीता। यह आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। मोक्सी पावर तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 1,200 मेगावाट क्षमता का संयंत्र संचालित करता है। अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनी है, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 18.15 गीगावाट है। संयंत्र की दोनों इकाइयों के पास बिजली आपूर्ति समझौते हैं, जिससे संचालन और राजस्व में स्थिरता बनी रहती है। अदाणी पावर की परिचालन क्षमता का 95 फीसदी से अधिक हिस्सा मध्यम से दीर्घकालिक अनुबंधों के तहत सुरक्षित है। कंपनी का लक्ष्य अगले वर्ष तक सभी परिचालित और जल्द चालू होने वाले संयंत्रों के लिए लगभग 100 फीसदी पीपीए हासिल करना है। यह रणनीति अल्पकालिक बाजार अस्थिरता के जोखिम को कम करती है और दीर्घकालिक राजस्व की स्पष्टता प्रदान करती है। इस ठेके से तमिलनाडु के उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाली बिजली उपलब्ध होगी। ग्रिड की स्थिरता मजबूत होगी और घरों, उद्योगों एवं व्यवसायों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। प्रतिस्पर्धी शुल्क पर बिजली उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा का लाभ मिलेगा।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 1068 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे

छह लाख करोड़ से अधिक का नुकसान

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार मंगलवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1068.74 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 82,225.92 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 288.35 अंक या 1.12 प्रतिशत गिरकर 25,424.65 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव व्यापक रहा, जिसमें मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक में करीब 1 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। तेज गिरावट के बीच निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी आई। इससे निवेशकों को एक ही दिन में छह लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

एआई के संभावित प्रभाव के कारण तकनीकी शेयरों में कमजोरी का रुझान जारी है। भारतीय आईटी कंपनियों के एडीआर में कमजोरी यह संकेत देती है कि यह सेगमेंट दबाव में बना रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का आज बाद में होने वाला स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन और उसमें दिया जाने वाला संदेश वैश्विक बाजारों द्वारा उत्सुकता से देखा जाएगा।

इन कारणों से दिखी गिरावट

वैश्विक व्यापार और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर अनिश्चितता के बीच निवेशकों का मनोबल कमजोर बना रहा। यह कमजोरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 10-15 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ ढांचे की घोषणा के बाद टैरिफ संबंधी चिंताओं के फिर से उभरने से उत्पन्न हुई है, जिससे वैश्विक आर्थिक विकास और कंपनियों की आय पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं।

भारत जर्मनी और कनाडा के साथ खनिज सहयोग समझौतों को दे सकता है मंजूरी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में भारत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने के लिए जर्मनी और कनाडा के साथ महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में संयुक्त आशय घोषणा को मंजूरी देने पर विचार कर रहा है। जर्मनी के साथ प्रस्तावित समझौते का मुख्य फोकस संयुक्त अन्वेषण, सतत खनन, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण होगा। यह भारत को लिथियम, कोबाल्ट, निकल और अन्य दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगा। भारत और कनाडा के बीच भी इसी तरह का समझौता प्रस्तावित है। इससे ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए आवश्यक संसाधनों में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। यह कदम महत्वपूर्ण खनिज मिशन और *खनन एवं खनिज (विकास व विनियमन) संशोधन अधिनियम के तहत हाल की नीलामी के अनुरूप है।

आरबीआई ने जारी किया सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के प्रीमैच्योर रिडेम्पशन कैलेंडर

अगले 6 महीने में 33 सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स भुना सकेंगे निवेशक

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 23 फरवरी 2026 को सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) के समय से पहले रिडेम्पशन के लिए कैलेंडर जारी किया। यह सुविधा उन बॉन्ड पर लागू होगी जिनकी रिडेम्पशन तारीख 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच है। निवेशक 22 अक्टूबर 2021 के दिशानिर्देशों के अनुसार, जारी होने की तारीख से 5 साल पूरे होने पर एसजीबी समय से पहले भुना सकते हैं। आरबीआई के शेड्यूल के अनुसार 2018-19 से 2021-22 तक जारी 33 ट्रांच इस छह महीने की अवधि में प्रीमैच्योर रिडेम्पशन के लिए पात्र हैं। सबसे पहला ट्रांच 2018-19 सीरीज-2 है, जो 23 अप्रैल 2026 से भुनाई के लिए खुला रहेगा। आवेदन विंडो 23 मार्च से 13 अप्रैल 2026 तक रहेगी। आखिरी पात्र ट्रांच 2019-20 सीरी-10 है, जिसकी रिडेम्पशन 11 सितंबर 2026 होगी और आवेदन 11 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक होगा। निवेशक आरबीआई के अधिकृत कार्यालयों, डिपॉजिटरी या आरबीआई रिटेल डायरेक्ट प्लेटफॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आरबीआई ने कहा है कि अप्रत्याशित अवकाश पर तारीखों में बदलाव हो सकता है। निवेशकों को अपनी ट्रांच की सटीक आवेदन अवधि पर ध्यान देना जरूरी है।

ईपीएफओ निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ जल्द लौटाएगी

- 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 7.11 लाख निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द खाताधारकों या उनके कानूनी वारिसों को लौटाने का फैसला किया है। यह पहल 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना का हिस्सा है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें कुछ खाते 20 साल से पुराने हैं और पिछले तीन साल से इनमें कोई लेनदेन नहीं हुआ है। श्रम मंत्रालय ने इस योजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसमें ऐसे खातों को चुना गया है जिनमें 0 से 1,000 रुपये तक की राशि है और जो आधार से जुड़े हैं। ईपीएफओ सीधे इन खातों में पैसे ट्रांसफर करेगा। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने पर बाकी निष्क्रिय खातों में भी इसी तरह राशि लौटाई जाएगी। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी योजना है। इसमें कर्मचारी अपने मूल वेतन का 12 फीसदी योगदान करते हैं, जबकि नियोक्ता भी उतना ही योगदान करता है। यदि किसी खाते में तीन साल तक कोई लेनदेन नहीं होता तो उसे निष्क्रिय घोषित किया जाता है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईपीएफओ सदस्य अपना पैसा आसानी से निकाल सकें। हालांकि, छोटे-छोटे निष्क्रिय खातों में फंसी राशि प्रशासनिक

जिम्मेदारियों और वित्तीय जवाबदेही में चुनौती पैदा करती है। हजारों करोड़ रुपये ऐसे निष्क्रिय खातों में फंसे हुए हैं क्योंकि लोग कम राशि निकालने के लिए आने-जाने की झंझट से बचते हैं। पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने पर, ईपीएफओ धीरे-धीरे बाकी निष्क्रिय खातों में भी यह प्रक्रिया लागू करेगा। इससे खाताधारकों का पैसा सुरक्षित तरीके से लौटाया जाएगा और निष्क्रिय खातों का बोझ भी कम होगा।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन 1,500 एक्सपर्ट्स की करेगा नियुक्ति

- लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) अब केवल कारखानों के निरीक्षण तक सीमित नहीं रहेगा। संगठन ने 1,500 वैज्ञानिक और विशेषज्ञों को नियुक्त करने की योजना बनाई है। ये विशेषज्ञ क्लिनिकल रिसर्च, बायोलॉजिक्स, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग और नियामकीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में काम करेंगे। इनमें से लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे। इस कदम का उद्देश्य दवा मंजूरी और निगरानी प्रक्रिया को वैज्ञानिक, तेज़ और प्रभावी बनाना है। सीडीएससीओ ने जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रक्रिया को तेज कर दिया है। निरीक्षण में उत्पाद की जोखिम स्थिति, पिछली अनुपालन स्थिति और खुफिया सूचनाओं को ध्यान में रखा जाता है। 2022 के अंत से अब तक 1,250 विनिर्माण इकाइयों का ऑडिट किया जा चुका है। स्टाफ की कमी के कारण अब निरीक्षण में अधिसूचित थर्ड-पार्टी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। इससे निगरानी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। कफ सिरप निर्माण क्षेत्र बार-बार गुणवत्ता समस्याओं का केंद्र रहा है। देश में 1,300 कफ सिरप निर्माता हैं, जिनमें से लगभग 1,100 इकाइयों का निरीक्षण हो चुका है। गंभीर कमियों वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और कुछ को बंद करने का निर्णय लिया गया।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

ललित गर्ग

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं।

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता

है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दशार्ता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

संपादकीय

शंकराचार्य बनाम साधु

तिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप अश्लील हैं कि उन्होंने और उनके शिष्य ने दो नाबालिग शिष्यों का यौन शोषण किया। जो आशुतोष ब्रह्मचारी नामक कथित साधु ने अदालत में शिकायत दर्ज की थी, वह भी एक और संन्यासी, कथित जगद्गुरु रामभद्राचार्य का शिष्य बताया जा रहा है। अदालत में जज के सामने धारा 164 के तहत नाबालिग शोषितों के बयान भी दर्ज करा दिए गए हैं। पॉक्सो की विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए हैं। चूंकि मामला पॉक्सो का है, लिहाजा बेहद संवेदनशील है। क्या शंकराचार्य को जेल भी भेजा जा सकता है? यदि ऐसा हुआ, तो बड़ा धार्मिक वज्रपात होगा, क्योंकि शंकराचार्य कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि सनातन के शिखर-पुरुष हैं, सर्वोच्च धर्मगुरुओं में शामिल हैं। जिस साधु-संत के असंख्य श्रद्धालु हैं, उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जिन्हें ह्यभगवानह्ल मान कर प्रणाम करते हैं, एक और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, शंकराचार्य के ही, बटुकों की शिखा खींचने को ह्यमहापापह्ल करार देते हैं और अपने आवास पर बटुकों का सम्मान करते हैं, उसी शख्स के शंकराचार्य होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सवाल उठाए थे। आश्चर्य है कि उप्र में यह क्या हो रहा है? हिंदुत्व और सनातन की कट्टर समर्थक, पैरोकार भाजपा की सरकार में सनातन-पुरुष पर ही घमासान क्यों मचा है?

जो अभी तक शंकराचार्य हैं, जिनके पदनाम पर सर्वोच्च अदालत ने अभी तक कोई फैसला नहीं सुनाया है, जो शंकराचार्य सनातन के शिखर संतों में एक हैं और आदि शंकराचार्य की प्रतिमूर्ति हैं, उन्हें ही दुराचारी और बलात्कारी करार क्यों दिया जा रहा है? इन आरोपों की तुलना आसाराम बापू के केस से नहीं की जा सकती, क्योंकि उसमें बलात्कार की निरंतर पीड़िता नाबालिग कन्या के परिजनों ने भी शिकायतें दर्ज कराई थीं। मीडिया के सामने आकर दुष्कर्म-कथा सुनाई थी। आसाराम को ह्यभगवानह्ल मानने वालों की भी कमी नहीं थी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तक उनके ह्यभक्तह्ल थे। मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी की आस्था, श्रद्धा भी उनके प्रति थी। आसाराम कई सालों से जेल में हैं। बीते दिनों स्वास्थ्य आधार पर उन्हें अंतरिम जमानत दी गई थी।

चिंतन-मनन

कहीं आप भी पाप की पूंजी तो जमा नहीं कर रहे

क्या आपने कभी किसी के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठायी है। किसी कमजोर और लाचार को पिटता देखकर मदद के लिए आगे आएं हैं। अगर आपने ऐसा नहीं किया है तो समझ लीजिए आपने अपने खाते में पाप की पूंजी जमा कर ली है। जिस प्रकार से पाप और पुण्य को परिभाषित किया गया है उसके अनुसार जो व्यक्ति किसी को कष्ट में देखकर उसकी मदद नहीं करता है। किसी के भय से अथवा अपने स्वार्थ के कारण झूठ बोलता है और शरण में आये व्यक्ति की रक्षा नहीं करता है वह पापी है।

इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। एक थे राजा शिवि। इनके धार्मिक स्वभाव और दयालुता एवं परोपकार के गुण की ख्याति स्वर्ग में भी पहुंच गयी। इन्द्र और अग्नि देव ने योजना बनायी कि राशि शिवि के गुणों को परखा जाए। एक दिन अग्नि देव कबूतर बने और इन्द्र बाज। कबूतर उड़ता हुआ राजा शिवि की गोद में आकर बैठ गया और अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने लगा। इसी बीज बड़ा सा बाज राजा शिवि के पास पहुंचा और कबूतर को वापस करने के मांग करने लगा। बाज ने कहा कि, कबूतर मेरा आहार है अगर आप मुझे वापस नहीं करेंगे तो आपको मुझे भूखा रखने का पाप लगेगा।

बाज की बातों को सुनकर राजा शिवि ने कहा कि कबूतर मैं तुम्हें नहीं दूंगा अगर कोई अन्य उपाय है तो बताओ। बाज ने कहा कि कबूतर के मांस के बराबर मुझे मांस दे दीजिए इससे मेरा काम हो जाएगा। राजा ने विचार किया कि एक जीव को बचाने के लिए दूसरे जीव का कष्ट देना पाप होगा। यही सोच कर राजा ने कबूतर को तराजू के एक पलडे में डाल दिया और अपने शरीर से मांस काटकर दूसरे पलड़े में रखने लगे। लेकिन काफी मांस रखने के बाद भी पलड़ा हिला तक नहीं। अंत में राजा शिव स्वयं दूसरे पलड़े पर बैठ गये और बाज से कहा कि तुम मुझे खाकर अपनी भूख शांत कर लो। राजा के इस दयालुता और शरण में आये हुए कि मदद करने की भावना को देखकर कबूतर अग्नि देव और बाज देवराज इन्द्र के रूप में प्रकट हुए। आसमान से फूलों की वर्षा होने लगी। देवराज इन्द्र ने कहा कि तुम ने धर्म की लाज रखी है। जो शरण में आये की रक्षा नहीं करता वह पापी है। कमजोर की सहायता न करने वाला भी अधर्मी है। दोनों देवताओं ने राजा शिवि को आशीर्वाद दिया और स्वर्ग चले गये।

कार्टेल के खिलाफ जंग और मेक्सिको की अग्निपरीक्षा

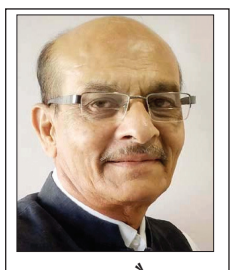

सनत जैन

मेक्सिको में कुख्यात ड्रग सरगना नेमेंसियो ओसेगेरा सर्वांतेस उर्फ 'एल मेंचो' के मारे जाने की खबर के बाद हुई भारी हिंसा से मेक्सिको को अनिश्चितता के दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। आम जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करती नजर आई है। नशे के कारोबार में (सीजेएनजी) प्रमुख के रूप में ड्रग लॉर्ड को न केवल मेंक्सिको, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का केंद्रीय चेहरा माना जाता था। मेक्सिको की सरकार इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। किंतु ड्रग सरगना के मारे जाने के तुरंत बाद भड़की आगजनी, हाईवे जाम और सुरक्षा कर्मियों पर हमले से यह सवाल उठता है, क्या किसी सरगना के मारे जाने पर जनता का विद्रोह इस रूप में देखने को मिल सकता है? एल मेंचो पर अमेंरिका की सरकार ने बड़ा इनाम घोषित किया था। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल से ही मेक्सिको पर ड्रग तस्करी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का दबाव अमेंरिका की सरकार बनाती रही है। फेंटानिल संकट ने अमेंरिका की आंतरिक राजनीति को झकझोर दिया है, इसका प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना तय है। मेक्सिको की हिंसा केवल आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि इसका असर अमेंरिका सहित अन्य देशों पर भी पड़ना तय है। यह घटना भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ी दिखती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह मेक्सिको की संप्रभु रणनीति का हिस्सा है, या अमेंरिकी दबाव का परिणाम है। इतिहास बताता है कि कार्टेल के शीर्ष नेता को मार देने से इस समस्या का हल नहीं होता है। इससे ड्रग के कारोबार, राजनीतिक एवं सामाजिक संबंधों में स्थिरता संभव नहीं है। 2016 में जोक्विन एल चापो गुजमान की गिरफ्तारी के बाद भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। आम जनता और सत्ता के बीच संघर्ष बढ़ा था। संगठित अपराध का नेटवर्क समानांतर व्यवस्था की तरह संचालित होता है। एक चेहरा हटता है, तो उसके कई दावेदार उभरते हैं। गैंग में वर्चस्व की लड़ाई आम नागरिकों की सुरक्षा और जीवन यापन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती है। एल मेंचो की मौत के बाद इस तरह की घटनाएं इसी आशंका को पुष्ट कर रही हैं। ड्रग कारोबार और राजनीतिक संरक्षण का मूल मेक्सिको, अमेंरिका एवं कई अन्य देशों तक फैला हुआ है। दशकों से मेक्सिको में फैली गरीबी, बेरोजगारी, राजनीतिक संघर्ष, भ्रष्टाचार और कमजोर तथा भ्रष्ट न्यायिक व्यवस्था से जुड़ता है। मेक्सिको के सीमावर्ती इलाकों में प्रशासनिक पकड़ हमेंशा से कमजोर रही है। नशे के कारोबारी और इससे जुड़े हुए लोगों की समानांतर सत्ता चलती है। नशे के कारोबार में लगे अपराधी तत्व जिस तरह से काम करते हैं, उससे स्थानीय कारोबारियों को वसूली के डर से नियंत्रण और सीमापार तस्करी इनके साधन हैं। ऐसे में सैन्य कार्रवाई समाधान नहीं हो सकती है। मेक्सिको सरकार के लिए यह दोहरी चुनौती है। एक ओर सरकार के ऊपर तत्काल कानून-व्यवस्था बहाल कर नागरिकों में भरोसा कायम करना है, दूसरी ओर दीर्घकालिक सुधारों पर गंभीरता से काम करना होगा।

मेक्सिको में न्यायिक पारदर्शिता, गवाहों की सुरक्षा, नशे की कारोबार में नेटवर्क पर वित्तीय प्रहार और पुलिस सुधार अनिवार्य है। सरकार, पुलिस और प्रशासन के बीच का भ्रष्टाचार रोकना, संस्थागत ढांचे को मजबूत नहीं किया तो यह 'जीत' अस्थायी साबित होगी। इसके साथ ही, इसका असर अमेंरिका में भी पड़ना तय है। अमेंरिका की सुरक्षा एजेंसियों और सरकार को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। जब तक अमेंरिका में नशीली दवाओं की मांग बनी रहेगी, आपूर्ति के नए रास्ते और नए गिरोह समय-समय पर उभरते रहेंगे। नशे का कारोबार केवल मेक्सिको की समस्या नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इससे निपटने के लिए साझा जिम्मेंदारी जरूरी है। दबाव की नीति के बजाय सहयोग, खुफिया साझेदारी और सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रमों पर ध्यान देना होगा। एल मेंचो का अंत

प्रतीकात्मक जीत हो सकती है, असली परीक्षा तो अब शुरू होगी। यदि मेक्सिको में सुशासन और पारदर्शिता चाहिए तो भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करने के लिए सामाजिक निवेश की ठोस रणनीति बनानी होगी। तभी नशे के कारोबार के गैंगस्टरों की छाया से मेक्सिको बाहर निकल पाएगा। इतिहास खुद को दोहराने में देर नहीं करता है। नशे के कारोबार का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क है, इसमें भारी पैसा है। इस नेटवर्क को इस तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है, जिस तरह से अभी कार्रवाई की गई है। कार्यवाही के पश्चात जिस तरह के हालात मेक्सिको के बन गए हैं, उस चुनौती से निपटना सरकार की सबसे बड़ी चुनौती है। अमेंरिका इस मामले में मेक्सिको की क्या मदद करता है, यह भी देखना होगा।

कचरे पर कड़ा रुख: न्यायपालिका के निर्देश और जमीनी सच्चाई

सुनील कुमार महला

ठोस कचरे का प्रबंधन आज के समय की एक बहुत बड़ी आवश्यकता बन चुका है। कहना गलत नहीं होगा कि आज लगातार बढ़ती जनसंख्या, बढ़ते शहरीकरण, औधोगिकीकरण और उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण धरती पर ठोस कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है, जिससे हमारे पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र, मानव व जीवों के स्वास्थ्य और विभिन्न संसाधनों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। यदि इस कचरे का सही तरीके से संग्रहण, पृथक्करण, पुनर्चक्रण(रि-साइक्लिंग) और इसका समय रहते निपटान नहीं किया गया, तो नीले ग्रह(धरती पर) पर भूमि, जल और वायु प्रदूषण की समस्या और भी गंभीर हो सकती है।

वास्तव में, आज के समय में ठोस कचरे को बोझ नहीं बल्कि संसाधन के रूप में देखने की आवश्यकता है। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना, जैविक कचरे से खाद बनाना, प्लास्टिक और अन्य पदार्थों का पुनर्चक्रण(रि-साइक्लिंग) करना तथा जन-जागरूकता बढ़ाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए ठोस कचरे का प्रभावी प्रबंधन केवल सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह तो प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जब समाज और प्रशासन मिलकर प्रयास करेंगे, तभी सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) और स्वच्छ पर्यावरण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस क्रम में

हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के ठीक से पालन न होने पर चिंता जताई है और 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए नियमों को प्रभावी बनाने के लिए कई निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि साफ और स्वस्थ पर्यावरण में जीना, जीवन के अधिकार का ही अहम् हिस्सा है। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति एस. वी. एन. भट्टी की पीठ ने 19 फरवरी को यह आदेश सुनाया। दरअसल, यह मामला भोपाल नगर निगम की उन अपीलों से जुड़ा था, जो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ दायर की गई थीं।

अदालत ने यह बात कही है कि अभी कानून में सुधार का इंतजार करना ठीक नहीं है, क्योंकि कचरे की खराब व्यवस्था से लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ता है। कोर्ट ने माना कि पूरे देश में कचरा प्रबंधन नियमों का पालन समान रूप से नहीं हो रहा है और घरों से गीला-सूखा-खतरनाक कचरा अलग-अलग करने की व्यवस्था अभी तक भी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है। बड़े शहरों में बढ़ते कचरे के ढेर भी चिंता का कारण हैं।कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा अब नहीं तो कभी नहीं और स्पष्ट किया कि अगर स्रोत पर कचरा अलग नहीं होगा और जरूरी सुविधाएं नहीं होंगी, तो अच्छे परिणाम की उम्मीद करना व्यर्थ है। अदालत ने पार्षदों, महापौरों और वार्ड प्रतिनिधियों को कचरा अलग कराने के लिए जिम्मेदार लीड फैसिलिटेटर बनाने को कहा, ताकि हर नागरिक नियमों का पालन करे। यहां पाठकों को बताता चलूं कि लीड फैसिलिटेटर वह व्यक्ति होता है जो किसी कार्यक्रम, प्रशिक्षण, कार्यशाला या परियोजना में पूरे समूह की प्रक्रिया का नेतृत्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि गतिविधियाँ सही दिशा में और निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार चलें। अच्छी बात यह है कि सभी नगर निकायों को 100% पालन के लिए समय-सीमा तय कर सार्वजनिक करने, प्रगति की फोटो जिलाधिकारी को भेजने और बड़े कचरा उत्पादकों से 31 मार्च तक नियमों का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। इतना ही नहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को चार तरह के कचरे (गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष) के अलग-अलग प्रबंधन की व्यवस्था जल्दी तैयार करने को कहा गया है।

अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देश दिया कि कचरा प्रबंधन नियमों को स्कूल की पढ़ाई में शामिल किया जाए और इन्हें सभी राज्यों की स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाए।अब नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी। पहले जुमार्ना, बार-बार उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई और जरूरत पड़ने पर आपराधिक केस भी दर्ज किया जा सकता है। लापरवाही करने वाले अधिकारी भी इसके दायरे में आएंगे। कोर्ट ने मोबाइल अदालतों की संभावना पर भी विचार करने की बात कही है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि 1 अप्रैल 2026 से देश के सभी न्यायालयों और संस्थानों में भी कचरा प्रबंधन नियमों का पालन होना चाहिए। नगर निकायों को लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाने होंगे, जैसे कचरा कम करना, घर में खाद बनाना और सैनिटरी कचरे को सुरक्षित तरीके से पैक करना।ये सभी निर्देश इसलिए दिए गए हैं ताकि 1 अप्रैल 2026 से पहले पूरी तैयारी हो सके और नियम सही तरीके से लागू किए जा सकें।

अंत में यही कहूंगा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सही चिंता जताई है कि ठोस कचरा प्रबंधन केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। नियमों के कमजोर अनुपालन, स्थानीय निकायों की जवाबदेही की कमी और योजनाओं जैसे अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज मिशन में खामियों के कारण समस्या बढ़ी है। समाधान के लिए सख्त नियम लागू करना, जनजागरण, अधिकारियों की जवाबदेही और बेहतर शहरी अवसंरचना निवेश अनिवार्य हैं, तभी कचरा-मुक्त भारत का लक्ष्य संभव हो पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कैलिफोर्निया हिमस्खलन में नौ स्कीयरों के शव बरामद

सिएरा, एजेंसी। कैलिफोर्निया की सिएरा नेवादा पर्वतमाला में आए भीषण हिमस्खलन के बाद बचाव दलों ने नौ बैककंट्री स्कीयरों के शव बरामद कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, हादसा लेक ताहो के पास कैसल पीक क्षेत्र में हुआ था। नेवादा काउंटी शेरिफ शैनन मून ने बताया कि कई एजेंसियों और 42 स्वयंसेवकों की मदद से अभियान पूरा किया गया। मृतकों में ब्लैबर्ज माउंटेन कंपनी के तीन गाइड, एंड्रयू अलिसांद्राटोस (34), निकोल चू (42) और माइकल हेनरी (30) शामिल हैं।

रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश, 11 ड्रोन मारे

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को पर रविवार को ड्रोन हमले की कोशिश की गई। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने एक घंटे के भीतर 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इसके बाद सुरक्षा कारणों से मॉस्को के चारों अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए। रूसी सिविल एविएशन एजेंसी ने बताया कि डोमोडेदोवो, ज़ुकोव्स्की और शेरेमेत्येवो एयरपोर्ट अस्थायी तौर पर बंद किए गए हैं। अगली सूचना तक उड़ानों की आवाजाही रोकी गई है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि एयर डिफेंस ने मॉस्को की ओर बढ़ रहे एक और ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। इसके साथ ही गिराए गए ड्रोन की कुल संख्या 11 हो गई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लगभग चार साल पूरे होने वाले हैं। रूस का आरोप है कि यूक्रेन उसके विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर राजधानी मॉस्को, पर ड्रोन हमले करता है। वहीं रूस भी यूक्रेन पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है।

जापान के सम्राट ने 3/11 आपदा पीड़ितों की पीड़ा पर जताई चिंता

टोक्यो, एजेंसी। जापान के सम्राट नारुहितो ने अपने 66वें जन्मदिन के अवसर पर 2011 के भूकंप, सुनामी और परमाणु दुर्घटना के पीड़ितों के जख्म अब तक नहीं भरने पर चिंता व्यक्त की। 11 मार्च की बरसी से कुछ सप्ताह पहले जारी टिप्पणी में उन्होंने कहा कि पुनर्निर्माण की प्रक्रिया अभी अधूरी है। सम्राट नरुहितो ने पिछले सप्ताह दिए गए अपने संदेश में कहा, 'बुनियादी ढांचे की बहाली में प्रगति हुई है, लेकिन आजीविका और समुदायों के पुनर्निर्माण पर अभी भी काम किए जाने की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया और जिनकी जीवन परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं, उनके बारे में सोचकर मुझे लगता है कि उनके घाव अब तक नहीं भरे हैं। समय बीतने के बावजूद वे दर्द आज भी कायम हैं।' जन्मदिन के अवसर पर सम्राट नरुहितो, महारानी मासाको, उनकी पुत्री राजकुमारी अइको और छोटे भाई क्राउन प्रिंस अकिशिनो के साथ शाही महल की बालकनी में आए और हाथ हिलाकर शुभकामनाएं देने पहुंचे नागरिकों का अभिवादन किया। लोग 'राइजिंग सन' के छोटे-छोटे झंडे लहराकर उनका स्वागत कर रहे थे। वर्ष 2011 की विनाशकारी आपदा में आए भीषण भूकंप और सुनामी से लगभग 20 हजार लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग बेघर हो गए थे। इस आपदा के कारण फुकुशिमा दाइची परमाणु प्लांट में परमाणु रिएक्टर पिघलने (मेल्टडाउन) की घटना भी हुई थी। रेडिएशन के कारण खाली कराए गए अधिकांश इलाकों को दोबारा खोल दिया गया है, लेकिन रोजगार और सामुदायिक ढांचे की कमी के चलते बड़ी संख्या में लोग अब तक वापस नहीं लौटे हैं।

नेपाल में तय समय पर ही होंगे आम चुनाव, मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले- चुनाव रोकने की खबर गलत

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) रामप्रसाद भंडारी ने कहा कि आगामी चुनाव देश में सुशासन स्थापित करने और संविधान की रक्षा के लिए अनिवार्य हैं। किसी भी स्थिति में मतदान प्रक्रिया नहीं रुकेगी।काठमांडो में रविवार को भंडारी ने कहा कि चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद तरह-तरह की शंकाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं लेकिन इससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में चुनाव का कोई विकल्प नहीं होता। कुछ असंतुष्ट तत्व चुनाव टलने की आशंका फैलाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन नेपाली जनता ऐसे भ्रम का हिस्सा नहीं बनेगी। भंडारी ने कहा कि पांच मार्च को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा। उन्होंने कहा कि सुशासन की अपेक्षा रखने वाले नागरिकों को गुमराह कर अस्थिरता पैदा करने के प्रयास सफल नहीं होंगे। मीडिया से अपील करते हुए भंडारी ने मतदान से पहले मत सर्वेक्षण नहीं करने का आग्रह किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव पूर्व ऐसे सर्वे मतदाताओं की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं और इससे चुनाव की निष्पक्षता पर असर पड़ता है।नेपाल में मधेश प्रांत की गौर नगरपालिका में सांप्रदायिक झड़पों के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। हालात को देखते हुए कर्फ्यू बरकरार है।

नेपाल-बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत

25 घायल, मरने वालों में 2 विदेशी नागरिक, कंट्रोल खोने से हादसा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं।

आर्म्ड पुलिस फोर्स के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

बस पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य वजहों की भी जांच कर रही है।

हादसे के समय बस में 44 लोग सवार थे

मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री सवार थे। घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए

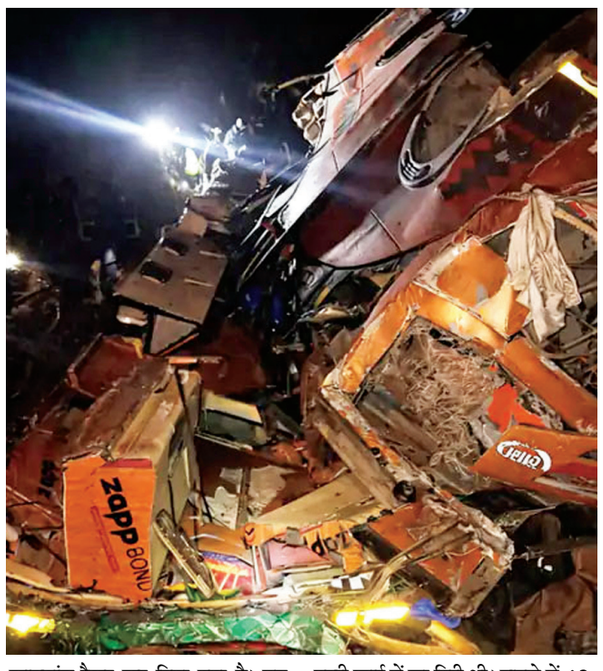

काठमांडू रैफर कर दिया गया है। यह दुर्घटना आधी रात को होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हुई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बचाव कार्य किया।

बारातियों से भरी बस खाई में गिरी थी

इससे पहले नेपाल के बैतड़ी जिले में 5 फरवरी को बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में 13 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए थे।

बस गांव से दुल्हन लेकर सुनकुड़ा जा रही थी। बस एक मोड़ पर चढ़ाई के दौरान अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ था। वहीं, साल 2024 में लैंडस्लाइड की वजह से दो बसें त्रिशूली नदी में बह गई थीं। दोनों बसों में चालकों समेत 63 लोग सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 7 भारतीयों और एक बस चालक की मौत हुई।

भगवान शिव के त्रिशूल से जुड़ी है त्रिशूली नही

त्रिशूली नदी नका नाम भगवान शिव के त्रिशूल से आया है। इसके पीछे एक प्रचलित कथा है कि गोसाइकुंडा (एक पवित्र जगह) में शिव जी ने अपना त्रिशूल जमीन में गाड़ा, जिससे तीन झरने निकले और ये नदी बनी। ये तिब्बत (चीन) के ग्यिरोंग काउंटी में शुरू होती है। वहाँ दो नदियाँ - क्यिरोंग त्सांगपो और लेंदे खोला से मिलकर त्रिशूली बनाती हैं। नेपाल में ये रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन जैसे जिलों से गुजरती है।

पृथ्वी हाईवे के साथ-साथ बहती है, जो काठमांडू और पोखरा को जोड़ता है। आखिर में ये नारायणी नदी (गंडकी नदी) में मिल जाती है। इसकी लंबाई लगभग 200 किलोमीटर है। पुराने समय में ये काठमांडू वैली और तिब्बत के बीच व्यापार का मुख्य रास्ता था। ये नदी स्थानीय लोगों के लिए पानी, सिंचाई, मछली पकड़ने और संस्कृति का हिस्सा है। पर्यटन (राफ्टिंग, ट्रेकिंग) से भी अर्थव्यवस्था को फायदा होता है।

नदी के किनारे कई रिजॉर्ट्स, होटल और गांव हैं, जहां बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। ये इलाका बौद्ध और हिंदू संस्कृति का मिश्रण है। हालांकि, मानसून में तेज बहाव, लैंडस्लाइड के कारण और यहां कई दुखद घटनाएँ हुई हैं।

मुझे अंधेरे में रखा; मुहम्मद यूनुस पर फायर हुए बांग्लादेश के राष्ट्रपति, हालात बदलते ही बदले जज्बात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का कार्यकाल खत्म होते ही और आम चुनाव के बाद नई सरकार गठित होने ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के जज्बात भी बदल गए हैं। इतने दिनों से मोहम्मद यूनुस की अगुआई में चल रही बाग्लादेश की अंतरिम सरकार पर उन्होंने एक भी सवाल नहीं उठाया। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होते रहे और भारत के साथ रिश्ते खराब करने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई। अब शहाबुद्दीन कह रहे हैं कि मोहम्मद यूनुस ने उन्हें अंधेरे में रखा था।

राष्ट्रपति को अलग-थलग करने में जुटे थे यूनुस

बांग्लादेश की मीडिया के मुताबिक राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा कि मोहम्मद यूनुस ने ना तो कभी संस्थानों के बीच समन्वय पर ध्यान दिया और ना ही वह किसी भी फैसले को लेकर उन्हें कोई जानकारी देते थे। राष्ट्रपति ने कहा कि यहां तक कि विदेश दौरे की भी जानकारी उन्हें नहीं होती थी। विदेश नीति से संबंधित कोई भी सूचना राष्ट्रपति तक पहुंचती ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्हें अलग-थलग करने के लिए सारी राजनीतिक हथकंडे अपनाए जा रहे थे।

विदेश दौरे पर नहीं लेते थे सलाह

शहाबुद्दीन ने कहा कि सरकार को जरूरी फैसले राष्ट्रपति की सलाह से करने चाहिए लेकिन मोहम्मद यूनुस खुद ही सारे फैसले कर लेते थे। संविधान यह भी कहता है कि विदेश दौरे पर जाते समय राष्ट्रपति को जानकारी देनी चाहिए और लौटने के बाद इसके परिणामों पर चर्चा होनी चाहिए। कार्यकाल के दौरान वह 14 से 15 बार विदेश गए लेकिन एक बार भी उनकी सहमति नहीं ली गई।

राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा, अगर किसी अन्य देश के साथ कोई समझौता होता है तो इसकी जानकारी राष्ट्रपति को होनी चाहिए लेकिन मुझे कुछ पता ही नहीं चलता था। ना तो कभी मौखिक और ना ही लिखित रूप में कोई सूचना दी गई। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस को मुख्य सलाहकार बनाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इसके बाद भी वह मुझे नजरअंदाज ही करते थे। वह मुझसे मिलने कभी आए ही नहीं, ऊपर से मुझे अंधेरे में रखते थे।

मैक्सिको में बढ़ती हिंसा के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, नागरिकों से घर में रहने की सलाह

मैक्सिको , एजेंसी। मैक्सिको में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा अभियानों के बीच भारत के दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने और फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है।

एल मेंचो की मौत से भड़की हिंसा : यह एडवाइजरी उस सैन्य कार्रवाई के बाद जारी की गई है, जिसमें मैक्सिको के सबसे कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस उर्फ एल मेंचो को मार गिराया गया। वे जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (छ्ठ्ठह्वत्त) का प्रमुख थे। मेंचो मैक्सिको व अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल थे। मैक्सिकन सेना ने पश्चिमी राज्य जलिस्को में एक ऑपरेशन के दौरान उन्हें ढेर किया।

अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह : भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जलिस्को राज्य (प्यूर्टो वल्लार्ता, चापाला और ग्वाडलाहारा), तामाउलिपास राज्य (रेनोसा सहित अन्य नगरपालिकाएं), मिचोआकान, गुएरेरो और नुएवो लियोन के कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा अभियान, सड़क अवरोध और आपराधिक गतिविधियां जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। दूतावास ने नागरिकों को कानून-व्यवस्था से जुड़े अभियानों के आसपास के इलाकों से दूर रहने, स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। आपात स्थिति में 911 पर संपर्क करने की सलाह भी दी गई है। साथ ही भारतीयों से अपने परिवार और मित्रों को अपनी स्थिति की जानकारी नियमित रूप से देते रहने की सलाह दी गई है।

बेटी नहीं, पार्टी के शीर्ष पद पर चुने गए किम जोंग उन

प्योंगयाग, एजेंसी। तमाम अटकलों के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के शीर्ष पद पर फिर से निर्वाचित किया गया है। बीते कुछ समय से चर्चा चल रही थी कि किम जोंग उन अपनी बेटी को पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। हालांकि ऐसा नहीं हुआ है। किम जोंग उन ने एक बार फिर अमेरिका को आंख दिखाते हुए देश में परमाणु हथियारों को और मजबूत करने का ऐलान किया है। गुरुवार से शुरू हुई पार्टी कांग्रेस में किम अगले पांच वर्षों के लिए अपने प्रमुख राजनीतिक और सैन्य लक्ष्यों की रूपरेखा पेश कर सकते हैं। संकेत मिल रहे हैं कि वह परमाणु कार्यक्रम को और तेज करने पर जोर देंगे। उत्तर कोरिया के पास पहले से ही ऐसी मिसाइल मौजूद हैं जो एशिया में अमेरिकी सहयोगियों और अमेरिकी मुख्य भूमि तक को निशाना बना सकती हैं।

हर पांच वर्ष में होते हैं चुनाव : विश्लेषकों का मानना है कि किम पारंपरिक सैन्य बलों को मजबूत करने और उन्हें परमाणु क्षमताओं के साथ एकीकृत करने के नए लक्ष्य घोषित कर सकते हैं। साथ ही वह चीन के साथ व्यापार में सुधार और रूस को हथियार निर्यात से मिली आर्थिक बढ़त के बीच ''आत्मनिर्भरता'' अभियान पर भी पुनः

जोर दे सकते हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि हजारों प्रतिनिधियों की ''एकमत इच्छा'' से किम को पार्टी का महासचिव चुना गया। वर्ष 2016 से हर पांच वर्ष में आयोजित इस कांग्रेस में शीर्ष नेता का चुनाव होता है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया से तनाव : जानकारों का अनुमान है कि किम दक्षिण कोरिया के प्रति अपने कड़े रुख को और संस्थागत रूप दे सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ 2019 में वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया का अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ कूटनीतिक संवाद ठप है। किम ने दक्षिण कोरिया को 2024 में स्थायी दुश्मन घोषित कर संबंधों को और तनावपूर्ण बना दिया था।

रूस से करीबी : किम जोंग उन यूक्रेन युद्ध में रूस का खुलकर साथ दे रहे हैं। उन ने हजारों सैनिकों को भी रूस की तरफ से युद्ध में उतारा है। वह रूस की यात्रा भी कर चुके हैं। जानकारों का कहना है कि रूस और उत्तर कोरिया मिलकर अपनी सेना को मजबूत करने और परमाणु हथियारों को बनाने पर जोर दे रहे हैं।

अटकलें थीं कि किम जोंग उन अपनी 16 साल की बेटी को पार्टी का महासचिव बना सकते हैं। बीते दिनों वह किम जोंग उनके साथ नजर आई थीं। हालांकि किम की बेटी किम जू ए अभी नाबालिग हैं। जानकारी के मुताबिक किम जू एक, किम जोंग उन की पत्नी री सोल जू के तीन बच्चों में तीसरे नंबर पर हैं। वैसे तो किम जोंग उन अपने परिवार को सार्वजनिक रूप से सामने नहीं लाते हैं लकिन उनकी बेटी कई बार उनके साथ दिख चुकी है। फ़रवरी में उनकी तस्वीरें डाक टिकट पर भी छपी थीं।

परमाणु कार्यक्रम पर जोर : विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी परमाणु और मिसाइल नीति को और तेज करेंगे। उत्तर कोरिया पहले ही ऐसे मिसाइल विकसित कर चुका है जो एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों और अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंच सकते हैं। पार्टी ने दावा किया कि परमाणु ताकत ने देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है और जनता का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

ईरान के विश्वविद्यालयों में दूसरे दिन भी सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी, अमेरिका से तनाव के बीच बिगड़े हालात

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दो बड़े शहरों तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालय परिसरों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्र समूहों और मानवाधिकार संगठनों के अनुसार कम से कम सात विश्वविद्यालयों में छात्र इकट्ठा हुए और नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद छात्रों ने परिसर में प्रदर्शन जारी रखा। यह नया विरोध ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

बताया जा रहा है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही शनिवार से प्रदर्शन फिर तेज हुए। रविवार को कई छात्रों ने काले कपड़े पहनकर पहले हुए प्रदर्शनों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित कई संस्थानों में छात्रों की भीड़ देखी गई।

पहले भी हुआ था बड़ा दमन : जनवरी में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को सुरक्षा बलों ने सख्ती से दबा

दिया था। अधिकार समूहों का दावा है कि हजारों लोग मारे गए और करीब 40 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। ईरानी सरकार ने कहा था कि 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिनके लिए उसने इस्राइल और अमेरिका समर्थित तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उस समय प्रदर्शनकारियों ने सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के शासन को समाप्त करने की मांग की थी।

सरकार की चेतावनी : हालिया प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार ने औपचारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सरकारी मीडिया ने परिसरों में तनाव की खबरें दी हैं। तेहरान विश्वविद्यालय के एक अधिकारी हुसैन गोलदानसाज ने छात्रों को 'उग्र नारे' और हिंसा से दूर रहने की चेतावनी दी। सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ा दी गई है।

अमेरिका से बढ़ता तनाव : यह विरोध उस समय हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत जारी है। ओमान की मध्यस्थता में दोनों देशों की वार्ता स्विट्जरलैंड में फिर शुरू होने वाली है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि समाधान संभव है, लेकिन ईरान यूरेनियम संवर्धन का अधिकार नहीं छोड़ेगा। क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति भी बढ़ाई गई है।

ट्रम्प के रिजॉर्ट में घुस रहे युवक को गोली मारी, मौत

गन और फ्यूल केन लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था

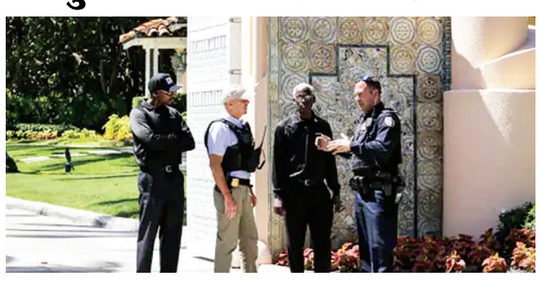

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजॉर्ट में घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार आधी रात 1:30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शॉटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नॉर्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं।

सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजॉर्ट के नॉर्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शॉटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन गिराने को कहा गया। युवक ने केन तो रख दिया, लेकिन शॉटगन को गोली चलाने की पोजिशन में उठा लिया। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने गोली चलाई और वह मारा गया। जांच में पता चला कि उसके परिवार ने कुछ दिन पहले उसे लापता होने की रिपोर्ट की थी। वह नॉर्थ कैरोलीना से साउथ की ओर आया था और रास्ते में शॉटगन खरीदा। उसकी कार में गन का डिब्बा मिला है। ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 4 महीने पहले हुआ था।

20 साल के हमलावर ने 400 फीट की दूरी से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था।

अमेरिका में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की सुरक्षा का जिम्मा यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के पास होता है। यह एक फेडरल एजेंसी है, जो होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के तहत काम करती है। सीक्रेट सर्विस की शुरुआत 1865 में हुई थी।

मेक्सिको में सेना ने सबसे बड़े ड्रग माफिया को मारा

ट्रम्प के दबाव के बाद एक्शन, देशभर में हिंसा शुरू, समर्थकों ने एयरपोर्ट-मॉल में आग लगाई

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (छ्ठ्ठह्वत्त) का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने,

स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था।

पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुईं: मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था। 2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं।

अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

मेक्सिको पर एक्शन लेने को दबाव बना रहे थे ट्रम्प : जालिस्को कार्टेल कार्टेल 2009 में बना था। एल मेंचो की लीडरशिप में यह मेक्सिको का सबसे बड़ा ड्रग नेटवर्क बन गया था। यह कोकीन, मेथामफेटामिन और हाल के वर्षों में फेंटानिल जैसी सिंथेटिक ड्रग्स अमेरिका भेजता था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मेंचों की मौत से मेक्सिको और अमेरिका के रिश्तों में सुधार हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प मेक्सिको पर दबाव बना रहे थे कि वह कार्टेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो वह सैन्य कार्रवाई पर भी विचार कर सकते हैं। इसी साल फरवरी में ट्रम्प एडमिनिस्ट्रेशन ने कार्टेल को विदेशी टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन घोषित किया।मेक्सिको सरकार ने साफ कहा है कि अमेरिकी हमले से देश की संप्रभुता का उल्लंघन होगा, लेकिन खुफिया जानकारी के स्तर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है।

स्क्रबिंग से पाएँ रेशमी त्वचा

सुंदर दिखने की पहली शर्त है स्वस्थ-सुंदर त्वचा। चाहे आप कामकाजी हों या घरेलू, आप की त्वचा को वातावरण के प्रदूषण, धूल-मिट्टी इत्यादि का सामना करना ही पड़ता है। उनके कारण त्वचा मुरझाई-सी दिखने लगती है। ऐसी त्वचा को निखारने के लिए स्क्रबिंग बहुत जरूरी है। स्क्रब त्वचा की मृत कोशिकाओं, धूल इत्यादि को हटाकर रोमछिद्रों को बंद होने से रोकता है। इससे त्वचा हेल्दी एवं ग्लोइंग नजर आती है।

फेस स्क्रब का इस्तेमाल 25 साल की उम्र के बाद जरूर करना चाहिए। संवेदनशील त्वचा या पिंपलयुक्त स्किन पर स्क्रबिंग न करना ही ठीक होगा। यूँ तो बाजार में कई तरह के फेस स्क्रब मिलते हैं लेकिन आप घर पर भी बढ़िया स्क्रब तैयार कर सकती हैं। आइए जानें कैसे-

राइस स्क्रब :

इसे बनाने के लिए 1/2 कप दही में 2 टेबलस्पून चावल का आटा मिलाएँ। नहाने के पहले इसे शरीर पर लगाएँ फिर धो दें। आप तरोताजा महसूस करने लगेंगी।

बादाम का स्क्रब :

1 टेबलस्पून पिसे बादाम में दूध मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इससे चेहरा स्क्रब करें। कुछ देर बाद ठंडे पानी से धोएँ। आप की त्वचा मुलायम हो जाएगी चाहे तो इसमें वॉलनट पाउडर भी मिले लें।

लेंटिल स्क्रब :

1/4 कप लाल मसूर दाल को पीसकर पावडर बना लें। इसमें 1 टेबलस्पून चंदन का चूरा और संतरे का रस मिलाकर स्क्रब तैयार करें।

सी सॉल्ट स्क्रब :

समुद्री नमक को दरदरा पीस लें व इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इससे शरीर की, विशेषकर घुटने, कुहनियों की स्क्रबिंग करें। आपकी त्वचा साफ, मुलायम हो जाएगी।

ऑरेंज पील स्क्रब :

ऑरेंज पील पावडर में कुछ बूँदे एसेंशियल ऑइल एवं दूध मिलाकर तैयार पेस्ट से चेहरे की स्क्रबिंग करें। इससे त्वचा साफ-सुंदर हो जाएगी।

ऑरेंज पैन केक

सामग्री पैन केक के लिए : 1 कप मैदा, 2 बड़े चम्मच बटर, 1/2 कप दूध, छोटा चम्मच ऑरेंज रिंड और 1/4 छोटा चम्मच सोडा बाइकार्बोनेट।

सामग्री ऑरेंज सॉस के लिए : 1 कप ऑरेंज जूस, 1 छोटा चम्मच कॉर्नफ्लोर, 1 छोटा चम्मच चीनी, 1 छोटा चम्मच शहद, थोड़े से ऑरेंज स्लाइस, थोड़ी-सी चेरी और 1/2 छोटा चम्मच ऑरेंज रिंड (संतरे के छिलके का सफेद भाग खुरच कर निकाल दें व छिलका बारीक काटें)।

विधि : सॉस की सभी सामग्री मिलाएं और गाढ़ा होने तक पकाएं। पैन केक की सामग्री मिलाएं। पैन में बटर गर्म करें, एक कलछी से पैन केक का मिश्रण डाल कर फैलाएं। दोनों ओर से सेंकें और ताजा ऑरेंज सॉस के साथ परोसें।

शादी लगे खूबसूरत जब दोनों बढ़ें साथ

सफल शादियाँ वे होती हैं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से दोनों को संतुष्टि हो, जिसमें दोनों की हर स्तर पर तरक्की हो, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। हम यह भी तो कहते हैं कि विवाह की कामयाबी के लिए अपनी खुशी के ऊपर वैवाहिक रिश्ते को प्रमुखता देना जरूरी है!

आप अपने जीवनसाथी के साथ वर्षों से रह रहे हैं तो इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि आप एक खुशनुमा वैवाहिक जीवन का लुत्फ ले रहे हैं। अधिकांशत: वैवाहिक जोड़े बच्चों, सामाजिक प्रतिष्ठा या अन्य कारणों के चलते साथ रहते हैं, लेकिन क्या पति-पत्नी के साथ रहने के लिए ये वजहें काफी हैं? स्टेट यूनिवर्सिटी (न्यूयॉर्क) में साइकोलॉजी के प्रोफेसर और लेखक आर्थर आरन का कहना है कि लंबे वैवाहिक जीवन का राज संप्रेषण कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहयोग और तनाव संबंधी बातों से जुड़ा है। अर्थात विवाह के पश्चात पति-पत्नी दोनों मानसिक रूप से खुश रहें, दोनों के बीच बेहतर संवाद हो, तनाव न हो और दोनों को एक-दूसरे का सपोर्ट मिले, लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि इससे आपको आपकी जिन्दगी अर्थपूर्ण और खुशगवार लगे ही।

कहा जाता है कि सबसे सफल शादियाँ वे होती हैं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से दोनों को संतुष्टि हो, जिसमें दोनों की हर स्तर पर तरक्की हो, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। हम यह भी तो कहते हैं कि विवाह की कामयाबी के लिए अपनी खुशी के ऊपर वैवाहिक रिश्ते को प्रमुखता देना जरूरी है!

गढ़ें एक-दूजे को

शताब्दियों से विवाह का आर्थिक और सामाजिक महत्व रहा है। विवाह को कायम रखने के लिए हमेशा भावनात्मक और बौद्धिक जरूरत को दोयम माना जाता रहा है। बदलते दौर में इस सोच में बदलाव आया है। अब युवक-युवतियाँ विवाह के लिए ऐसा साथी चाहते हैं, जो उनकी जिंदगी को और मनोहर बना सके। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिज (एमस्टर्डम) की शोधकर्ता कैरिल रसबल्ट इसे 'माइकल एंजेलो प्रभाव' का नाम देती हैं। अर्थात विवाह वह है, जिसमें दोनों पार्टनर एक-दूसरे को गढ़ते हैं, बनाते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं।

यदि आप आत्मविकास चाहते हैं और अपने पार्टनर की मदद से उसे पाते हैं, तो आपके जीवन में आपके पार्टनर का महत्व स्वत: ही बढ़ जाता है, साथ ही पार्टनर की मदद करके आपको भी संतुष्टि होती है। इस प्रकार आपका वैवाहिक संबंध मजबूत होता जाता है।

अगर आपका साथी कुछ रचनात्मक कार्यों से जुड़ा है अथवा वह मजाकिया है तो आप भी निश्चित ही पहले से कुछ बदल जाते हैं, अगर आप कुछ सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं तो आपके साथी के लिए भी इस दिशा में कार्य करने के रास्ते खुल जाते हैं। शोधों का यह भी कहना है कि कालांतर में आप अपने साथी की विशेषताओं को ग्रहण करने लगते हैं।

एक शोध में पाया गया कि जब पार्टनर एक-दूसरे के अत्यधिक करीब थे, तो उनके मस्तिष्क ने यह बात पहचानने में अधिक समय लगाया कि उनकी और उनके पार्टनर की अलग-अलग विशेषताएँ क्या हैं, जबकि जो विशेषताएँ दोनों में मौजूद थीं, उन्हें झट पहचान लिया गया। इसका मतलब यह नहीं है कि ये जोड़े अपनी शादी के बाद अपनी व्यक्तिगत विशेषता पूरी तरह खो चुके हैं, अपितु वे आगे बढ़े हैं। अब जो उनके लक्षण हैं, कार्य हैं, व्यवहार है, वह इस रिश्ते से पहले नहीं हुआ करते थे, लेकिन अब वे उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा हैं। यह उनके भविष्य की खुशियों का परिचायक भी है। अगर आपका पार्टनर आपको एक अच्छा व्यक्ति बनने में मदद कर रहा है तो आप इस रिश्ते से प्रसन्न और संतुष्ट रहते हैं।

आकर्षक फिगर हेतु कुछ टिप्स

- तंदुरूस्त रहने हेतु रोजाना कम से कम 15-20 मिनट व्यायाम अवश्य करें। इससे शरीर हृष्ट-पुष्ट होगा व चेहरे पर भी चमक आएगी।
- तैराकी एक अच्छा व्यायाम है इसलिए तैरना शुरू करें। सप्ताह में 5 दिन तैरने का नियम बनाएं।
- अगर आप शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट हैं तो आपको बहुत अधिक खुराक की जरूरत नहीं होती। अपने एक समय के मुख्य भोजन में से अनाज को निकाल दें। इसकी बजाय दूध, सूप, दाल व सब्जियों का सेवन करें।
- अधिक मीठे पदार्थों का सेवन न करें। ये आपके फिगर के लिए ठीक नहीं हैं। इन्हें खाने से आपको मोटापा आ सकता है इसलिए इनका लोभ छोड़ दें।
- अगर आपके पास व्यायाम करने का समय नहीं हो तो कुछ हाथों द्वारा करने वाली एक्सरसाइज करें जिन्हें आप अपने काम के दौरान ही कर सकते हो।
- अधिक तले-भुने पदार्थ आपके फिगर को अनाकर्षक बनाने में सहायक होते हैं। अत: इनका सेवन कम से कम करें।
- बैठने, उठने व खड़े होने का सही ढंग अपनाएं। इससे भी फिगर पर असर पड़ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2029

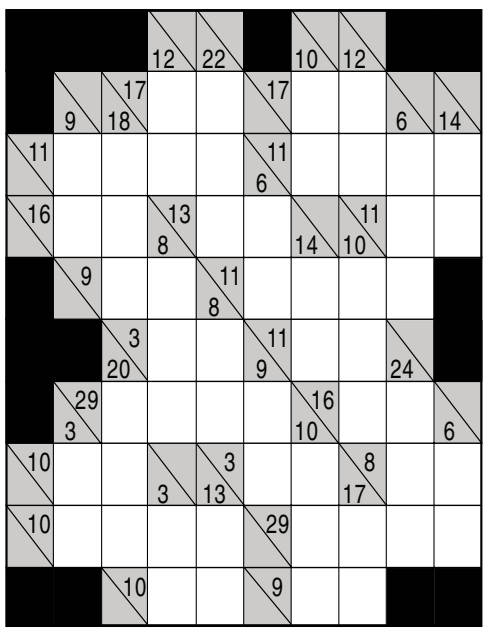

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

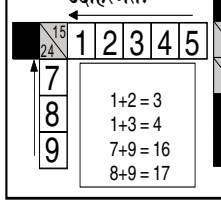

काकुरो - 2028 का हल

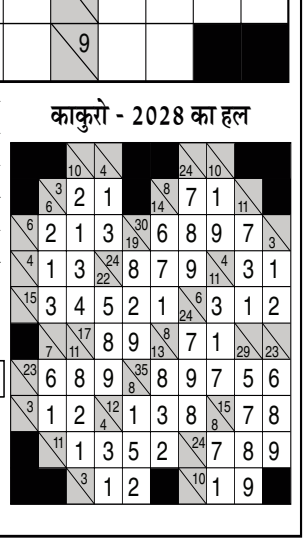

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), ''तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।''

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 2029

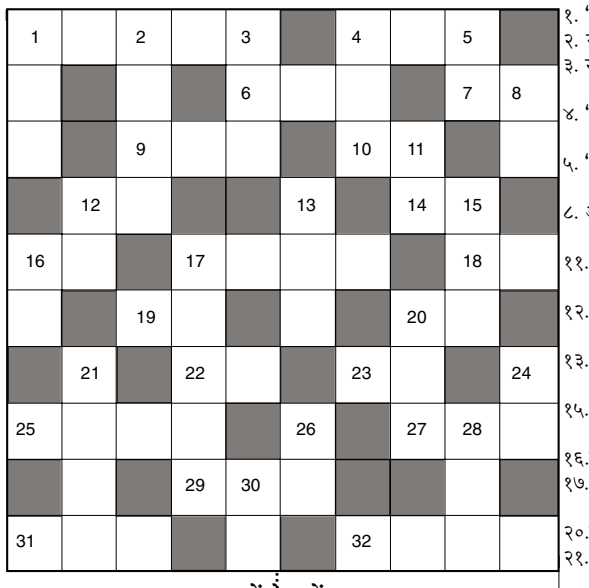

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2028

ए	क	रि	स्ता	■	जा	न	की	बा	जी
क	■	श्ते	■	आ	न	■	र्ति	■	व
बे	य	■	ल	■	व	ध	■	कौ	न
चा	■	अ	व	ता	र	■	माँ	■	यु
रा	जा	जी	■	ल	■	रा	■	यु	द्ध
■	नू	त	न	■	स	नी	■	गां	■
क	■	■	म	ह	ल	■	अ	ध	र्म
वि	ना	श	क	■	मा	या	■	र	■
ता	■	र्मि	■	शा	■	रा	ज	■	धुं
■	मे	ला	■	दी	वा	ना	■	क्रो	ध

सूडोकु -2029

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2028 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 2029

बाएँ से दाएँ

1. पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब,तमीज-3
10. सत्य,तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम,आदर्शवादी-3
18. रोमांच,उद्वेग-4
20. पागलपन,सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान,गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा,रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा,जीभ-3
5. घर,भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच,उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित,सही-3
22. पंख,पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद,सरूर-2
29. अनुसार,समान-4
31. निगाह,दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी,नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -2028 का हल

उ	प	चा	र	■	नि	■	बि	रा	स	त	
■	र	■	घु	■	ग	द	र	■	ही	न	
क	■	■	व	रा	ह	■	ह	■	■	हा	
म	हा	वी	र	■	बा	ल	■	क	मा	ई	
जो	■	रा	■	ना	न	■	श	■	ख	■	
र	म	णी	य	ता	■	भा	व	ही	न	ता	
■	न	■	म	■	ज	ल	■	ट	■	र	
अ	का	ल	■	शू	ल	■	नी	र	व	ता	
प	■	■	न	■	प्र	ख	र	■	■	र	
रा	ल	■	म	ह	वा	■	स	■	मी	■	
ध	ड़	क	न	■	ह	■	ता	र	त	म्य	

एम्स भुवनेश्वर में लिवर प्रत्यारोपण यूनिट और रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। भुवनेश्वर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में लिवर प्रत्यारोपण यूनिट और रोबोटिक सर्जरी सिस्टम की शुरुआत हुई। इस नई सुविधा में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट ऑपरेशन थिएटर, अत्याधुनिक इंटेंसिव केयर यूनिट और लिवर ट्रांसप्लांट स्पेशलिटी क्लिनिक शामिल है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने इन सुविधाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद अपराजिता सारंगी और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य शलिला श्रीवास्तव भी मौजूद रहीं। इस मौके पर जेपी नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि एम्स भुवनेश्वर के लिए आज गर्व का क्षण है, जो तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा अनुसंधान में उत्कृष्टता हासिल कर रहा है। यह कदम ओड़िशा और पूर्वी भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को विश्वस्तरीय बनाने और मरीजों को उच्च तकनीक और जीवनरक्षक इलाज सुलभ कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि नई लिवर ट्रांसप्लांट सुविधा से ओड़िशा और पूर्वी भारत के मरीजों, विशेषकर पश्चिम बंगाल, असम और पड़ोसी राज्यों के लोगों को उच्च स्तरीय जीवनरक्षक इलाज अब घर के नजदीक ही उपलब्ध होगा। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह सुविधा मुफ्त या कम लागत पर उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें लंबी दूरी की यात्रा करने की तकलीफ नहीं उठानी पड़ेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने की मुलाकात

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की। नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद सुदेश महतो की यह पहली भेंट थी। इस अवसर पर सुदेश महतो ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत होगा। मुलाकात के दौरान झारखंड में राजग को सशक्त करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही आसन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात के बाद सुदेश महतो ने अपने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर लिखा कि राजग का संकल्प राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नवीन के नेतृत्व में राजग की एकता और अधिक सुदृढ़ होगी तथा जनसेवा और विकास की राजनीति को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी देने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने दिल्ली विधान सभा को बम से उड़ाने की धमकी की निंदा करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के पर्सनल ई-मेल पर बम ब्लास्ट की धमकी प्राप्त हुई है, जिसमें दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में दिल्ली पुलिस आयुक्त को प्राप्त ईमेल की जानकारी देते हुए तुरंत आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष के सचिव विनीत कुमार ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर धमकी वाले ईमेल की जानकारी साझा करते हुए तुरंत कार्रवाई की मांग की है। धमकी वाले ईमेल में खालिस्तान नेशनल आर्मी का जिक्र किया गया है। यह धमकी वाला ईमेल सोमवार सुबह 08.57 बजे दिल्ली विधानसभा की पर्सनल ईमेल पर kristalburnette~x@gmail.com से और सुबह 09.08 बजे फिर webb-bryon|{@gmail.com से भेजा गया है। पत्र में दोनों ईमेल आईडी की जानकारी देते हुए बम धमकियों के बारे में गंभीर चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए इन ईमेल के सोर्स का पता लगाने के लिए जांच करने को कहा गया है। धमकी मिलने के तुरंत बाद दिल्ली विधानसभा परिसर के साथ-साथ अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के आवास पर बम निरोधक दस्ते ने तलाशी अभियान चलाया।

आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में मिलावटी दूध से पांच लोगों की मौत, मुख्यमंत्री ने किया मुआवज़े का ऐलान

राजमुंदरी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राजमुंदरी के चौदेश्वरी नगर और स्वरूप नगर में स्थानीय लोगों के बीमार पड़ने की घटना पर विधानसभा में बयान दिया। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि लाला चेरुवु इलाके में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि आठ लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में वरलक्ष्मी डेयरी के मिलावटी दूध के सेवन से लोगों के बीमार पड़ने की पुष्टि हुई है। इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्वी गोदावरी की जिलाधिकारी कीर्ति चेकुरी ने बताया कि कुल 106 परिवारों को दूध की आपूर्ति की गई थी। इनमें से 12 लोगों में किडनी से जुड़ी समस्या पाई गई और पांच लोगों की मौत हो गई। 73 लोगों के रक्त नमूने लिए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट जल्द ही आने की संभावना है। जिलाधिकारी ने बताया कि दूध के नमूने जांच के लिए हैदराबाद भेजे गए है।

मेडिकल ट्रैवल इकोसिस्टम होगा मजबूत, अंतर-मंत्रालयी और नियामक समन्वय पर रहेगा जोर: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि मेडिकल ट्रैवल केवल आर्थिक अवसर नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विश्वास निर्माण का माध्यम भी है। मेडिकल वैल्यू ट्रैवल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सरकार अंतर-मंत्रालयी और नियामक समन्वय बढ़ा रही है। 'एडवांटेज हेल्थ केयर- इंडिया 2026' के 8वें संस्करण को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहा जेपी नड्डा ने कहा कि यह आयोजन सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने और वैश्विक स्वास्थ्य सेवा गतिशीलता के भविष्य को सामूहिक रूप से आकार देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और हितधारकों को सक्रिय रूप से भाग लेने, सार्थक सहयोग स्थापित करने और एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा भागीदार के रूप में भारत द्वारा प्रदान

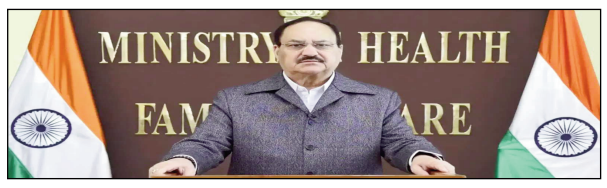

की जाने वाली विशाल क्षमता का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत, गुणवत्तापूर्ण और वैश्विक मानकों के अनुरूप स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण की दिशा में व्यापक सुधार कर रहा है। मेडिकल वैल्यू ट्रैवल भारत की क्लिनिकल उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों और मरीज-केंद्रित देखभाल का प्रतीक है। भारत के कुशल डॉक्टर, आधुनिक अस्पताल और डिजिटल हेल्थ तकनीकें कार्डियोलॉजी, कैंसर उपचार, अंग प्रत्यारोपण, ऑर्थोपेडिक्स और न्यूरोसाइंसेज जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय सेवाएं दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार विभिन्न मंत्रालयों, नियामक संस्थाओं और राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर मेडिकल ट्रैवल इकोसिस्टम को मजबूत बना रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का समन्वय भारत की समग्र स्वास्थ्य दृष्टि को दर्शाता है। कार्यक्रम के अंत में भारत की स्वास्थ्य क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। आयोजन का उद्देश्य भारत को विश्वसनीय और भरोसेमंद वैश्विक हेल्थकेयर पार्टनर के रूप में और मजबूत करना है।

गुरदासपुर में पुलिस अधिकारियों की हत्या की एनआईए से हो जांच:भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने पंजाब के गुरुदासपुर जिले की सीमा चौकी पर पुलिस के दो जवानों की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बहादुर अधिकारियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और पूरा देश उनके शोक संतप्त परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। चुग ने यहां पत्रकारों से बातचीत में इस घटना को बेहद चिंताजनक और एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर सीधा हमला बताया। उन्होंने पुलिस चौकी की भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से निकटता और सीमा पार से संभावित संलिप्तता के उभरते संकेतों को देखते हुए इस पूरे मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से करवाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि यह मामला इतना गंभीर है कि इसे राज्य स्तरीय जांच के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। चुग ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार को पंजाब में विघटनकारी और राष्ट्रविरोधी ताकतों को पनपने देने के लिए सीधे तौर पर दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि यह हत्या अमृतसर में एक पुलिस स्टेशन को उड़ाने की हालिया धमकियों के ठीक बाद हुई है और मोहाली स्थित पुलिस मुख्यालय सहित राज्यभर में पुलिस प्रतिष्ठानों पर हुए एक दर्जन से अधिक ग्रेनेड हमलों के बाद हुई है। उच्च सुरक्षा वाली जेलों के अंदर से संचालित होने वाले आपराधिक गिरोहों से लेकर ड्रोन के जरिए सीमा पार हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी तक, पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति खतरनाक होती जा रही है।

शंकराचार्य से मिले अजय राय, बोले— 'संतों के सम्मान पर आंच बर्दाश्त नहीं '

एजेंसी

वाराणसी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने केदारघाट स्थित विद्या मठ पहुंचकर ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संत समाज के सम्मान पर किसी भी प्रकार की आंच बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि शंकराचार्य को सुनियोजित साजिश के तहत बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। अजय राय ने कहा कि मोदी-योगी सरकार शंकराचार्य के खिलाफ साजिश रच रही है। उनके अनुसार, 'भगवान शंकराचार्य जी का अपमान पूरे सनातन धर्म का अपमान है। शंकराचार्य भगवान के स्वरूप हैं। हम काशीवासी और कांग्रेसजन उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। '

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की तानाशाही ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी और जनता समय आने पर इसका जवाब देगी।

संत परंपरा की रक्षा का दावा

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि काशी सदियों से संत परंपरा की पवित्र भूमि रही है, जहां संतों का सम्मान सर्वोपरि माना जाता है।

संतों और धर्माचार्यों की गरिमा को ठेस पहुंचाना भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा के खिलाफ है।

उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर तथ्य और प्रमाण के साथ जनता के बीच सच्चाई रखेगी और संत समाज की गरिमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

अजय राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक पूरी ताकत के साथ उठाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संत समाज के सम्मान पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मुलाकात के दौरान जिला अध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, अनिल श्रीवास्तव, प्रजानाथ शर्मा, सतनाम सिंह, मनीष मोरोलिया, ओमप्रकाश ओझा, अरुण सोनी, राजीव गौतम, राजू राम, प्रमोद वर्मा, संतोष चौरसिया, सदानंद तिवारी, आशीष तिवारी समेत दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मामला: ईडी ने 2,300 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग का किया खुलासा

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ गतिविधियों से जुड़े एक बड़े मामले में पूरक अभियोजन शिकायत दर्ज की है। यह शिकायत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत दायर की गई है। इस मामले में केसी वीरेंद्र को मुख्य आरोपी बनाया गया है, जबकि पृथ्वी एन राज, केसी थिप्पेस्वामी, फोनपैसा पेमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, गुलशन खट्टर, पपीज टूर्स एंड ट्रैवल्स एलएलपी, अर्जुन नागभूषण, अभिजीत सज्जन और लॉजिकफोर्ज सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड समेत अन्य लोगों और संस्थाओं के नाम भी शामिल हैं। ईडी ने यह जांच भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत कई राज्यों में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। इन एफआईआर में किंग567, प्ले567, प्लेविन567, गेमेक्स और अन्य संबंधित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए आम लोगों से धोखाधड़ी, प्रतिरूपण और जबरन वसूली के आरोप लगाए गए थे। जांच के दौरान पता चला कि

अवैध रूप से कमाई गई रकम को अलग-अलग पेमेंट गेटवे, फर्जी या म्यूल अकाउंट्स, विदेशी संस्थाओं, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स और विदेशों में भेजी गई रकम के माध्यम से घुमाया गया।

इससे पहले ईडी ने कर्नाटक और अन्य राज्यों में 60 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की थी। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, सोने की ईंटें, सोने-चांदी के आभूषण, वाहन, डिजिटल उपकरण और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए थे। ईडी ने केसी वीरेंद्र को पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया था। साथ ही 29 जनवरी 2026 को करीब 177.30 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की गई थीं। अब तक इस मामले में 320 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति अटैच या जब्त की जा चुकी है।

ईड़ी के अनुसार, अब तक 2,300 करोड़ रुपए से अधिक की अपराध से अर्जित धनराशि की पहचान की गई है, जिसे अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के जरिए कमाया गया और बाद में विभिन्न तरीकों से मनी लॉन्ड्रिंग की गई। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने दुबई समेत विदेशों में संपत्तियां खरीदीं और क्रिप्टो एसेट्स में भी लेनदेन किए। ईडी ने कहा है कि मामले की आगे की जांच जारी है।

वीबी जी रामजी अधिनियम रोजगार का अधिकार छीन रहा : सिद्धारमैया

एजेंसी

चिक्काबल्लापुर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वीबी जी रामजी अधिनियम ग्रामीण गरीबों के रोजगार के अधिकार को छीन रहा है और इसे निरस्त कर मनरेगा को बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य की जनता से कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने आज चिक्काबल्लापुर में आयोजित 'नरेगा बचाओ' आंदोलन में जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देशभर में 'मनरेगा बचाओ' अभियान शुरू किया गया है, क्योंकि केंद्र सरकार ने शीतकालीन सत्र के दौरान मनरेगा को निरस्त कर नया कानून लागू किया है। सिद्धारमैया ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम वर्ष 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में

और सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में लागू किया गया था। इस कानून का उद्देश्य श्रमिकों, आदिवासियों, छोटे किसानों और महिलाओं को 100 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी देना था। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के विचार को साकार करने में मनरेगा सहायक था। इसके तहत ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं को कार्यों के चयन और क्रियान्वयन का अधिकार था। लेकिन नए कानून के तहत निर्णय का अधिकार केंद्र सरकार के पास केंद्रित किया जा रहा है, जिससे पंचायतों का स्वशासन प्रभावित होगा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि नए प्रावधानों के अनुसार केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकारें 40 प्रतिशत अनुदान देंगी, जिससे राज्यों के अधिकार और हित प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मांग है कि वीबी जी रामजी योजना को पूरी तरह समाप्त कर मनरेगा को पुनः लागू किया जाए, पंचायतों के अधिकार बहाल किए जाएं तथा देशभर में न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन तय की जाए। सिद्धारमैया ने कहा कि किसान विरोधी कानूनों की तरह यह संघर्ष भी तब तक जारी रहेगा, जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं। उन्होंने राज्य के नागरिकों से ग्रामीण गरीबों के हित में इस आंदोलन का समर्थन करने की अपील की।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी की मांग: कांग्रेस देश से माफी मांगे

एजेंसी

बेंगलुरु। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस के कथित व्यवहार को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे 'बेहद चौंकाने वाला और खेदजनक' बताते हुए कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को देश से माफी मांगनी चाहिए।

बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए जोशी ने कहा कि कांग्रेस के इस रुख की आलोचना उनकी अपनी पार्टी के नेताओं ने भी की है। उन्होंने वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा के बयान का हवाला देते हुए कहा कि सम्मेलन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर 'अनुशासन, गरिमा और विवेक' बनाए रखना चाहिए था। जोशी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान का भी उल्लेख किया और कहा कि उन्होंने भी अलग अंदाज में इसी भावना को व्यक्त किया है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, एआई शिखर सम्मेलन में 29 देशों के प्रतिनिधि, 45 मंत्री, देश के प्रमुख उद्योगपति तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित थे।

ऐसे महत्वपूर्ण वैश्विक मंच पर कांग्रेस का आचरण अनुचित रहा। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी से देश की जनता से माफी मांगने की मांग दोहराई। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेताओं को भविष्य में शालीनता और मर्यादा बनाए रखने की सलाह दी।

जम्मू के अखनूर में विदेशी नोटों से बंधे पाकिस्तानी गुब्बारे बरामद

जम्मू। जम्मू के पास अखनूर सेक्टर के एक अग्रिम गांव से दो गुब्बारे बरामद किए गए। एक गुब्बारे पर एक पाकिस्तानी 5,000 रुपये का नोट और एक अमेरिकी डॉलर बंधा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि हवाई जहाज के आकार के सफेद और लाल गुब्बारे खुर सीमा क्षेत्र के गुनारा गांव में एक पेड़ पर चिपके हुए मिले। इन गुब्बारों पर एक पाकिस्तानी मोबाइल नंबर और एक क्यूआर कोड भी अंकित था, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि ये पाकिस्तान की ओर से अंतरराष्ट्रीय सीमा के इस तरफ हवा के साथ बहकर आए थे। सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान से आने वाले गुब्बारों का आना एक आम बात है, लेकिन यह पहली बार है कि इन पर विदेशी नोट बंधे हुए पाए गए हैं।बीएसएफ ने रविवार को भी पाकिस्तान की ओर से सीमा पार करके सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर के खेतों में गिरे 16 लाल गुब्बारे जब्त किए थे।

छत्तीसगढ़ डीएमएफ घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा 26 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ जिला खनिज न्यास(डीएमएफ) घोटाला मामले में आज आरोपित पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा को ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपित को रायपुर में विशेष एसीबी/ईओडब्ल्यू अदालत में पेश किया गया। जहां से 26 फरवरी 2026 तक की पुलिस रिमांड की अनुमति दी गई है। यह कार्रवाई ब्यूरो ने दर्ज अपराध की विस्तृत जांच के बाद की है।

जांच के दौरान मिले डिजिटल सबूत, दस्तावेज और गवाहों के बयानों से यह सामने आया है कि आरोपित ने डीएमएफ फंड से जुड़े काम अपने परिचित लोगों और फर्मों तथा को कमीशन लेकर दिलवाए। जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपित के खिलाफ सरकारी धन के दुरुपयोग, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार से जुड़े अपराध प्रथम दृष्टया पाए गए हैं। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसियां अब फंड आवंटन, टेंडर प्रक्रिया और भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की गहन पड़ताल कर रही हैं। मामले में अन्य अधिकारियों और संबंधित फर्मों की भूमिका भी जांच

के दायरे में है। इसके अलावा शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने कारोबारी अनवर ढेबर को भी गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला कि 2019-20 से 2023-24 के बीच ओवरटाइम के नाम पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान हुआ। यह पैसा शराब दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलना था, लेकिन कर्मचारियों तक पूरी रकम नहीं पहुंची। ब्यूरो के अनुसार आरोपित के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7बी, 8 और भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत प्रकरण दर्ज है। आरोप है कि एजेंसियों के जरिए इस पैसे का कुछ हिस्सा अवैध कमीशन के रूप में निकाला और बांटा गया, जिससे शासन को आर्थिक नुकसान हुआ। जांच में यह भी पाया गया कि यह कमीशन आखिरकार आरोपित अनवर ढेबर तक पहुंचाया जाता था। आरोपित को सोमवार विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

ओम बिरला ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूह गठित किए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के संसदीय कूटनीतिक संबंधों को नई दिशा देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों के गठन की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य विश्व के विभिन्न देशों की संसदों के साथ प्रत्यक्ष, नियमित और संस्थागत संवाद को बढ़ावा देना है, ताकि पारंपरिक राजनय के साथ-साथ संसदीय स्तर पर भी द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ किया जा सके।

इन मैत्री समूहों में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसदों को शामिल किया गया है, जो दलीय राजनीति से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। वरिष्ठ नेताओं में रवि शंकर प्रसाद, डॉ. एम. थंबीदुरई, पी. चिदंबरम, प्रो. राम गोपाल यादव, टीआर बालू, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार, गौरव गोगोई, कनिमोझी करुणानिधि, मनीष तिवारी, डेरेक ओ'ब्रायन, अभिषेक बनर्जी, असदुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, केसी वेणुगोपाल, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, संजय सिंह, बैजयंत

पांडा, शशि थरूर, निशिकांत दुबे, अनुराग ठाकुर, भर्तृहरि महताब, डी. पुरंदेश्वरी, संजय कुमार झा, हेमा मालिनी, बिप्लब कुमार देब, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, जगदंबिका पाल, डॉ. सस्मित पात्रा, अपराजिता सारंगी, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, पीवी मिथुन रेड्डी और प्रफुल्ल पटेल को विभिन्न देशों से संबंधित समूहों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिन देशों के साथ मैत्री समूह गठित किए गए हैं, उनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूज़ीलैंड, स्विट्ज़रलैंड, साउथ अफ्रीका, भूटान, सऊदी अरब, इज़राइल, मालदीव, अमेरिका, रूस, दक्षिण कोरिया, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान, इटली, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर, ब्राज़ील, वियतनाम, मेक्सिको, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यूरोपीय संसद के साथ भी संसदीय संवाद को संस्थागत रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सांसदों को अपने विदेशी समकक्षों से सीधे संवाद का अवसर प्रदान करना है। इन समूहों के माध्यम से व्यापार, प्रौद्योगिकी, कृषि, शिक्षा, संस्कृति, जलवायु परिवर्तन, सामाजिक नीतियों और वैश्विक चुनौतियों जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। नियमित बैठकें, अध्ययन दौरे और संयुक्त कार्यक्रमों के जरिए दीर्घकालिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

बिरला ने कहा कि संसदीय कूटनीति भारत की वैश्विक पहचान को सशक्त बनाती है और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की भूमिका को और प्रभावी बनाती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संसद से संसद और जनता से जनता के बीच संपर्क बढ़ाना समय की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न देशों में बहुदलीय शिष्टमंडल भेजकर राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर भारत की एकजुटता का संदेश दिया था। उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए लोकसभा अध्यक्ष की यह पहल वैश्विक मंच पर भारत की सशक्त, समावेशी और संवाद-आधारित लोकतांत्रिक छवि को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पहले चरण में 60 से अधिक देशों के साथ मैत्री समूह गठित किए गए हैं और निकट भविष्य में अन्य देशों के साथ भी ऐसे समूह स्थापित किए जाने की प्रक्रिया जारी है।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की गुणवत्ता जांच के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोबाइल क्वालिटी कंट्रोल वैन शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोबाइल क्वालिटी कंट्रोल वैन (एमक्यूसीवी) की शुरुआत की है। इस पायलट परियोजना को राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक और ओडिशा में लागू किया गया है। इसका उद्देश्य निर्माण कार्य की गुणवत्ता की मौके पर ही जांच करना है। मंत्रालय ने बताया कि मोबाइल क्वालिटी कंट्रोल वैन चलती-फिरती प्रयोगशाला की तरह काम करती है। इसमें ऐसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं, जिनसे बिना निर्माण कार्य को नुकसान पहुंचाए गुणवत्ता की जांच की जा सकती है। इससे निर्माण की मजबूती, टिकाऊपन और सुरक्षा का आकलन किया जा सकेगा। इन वैन में रिबाउंड हैमर लगाया गया है। यह उपकरण कंक्रीट की सतह की कठोरता और मजबूती की जांच करता है। इससे यह पता चलता है कि निर्माण मानकों के अनुसार हुआ है या नहीं। इसके अलावा अल्ट्रासोनिक पल्स वेग मीटर भी लगाया गया है। यह उपकरण सड़क की परत की सघनता की जांच करता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि सड़क लंबे समय तक अन्य खामियों का पता लगाता है। इससे छिपी हुई कमजोरियों की पहचान संभव होती है। वैन में एस्फाल्ट घनत्व मापक भी लगाया गया है। यह उपकरण सड़क की परत की सघनता की जांच करता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि सड़क लंबे समय तक टिकाऊ रहे। इसी तरह हल्का विक्षेप मापक भी इसमें शामिल है। यह मिट्टी और आधार परत की मजबूती का आकलन करता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि सड़क का आधार मजबूत है। मंत्रालय ने बताया कि वैन में रिफ्लेक्टोमीटर भी लगाया गया है। यह सड़क संकेत और मार्किंग की दृश्यता की जांच करता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि सड़क संकेत दिन और रात दोनों समय स्पष्ट दिखाई दें। इन वैन से प्राप्त जांच रिपोर्ट संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों को भेजी जाएगी। यदि किसी स्थान पर गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी आवश्यक कार्रवाई करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि इस परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग गुणवत्ता निगरानी पोर्टल भी विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल पर जांच रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध होगी।

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है।

सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।'

पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे।

दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं।

कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा

तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं : श्रीकांत

-सैमसन को मिले अवसर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। , क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे।

अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिली किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, ÷अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है। यह काफी खराब शॉट था और ऐसा शॉट खेलने के बाद वह क्रीज पर टिके रहने के लायक नहीं थे।÷

श्रीकांत ने कहा कि विराट कोहली के संन्यास के बाद बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मुश्किल में आ जाती है।

ब्रिस्बेन वनडे में टीम इंडिया की करारी हार, स्मृति मंधाना का अर्धशतक गया बेकार

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए वनडे द्विपक्षीय श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को छह विकेट से हरा दिया। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज में 1-2 से हार के बाद इस मैच में उतरी थी। उन्होंने मेहमान टीम को 214 रनों पर रोककर 215 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, कप्तान हीली ने फोएबे लिचफील्ड (32 गेंदों में 32 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की। श्री चरानी ने 11वें ओवर में अपनी टीम को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने इसी ओवर में जॉर्जिया वोल को भी आउट किया। आउट होने वाली कप्तान हीली ने 70 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्होंने बेथ मूनी (79 गेंदों में 76 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। एनाबेल सदरलैंड (44 गेंदों पर 48 रन नाबाद) और गार्डनर (4 गेंदों पर 5 रन नाबाद) नाबाद रहीं और ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच जिताने वाली इस शानदार पारी के लिए मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, भारतीय महिला टीम ने पहले ही ओवर में अपना पहला विकेट खो दिया जब मेगन शट ने विकेट के सामने प्रतिका रावल को कैच दे दिया। शेफाली वर्मा एक रन पीछे बल्लेबाजी करने आईं और लय हासिल नहीं कर सकीं। उन्होंने 17 गेंदों में सिर्फ चार रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। डार्सी ब्राउन ने उन्हें आठवें ओवर में कैच आउट किया। जेमिमा रोड्रिग्स भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गईं। पावरप्ले खत्म होने के तुरंत बाद एशले गार्डनर ने उन्हें आउट कर दिया। बेथ मूनी ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच पकड़ा।

स्मृति मंधाना ने 20वें ओवर में ताहलिया मैकग्राथ की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मैकग्राथ ने अपने अगले ओवर में मंधाना को 58 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने अपनी प्रभावशाली पारी में सात चौके लगाए। दीप्ति शर्मा क्रीज पर आईं और जल्द ही सिर्फ दो रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद ऋचा घोष कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ शामिल हुईं और दोनों ने छठे विकेट के लिए 37 रन जोड़े।

आईपीएल की तरह बदलाव वाली नीति विश्वकप में नहीं चलती : अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने टीम प्रबंधन की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार टी20 विश्वकप जीतने के लिए टीम प्रबंधन को आईपीएल वाली बदलाव की सोच से बाहर आना होगा। अश्विन ने कहा कि प्रबंधन ने जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर बिठाया वह समझ से परे हैं। साथ ही कहा कि ये सब आईपीएल में चलता पर विश्वकप में नहीं। अश्विन ने कहा कि इस प्रकार के बदलाव आईपील में इसलिए चलते हैं क्योंकि टीम को 14 गेम खेलने होते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंट में बदलाव कम से कम होने चाहिये और जितना आज टीम को स्थर रखते हैं उतना ही लाभ होता है। अश्विन ने साथ ही कहा, आपको नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने पिछले विश्व कप में किस प्रकार का प्रदर्शन किय था।

धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइक ?स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में

ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइज़ेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 399सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन है। इस बाइक की ट्यूनिंग इस तरह की गई है कि यह कम रफ्तार पर भी काफी अच्छी चलती है।इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट का विकल्प भी नहीं है और किक से स?टार्ट होती है। ये ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी काफी अच्छे से चलती है। इसमें सिग्नेचर टीयरड्रॉप फ्यूल टैंक, गोल हेडलाइट और चमकता हुआ क्रोम एग्जॉस्ट दिया गया है। ये बाइक 130-140 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक जा सकती है।

गंभीर की पॉलिटिक्स ने टीम इंडिया की इमेज को नुकसान पहुंचाया, पूर्व पाक बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम पर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज अहमद शहजाद ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर तीखी टिप्पणी की है। शहजाद का दावा है कि गंभीर की राजनीतिक पृष्ठभूमि का असर टीम के माहौल पर पड़ा है। साथ ही उन्होंने चयन फैसलों और संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

सुपर 8 हार के बाद बढ़ा दबाव

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली बड़ी हार ने भारतीय खेमे में चिंता बढ़ा दी है। इस हार के बाद सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो सकती है, जिससे कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजमेंट पर दबाव साफ दिख रहा है। कुछ चयन फैसलों ने भी बहस को जन्म दिया। अहम मुकाबले में अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका देने पर फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

पॉलिटिक्स टीम में भी आ गई : शहजाद

अहमद शहजाद ने कहा कि 2019 से 2024 के बीच राजनीति में सक्रिय रहने के दौरान गंभीर का दृष्टिकोण बदल गया। उनका इशारा उस समय की ओर था जब गंभीर सांसद रहे। शहजाद का मानना है कि राजनीति का असर अब टीम प्रबंधन में भी दिखाई दे रहा है। उनके मुताबिक, किसी भी खेल में सफलता के लिए पूर्ण फोकस जरूरी होता है, और अगर ध्यान बंटे तो उसका असर टीम के माहौल पर पड़ सकता है।

कुलदीप यादव को लेकर उठे सवाल

शहजाद ने यह भी कहा कि टीम अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कुलदीप यादव का जिक्र किया, जिन्हें टूर्नामेंट में सीमित मौके मिले हैं। उनका कहना था कि कुलदीप जैसे मैच-विनर स्पिनर को लगातार बाहर रखना समझ से परे है। टी20 फॉर्मेट में विविधता और विकेट लेने की क्षमता बेहद अहम होती है, और कुलदीप उस भूमिका को निभा सकते हैं।

कप्तान के साथ विवाद की चर्चा

शहजाद ने एक कथित घटना का भी जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और कुलदीप के बीच कहासुनी की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में दोनों खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी अनबन से इनकार किया। फिर भी शहजाद का मानना है कि कुलदीप को बाहर रखने के पीछे कोई और कारण हो सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चयन और रणनीति पर बहस

टीम इंडिया के चयन और रणनीति को लेकर चर्चा तेज है। आलोचकों का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट में टीम कॉम्बिनेशन का संतुलन बेहद अहम होता है। स्पिन विकल्पों और ऑलराउंडर्स के बीच सही तालमेल बनाना जीत की कुंजी साबित हो सकता है। इसके बावजूद यह भी तथ्य है कि गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हालिया बाइलेटरल सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एफआई प्रो लीग में स्पेन ने भारतीय हॉकी टीम को हराया

होबार्ट । स्पेन ने एफआई एच प्रो लीग के ऑस्ट्रेलियाई चरण में भारतीय हॉकी टीम को शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। दोनो टीमों के बीच तय समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा पर इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना पर गोल नहीं कर पायीं। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह के एक पास पर मनिंदर सिंह ने गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। वहीं तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने जबरदस्त प्रहार किये पर भारतीय रक्षा पंक्ति और गोलकीपर ने बचाव कर लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी जवाबी हमले किये। स्पेन के ब्रूनो फॉन्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार गोल दागकर मुकाबले को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं इसके बाद हुए शूटआउट में भारत के अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल नहीं कर पाये जिससे स्पेन ने 4-3 से मुकाबला जीत लिया।

बीसीएल में खेलते नजर आयेंगे धवन

मुम्बई। हाल में आयरलैंड की सोफी शाइन से दूसरी शादी करने वाले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन अब बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते नजर आएंगे। धवन बीसएल के दूसरे सत्र में 'यूपी ब्रिज स्टार्स' की ओर से खेलेंगे। धवन जैसे अनुभवी क्रिकेटर का लाभ टीम के युवाओं को मिलेगा। इससे पहले इसे लीग के पहले सत्र में भी धवन ने अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। बिग क्रिकेट लीग का आयोजन ग्रेटर नोएडा के खेल परिसर में होगा। ये टूर्नामेंट 11 मार्च से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला 22 मार्च को खेला जाएगा। यूपी ब्रिज स्टार्स प्रबंधन को उम्मीद है कि धवन की कप्तानी में टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज करेगी। उनके रहने से से युवा खिलाड़ियों को भी सीखने का काफी अवसर मिलेगा।बीसएल एक ऐसा टूर्नामेंट हैं जिसमें गली-मोहल्लों में खेलने वाले प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अवसर मिलता है। इस लीग में डॉक्टर, इंजीनियर, दुकानदार, वकील, किसान या किसी भी अन्य पेशे से जुड़ा व्यक्ति खेल सकता है। खास बात ये है कि आम खिलाड़ियों को भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलता है।

जब हम वेस्टइंडीज से खेलेंगे तो नेट रन-रेट जरूर मायने रखेगा : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 मैच में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट पार्थिव पटेल ने भारत की हार, पावरप्ले में उनकी बैटिंग को लेकर चिंताओं और ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अगले मैच के लिए प्लेइंग ढ्ढ में संभावित बदलावों का विश्लेषण किया।

पार्थिव पटेल ने भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कहा, '12 मैचों की जीत का सिलसिला पक्का खत्म हो गया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर क्रिकेट खेला। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छे से प्लान बनाया था और अपनी स्ट्रेटेजी को बहुत अच्छे से एग्जीक्यूट किया। हालांकि, हार का मार्जिन काफी है, और नेट रन-रेट निश्चित रूप से तब काम आएगा जब हम 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज का सामना करने जाएंगे। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ी जीत है, और यह सभी मुश्किलों के बावजूद मिली, यह देखते हुए कि इंडियन टीम जिस तरह से खेल रही थी। आपको दक्षिण अफ्रीका को क्रेडिट देना होगा। हां, उन्हें कुछ समय के लिए अहमदाबाद में खेलने का फायदा मिला, लेकिन यह हमारा घर है। जाहिर है, भारतीय टीम वापस जाकर यह देखना चाहेगी कि क्या उन्होंने चीजों को सिंपल रखने के बजाय उन्हें कॉम्प्लिकेटेड बना दिया था।'

पावरप्ले में भारत को जरूरी शुरुआत नहीं मिलने पर पार्थिव पटेल ने कहा, 'सिर्फ इस गेम में ही नहीं, बल्कि नामीबिया या अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ भी, हालांकि वह बैटिंग के लिए मुश्किल विकेट था, लेकिन जल्दी विकेट खोना भारत के लिए चिंता की बात रही है। जिस तरह से भारत ने पावरप्ले में विकेट खोए हैं, खासकर ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ, वह चिंता की बात है। इस बार यह मार्करम के लिए था। वे बहुत ज़्यादा शॉट खेल रहे हैं, एंगल के खिलाफ जा रहे हैं। शायद वे बैटिंग ऑर्डर में थोड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं, खासकर टॉप पर तीन लेफ़्ट-हैंडर होने पर। वे सूर्यकुमार को नंबर तीन पर भेज सकते थे। मुझे लगा कि भारत इस गेम में ऐसा कर सकता था। जब आप हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसे दिन आना तय है।'

पटेल ने संजू सैमसन की प्लेइंग ड्ढ में वापसी पर कहा, 'मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस आते देखना चाहूंगा। उन्होंने पहले भी अहम पारियां खेली हैं। हां, मैच-अप की भी अहमियत है, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर लाऊंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में अब उनकी घर वापसी भी हो सकती है। यह कुछ ऐसा है जिस पर भारत जरूर विचार करेगा, खासकर यह देखते हुए कि भारतीय लेफ्ट-हैंडर ऑफ-स्पिनर के खिलाफ बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। जब आप जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हैं, तो सिकंदर रजा भी पावरप्ले में काम आ सकते हैं। मैं तिलक की जगह संजू सैमसन को नहीं उतारूंगा। हां, संजू सैमसन भी अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। या शायद, भारत बैटिंग ऑर्डर बदलने की कोशिश कर सकता है, फिर सूर्या को नंबर तीन पर बैटिंग करनी होगी।'

अब 'प्रोड्यूसर' बन लोगों का दिल जीतेंगी नित्या मेनन

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, 'मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है।' अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, 'यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।' वीडियो में बताया गया है कि केयुरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ पार्श्व गायिका भी हैं, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'थिरुचित्राम्बलम' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म 'मिशन मंगल' में नजर आई थीं।

इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी प्रियामणि

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में एक अलग मुकाम बनाया है। साथ ही बाकी भारतीय कलाकारों के लिए भी राह खोली है। प्रियंका की राह पर चलते हुए साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी अब एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। इसमें उनके साथ टीवी पर 'महादेव' का किरदार निभाने वाला एक चर्चित एक्टर नजर आएगा।

मोहित रैना होंगे प्रियामणि के अपोजिट

इस फिल्म में प्रियामण के अपोजिट टीवी के चर्चित एक्टर मोहित रैना नजर आएंगे। वह बॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं। लेकिन टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मोहित रैना कहते हैं, 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह पहचान और अपनेपन को बहुत ईमानदारी से दिखाता है।' वहीं प्रियामणि ने कहा, 'जिस चीज ने मुझे तुरंत इस फिल्म की तरफ खींचा, वह थी कहानी का इमोशन और सच्चाई।' यूएस बेस्ड रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने इस क्रॉस बॉर्डर फीचर फिल्म के लिए मुंबई के एज्योर एंटरटेनमेंट के साथ पार्टनरशिप की है। यह फिल्म हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखी गई। वही इसका डायरेक्ट करेंगे। अभी तक फिल्म का टाइटल नहीं रखा गया है। यह एक फीचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें एक अप्रवासी परिवार की भावुक कहानी दिखाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2026 में शुरू होगा।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि अमेज़ॉन प्राइम विडिओ के वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' में क्रिकेट की चमक-दमक के पीछे की अंधेरी दुनिया को सिद्धांत ने बखूबी उकेरा था। फिलहाल बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी ज़रूर जाननी चाहिए।' वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नज़र आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं।

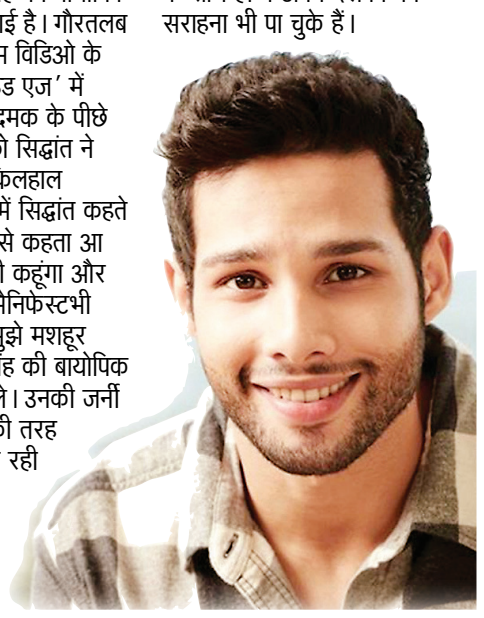

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' की टक्कर से बचकर निकले सनी देओल; आगे खिसकी 'गबरू' की रिलीज डेट

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल हुई है। इस बीच वे अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं, जिनमें फिल्म 'गबरू' का भी नाम है। पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। रिलीज डेट में बदलाव किया गया है।

'गबरू' कब होगी रिलीज?

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल के फैंस की नजर उनकी आगामी फिल्मों पर टिकी है। शशांक उदयपुरकर निर्देशित यह फिल्म पहले 13 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह फिल्म 08 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में ह्वद्व के साथ बातचीत में सनी देओल ने 'गबरू' को अपने दिल के सबसे करीब फिल्मों में से एक बताया।

फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा टकराव

फिल्म 'गबरू' को विशाल राणा और ओम छंगानी के प्रोड्यूस किया है। फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन और प्रीत कमानी अहम रोल में हैं। सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब इसका मुकाबला लक्ष्य ललवानी और अनन्या पांडे की फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा। यह फिल्म भी 08 मई को रिलीज होने वाली है। अनन्या और लक्ष्य की फिल्म को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' से बच निकले सनी देओल

बता दें कि मार्च में दो बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक दे रही हैं। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' और यश की 'टॉक्सिक'। दोनों ही फिल्में 19 मार्च 2026 को रिलीज हो रही हैं। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल रही। इसके दूसरे पार्ट का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दूसरी तरफ, 'टॉक्सिक' का भी क्रेज है। संभवत: इन दोनों फिल्मों से भिड़ंत से बचने के लिए मेकर्स ने सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज में बदलाव किया है।

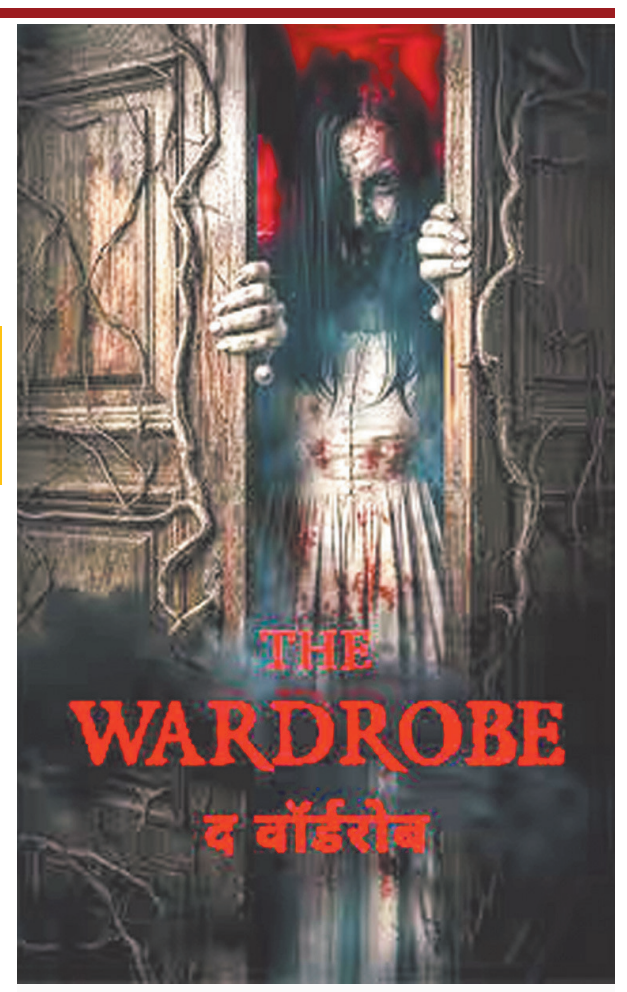

'द वॉर्डरोब' से होगा दिव्या अग्रवाल का बॉलीवुड डेब्यू

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म 'द वॉर्डरोब' का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है। टीवी रियलिटी शोज की विजेता रह चुकीं दिव्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है। दिव्या ने कहा, 'इस फिल्म ने मुझे एक कलाकार के तौर पर चैलेंज किया। कहानी बहुत ग्रिपिंग और एटमॉस्फेरिक है। मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे जल्द से जल्द देखें।' वहीं रजनीश दुग्गल ने भी फिल्म की स्क्रिप्ट की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें सस्पेंस और साइकोलॉजिकल एलिमेंट्स का शानदार बेलेंस है।

फिल्म की कहानी एक साधारण-सी दिखने वाली अलमारी से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे डरावनी घटनाओं की एक लंबी कड़ी को जन्म देती है। ट्विस्ट, शॉक और रहस्य से भरी यह कहानी दर्शकों को सीट से बांधे रखने पर मजबूर कर सकती है। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरित

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती हैं। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, 'नहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।'

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, 'मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलता

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है।

एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोड़ूंगी।'

फिल्म के गाने बनाने में समय लग गया

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, 'जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे तो फिल्म को एक भाषा में रिलीज करना हमें सही नहीं लगा। इसलिए ए.आर रहमान सर ने शुरू से फिल्म का संगीत बनाना शुरू किया। हिंदी के गाने पहले से ही तैयार थे, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी के गाने बनाने शुरू किए। उसमें एक साल और लग गया। लेकिन हमारी मंशा थी कि चाहे एक-दो साल लग जाएं लेकिन जब फिल्म दर्शकों के सामने आए तो लोगों की वाहवाही मिले।

जब मौसम करे उदास!

हमारी दिनचर्या ऋतु आधारित होती है। हम मौसम के अनुसार ही हम अपना खानपान, पहनावा और रोज़मर्रा के काम तय करते हैं। लेकिन मौसम अपने साथ एक खास तरह की बीमारी भी लाता है, क्या यह आप जानती हैं? मौसम के साथ आने वाली इस विशेष बीमारी को सैड यानी सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर के नाम से जाना जाता है, जो अवसाद का ही एक रूप है। यह किसी व्यक्ति को खास मौसम में हर बार अवसादग्रस्त बना देता है।

कारण अनजान है

सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर क्यों होता है और इसके होने की वजह क्या है, इसे लेकर सेहत के जानकार आज भी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाए हैं। लेकिन उनका मानना है कि सूरज की रोशनी की कमी इस डिस्ऑर्डर को बढ़ाती है। यह कमी व्यक्ति के उठने-बैठने और सोने के क्रम को प्रभावित करती है, जिसकी वजह से मस्तिष्क में मौजूद रसायन सेरोटिनन पर असर पड़ता है, जो मूड बदलने का कारण है।

लक्षण आसान है

इस डिस्ऑर्डर का सीधा सम्बंध क्योंकि मूड से है, इसलिए इसके लक्षण पहचानना भी आसान है। अवसाद की इस स्थिति से कोई भी प्रभावित हो सकता है। इसमें व्यक्ति का मूड थोड़ी-थोड़ी देर में बदलता रहता है, वह ज्यादा उदास रहने लगता है और किसी भी काम में उसका मन नहीं लगता। प्रभावित व्यक्ति यादा खाना खाने लगता है और उसका वज़न भी बढ़ने लगता है। दिन में थका-थका सा महसूस होना और यादा सोना भी इसके लक्षणों में शामिल है।

यह सभी लक्षण हर साल एक विशेष मौसम में दिखाई पड़ते हैं। देखने में आया है कि सैड के लक्षण सितंबर या अक्टूबर अथवा अप्रैल और मई के बीच यादातर प्रभावित करते हैं।

रोशनी में छुपा उपचार

चिकित्सक सैड के उपचार के लिए अधिकांशतः लाइट थैरेपी का उपयोग करते हैं, जो दो तरह से काम में लाई जाती है। पहली-ब्राइट लाइट थैरेपी, जिसमें रोगी को एक विशेष तरह के 'लाइट बाक्स' के सामने आधे घंटे या इससे यादा के लिए बैठाया जाता है। और दूसरी, हल्की लाइट थैरेपी,

जो सुबह होने से पहले की रोशनी जैसी होती है और धीरे-धीरे बढ़ते हुए रोगी को सुबह का अहसास कराती है। इसके अलावा अवसादरोधी दवाएं और काउंसलिंग भी रास्ते हैं, जो रोग से उबरने में आपकी मदद कर सकते हैं। सैड से रोगमुक्त होने के पश्चात भी नियमित व्यायाम, दिनभर में ज्यादा से ज्यादा सक्रियता (खासकर सुबह के समय) की सलाह चिकित्सकों द्वारा दी जाती है।

ज्यादा ठंडा दिल के लिए नहीं कूल

अगर आपको भी रोजाना ठंडी-ठंडी सॉफ्ट ड्रिंक गटकने की आदत है, तो आपके लिए वॉर्निंग है। एक नई स्टडी में दावा किया गया है कि रोज एक कैन यानी 350 मिलीलीटर सॉफ्ट ड्रिंक पीने वालों में हार्ट अटैक का खतरा 20 पर्सेंट तक बढ़ जाता है। ये ड्रिंक्स ज्यादा लेने से डायबीटीज और मोटापा बढ़ने की भी आशंका रहती है। हालांकि हफ्ते में दो सॉफ्ट ड्रिंक पीने वालों के दिल को खतरे के लक्षण नहीं दिखे हैं। वैज्ञानिकों ने 40 हजार पुरुषों पर सर्वे के बाद यह नतीजा निकाला। रोजाना सॉफ्ट ड्रिंक्स या दूसरी मीठी कोल्ड ड्रिंक्स लेने वालों के शरीर में खतरनाक फैट और प्रोटींस काफी बढ़ जाते हैं और अच्छे कॉलेस्ट्रॉल की माला घट जाती है। यह दिल के लिए अच्छा नहीं होता। अहम बात यह है कि एक्सरसाइज जैसे फैक्टर्स से भी इसमें फर्क नहीं पड़ता। स्टडी करने वाले वैज्ञानिकों के लीडर डॉ. फ्रैंक हू कहते हैं कि सॉफ्ट ड्रिंक्स के बजाय पानी, चाय और कॉफी लेना बेहतर होता है।

वजन बढ़ाती हैं सॉफ्ट ड्रिंक्स

भारत में एक्सपर्ट डॉक्टर इस स्टडी से पूरी तरह सहमत नहीं हैं लेकिन ज्यादा कोल्ड ड्रिंक से सेहत को खतरे की बात मानते हैं। ड्रिंक्स लेने का मतलब है ज्यादा कैलोरी लेना, जिससे मोटापा बढ़ सकता है जो तमाम बीमारियों की जड़ होता है। 50 मिलीलीटर मीठी सॉफ्ट ड्रिंक्स से 50 एक्स्ट्रा कैलोरी शरीर में पहुंचती है। रोजाना 300 एमएल ड्रिंक का मतलब 150 कैलरी ज्यादा। इससे एक साल में 8-9 किलो वजन बढ़ सकता है।

फ्रिज में रखें ये आहार

यह बहुत जरूरी है कि सोते समय ऐसा पौष्टिक आहार ग्रहण करें जिससे हमारा पेट भरा रहे। रात में खाना खाने के बावजूद भी अगर भूख लग जाती है तो घर की फ्रिज बहुत काम आती है। क्योंकि उसमें ऐसा जरूर कुछ न कुछ होता ही है जिससे हम अपनी भूख शांत कर सकते हैं। आज हम बात करेंगे कि फ्रिज में ऐसी कौन सी जरूरी चीजे रखें जो रात-बिरात हमारे खाने के काम आए।

फल- सेब, पीपीता, स्ट्रॉबेरी और अंगूर जैसे फल पौष्टिक तो होते ही हैं साथ ही इनको कई दिनों तक फ्रिज में भी स्टोर कर के रखा जा सकता है। इन फलों को खाने से शरीर में वसा भी कम होती है। जब भी आप जल्दी में हो या फिर थके हुए हों तो भी आप इनका सेवन कर सकते हैं।

सब्जियां- कुछ सब्जियां जैसे कि टमाटर या फिर गाजर खाने से पेट भी भरा रहता है और स्वाद में भी यह बहुत टेस्टी होते हैं। टमाटर खाने से शरीर का फैट बर्न होता है और गाजर में विटामिन ए होता है जिससे आंखों की रौशनी बढती है। तो इसलिए यह दोनों सब जयां तो आपकी फ्रिज में होनी ही चाहिए।

दूध- वसा रहित दूध रात में आपकी भूंख से जा रही जान को बचा सकता है। यह सेहत के हिसाब से भी बहुत अच्छा होता है। किसी भी समय दूध को फल के साथ खाने से सेहत बनती है। दूध में कैल्शियम पाया जाता है और वसा रहित दूध से फैट नहीं होता।

दही- यह सेहत से भरपूर दही आप या तो ऐसे ही खा सकते हैं या फिर सलाद में डाल कर इसका प्रयोग कर सकते हैं। जब भी आप कॉलेज या ऑफिस के लिए लेट हों तब दही में नमक या चीनी मिला कर खाने से पेट भर जाता है और पेट भी सही रहता है।

नींबू- हर फ्रिज में नींबू होना बहुत जरुरी है। इसको खाने में स्वाद तो बढाता ही है साथ में फैट भी बर्न करता है। सलाद बना कर नींबू की कुछ बूदें डालने से स्वाद आता है और नींबू का शरबत पीने से पेट भर जाता है।

फ्रूट से फ्रेशनेस रहे कायम

त्वचा की सही तरीके से देखभाल के लिए समय की दरकार होती है, पर टाइट शेड्यूल के चलते वैसा केयर संभव नहीं हो पाता है। लेकिन सौंदर्य विशेषज्ञ मोनिका झावेरी बता रही हैं कुछ फ्रूट मॉस्क के बारे में, जिनकी मदद से आप कम समय में भी खिला चेहरा पा सकते हैं। आइए जानते हैं उन्हें..

एप्पल मास्क

सामान्य त्वचा के लिए एप्पल मॉस्क मुफीद रहता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सेब के टुकड़ों को फूड प्रोसेसर में डालें और उनके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब इसमें शहद मिलाएं और इसे फ्रिज में 10 मिनट के लिए रख दें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं। चेहरे पर लगाने के बाद इसे 30 मिनट के लिए वैसा ही छोड़ दें और फिर धो दें। सेब में विटामिन ए, बी और सी की बढ़िया माला होती है, लिहाजा यह एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट भी है।

ऑरेंज मास्क

मुंहासे एक सामान्य समस्या है और कुछ लोगों क ो यह अक्सर परेशान करती है। खासतौर से किशोरवय के लोग इससे ज्यादा जूझते रहते हैं। मुंहासों से भरी त्वचा के लिए आरेंज मॉस्क बढ़िया काम करता है। इसे बनाने के लिए संतरे में एक टी-स्पून पुदीना और नीबू का रस मिलाएं और फिर इसे चेहरे पर लगाएं। इसे चेहरे पर लगाने के बाद 30 मिनट के लिए छोड़ दें और चेहरा धो लें।

जैसा कि हम जानते हैं, संतरे में विटामिन सी भरपूर होता है, इसलिए यह एंटी-ऑक्सीडेंट और जिंक का बेहतरीन स्रोत है। यह न केवल मुंहासे से बचाव करता है, बल्कि त्वचा की भीतरी सफाई कर मृत त्वचा को निकालने में भी मदद करता है। चेहरे से काले धब्बों को भी यह हटाता है। वैसे इन समस्याओं से निजात पाने के लिए संतरे के जैसे और दूसरे खट्टे फल का भी उपयोग किया जा सकता है।

स्ट्रॉबेरी मॉस्क

इस मॉस्क का उपयोग कमजोर त्वचा को मजबूत बनाने के लिए किया जाता है। इसे बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले, पके हुए स्ट्रॉबेरी का आधा कप जूस लें और इसमें एक चौथाई कप कॉर्न स्टार्च मिलाएं। लीजिए, हो गया तैयार। अब इसे चेहरे पर 30 मिनट तक लगाकर रखें, फिर इसे ठंडे पानी से धो दें। आप अपनी कमजोर त्वचा में कसावट व ताजगी पाएंगे। देखने वालों को इसमें चमक दिखाई पड़ेगी।

मोटापा बनता गर्भधारण में रुकावट

मोटापा महिलाओं के मां बनने के रास्ते में बहुत बड़ी बाधा खड़ी कर रहा है। पहले तो मोटी महिला गर्भ धारण बहुत ही मुश्किल से कर पाती है और यदि गर्भ ठहर भी जाए तो उसे कई जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। इस लिए ध्यान रखें कि गर्भधारण करने के पहले चर्बी न बढ़ाएं। मोटापा गर्भवती महिला की जान भी ले सकता है। मोटापा पेट में पल रहे बच्चे को भी हानि पहुंचाता है।

ऐसी स्थिति में पेट में पल रहा बच्चा भी काफि मोटा हो जाता है।

महिलाओं का मोटापा उनको बांझपन की ओर ले जा रहा है। कई शोधों से पता चला है कि मोटापा गर्भधारण करने में बहुत बड़ी अड़चन है। जो महिला मोटापे के बाद गर्भधारण कर के बच्चे को जन्म देती है उसका बच्चा भी 4 चार की उम्र तक आते आते मोटा हो जाता है। जो कि ठीक नहीं है। इस कारण आज की महिला अपने मोटापे को बड़ने नहीं देती जयरत पड़ने पर वह सर्जरी भी करवाती है। सर्जरी के बाद उनको गर्भधारण करने के लिए कम से कम दो साल का इंतजार करना पड़ता है।

मुलहठी के मीठे उपयोग

छोटे बच्चों और बच्चों के लिए आमतौर पर उपयोग में लाई जाने वाली वनौषधियों में एक है- मुलहठी, इसे जेठीमध, मधुक, मधुयस्टि भी कहते हैं। अँग्रेजी में इसे लिकोरिस कहते हैं।विभिन्न प्रकार के रोगों की एक दवा मुलहठी है।यह स्वाद में मधुर, शीतल, पचने में भारी, स्निग्ध और शरीर को बल देने वाली होती है। इन गुणों के कारण यह बढ़े हुए तीनों दोषों को शांत करती है।

'खाँसी-जुकाम से बड़े हुए कफ को कम करने के लिए मुलहठी का ज्यादातर उपयोग किया जाता है। बढ़े हुए कफ से गला, नाक, छाती में जलन हो जाने जैसी अनुभूति होती है, तब मुलहठी को शहद में मिलाकर चाटने से बहुत फायदा होता है।

'बड़ों के लिए मुलहठी के चूर्ण का इस्तेमाल कर सकते हैं। शिशुओं के लिए मुलहठी के जड़ को पत्थर पर पानी के साथ 6-7 बार घिसकर शहद या दूध में मिलाकर दिया जा सकता है। यह स्वाद में मधुर होती है अतः सभी बच्चे बिना झिझक के इसे चाट लेते हैं।

'मुलहठी बुद्धि को भी तेज करती है। अतः छोटे बच्चों के लिए इसका उपयोग नियमित रूप से कर सकते हैं।

'मुलहठी की मधुरता से पित्त का नाश होता है। आमाशय की बढ़ी हुई अम्लता एवं अम्लपित्त जैसी व्याधियों में मुलहठी काफी उपयुक्त सिद्ध होती है। आमाशय के अंदर हुए व्रण (अलसर) को मिटाने के लिए एवं पित्तवृद्धि को शांत करने के लि मुलहठी का उपयोग होता है। मुलहठी को मिलाकर पकाए गए घी का प्रयोग करने से अलसर मिटता है।

'यह हल्की रेचक होती है। अतः पाचन के विकारों में इ स के चूर्ण को इस्तेमाल किया जाता है। विशेषतः छोटे बच्चों को जब कब्ज होती है, तब हल्के रेच के रूप में इसका उपयोग किया जा सकता है। छोटे शिशु कई बार शाम को रोते हैं। पेट में गैस के कारण उन्हें शाम के वक्त पेट में दर्द होता है। उस समय मुलहठी को पत्थर पर घिसकर पानी या दूध के साथ पिलाने से पेट दर्द शांत हो जाता है।

अतः खाँसी, दमा, टीबी एवं स्वरभेद (आवाज बदल जाना) आदि फेफड़ों की बीमारियों में बहुत लाभदायक है। कफ के निकल जाने से इन रोगों के साथ बुखार भी कम हो जाता है। इसके लिए मुलहठी का एक छोटा टुकड़ा मुँह में रखकर चबाने से भी फायदा होता है।